फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 72 संख्याः 250 प्रभात जयपुर, शनिवार 16 अप्रेल, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Jai Hanuman Gyan Gun Sagar...

An English officer of the Indian Army, General Miller, discovered an ancient Hanuman temple in Wadi Tyin in Oman.

Privacy: Data from Friends & Strangers

RESEARCH: Covid 19 Variants Emerging Rapidly

वॉरशिप मॉस्कोवा (2013 की तस्वीर), जिसने यूक्रेन के शहरों पर क्रूज़ मिसाइलें दागी थीं, इन्फ्रास्ट्रक्चर, तेल-गैस भंडारों, सैन्य अड्डों व नागरिक प्रशासन की इमारतों को निशाना बनाया था, अन्ततः यूक्रेन के जवाबी हमले में डूब गया। मॉस्कोवा के डूब जाने को यूक्रेन वॉर का ''टर्निंग पॉइन्ट'' माना जा रहा है। इसकी तुलना दूसरे विश्व युद्ध में डूबे जर्मनी के युद्धपोत बिस्मार्क से की जा रही है। जिस तरह बिस्मार्क जर्मनी की नौसेना की ताकत का प्रतीत था वैसे ही मॉस्कोवा भी रुस की नौसेना का ''पावर स्टेटमैंट'' माना जाता था और 12500 टन की क्षमता वाला यह गाइडेड मिसाइल क्रूज़र पहले रुस के सीरियाई अभियान में तैनात किया गया था। एंटी शिप, एंटी एयर क्राफ्ट मिसाइल पैड युक्त मॉस्कोवा में पनडुब्बियों को नष्ट करने में सक्षम टॉरपीडो भी लगे थे। बताया जाता है, जब जहाज डूबा तो उस पर 510 लोग थे, अभी यह पता नहीं है कि इसमें कितने लोग मारे गए हैं। समुद्र में तैरते दुर्भेद्य किले सरीखे इस जहाज को डुबोकर युक्रेन की सैन्य कार्यवाही क्षमता ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। विडम्बना ही है कि यूक्रेन के जवाबी प्रहार में डूबा मॉस्कोवा 1980 के दशक में यूक्रेन में ही बना था। तब यूक्रेन सोवियत संघ का हिस्सा हुआ करता था। यूक्रेन के लोगों का कहना है कि, हमारी औरतों और बच्चों की हत्या करने के लिए यह पुतिन को हमारा छोटा सा जवाब है।

रूस का अति शक्तिशाली ''वॉर शिप'' मॉस्कोवा डूबा यूक्रेन के आक्रमण के बाद

''मॉस्कोवा'' एक तैरते किले के समान था, क्योंकि उस पर एंटी शिप व ''एंटी एयर क्राफ्ट'' मिसाइल लगे हुए थे तथा पनडुब्बी के आक्रमण का सामना करने के लिये ''टारपीडो'' भी थे

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। रूस के ब्लैक सी फ्लोटिला फ्लीट के प्रमुख युद्धपोत का डूबना यूक्रेन युद्ध और विश्वभर के सैन्य अभियानों के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

रूस इस बात को नहीं मानता कि युद्धपोत को यूक्रेन की मिसाइलों ने गिराया होगा। उनका मानना है कि जहाज के अन्दर लगी आग ने उसके संरचनात्मक संतुलन को नुकसान पहुंचाया और वह एक तरफ झुककर उफनते समुद्र में समा गया। इस तरह के जहाज के डूबने की तुलना शायद द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान डूबे जहाज ''द बिस्मार्क'' से भविष्य में की जाएगी। द्वितीय विश्व युद्ध में ''द बिस्मार्क'' को जर्मनी की नौसेना की ताकत का प्रतीक माना जाता था।

हालांकि जहाज डूबने के बाद रूस ने कीव के आस पास के इलाकों पर मिसाइलें दागना शुरू कर दिया। यूक्रेन को आशंका है कि अपने फ्लैगशिप युद्धपोत के डूबने के बाद रूस यूक्रेन में हमले और तेज करेगा।

इसमें कोई संशय नहीं कि जहाज डूबने से रूस और विशेष रूप से व्लादिमीर पुतिन की प्रतिष्ठा पर एक गहरा आघात है। रूसी तानाशाह अब यूक्रेन के ठिकानों पर दोगुने हमले कर अपना बदला लेने की कोशिश करेंगे।

समुद्र में डूबा जहाज ''मॉस्कोवा'' 12,500 टन गाइडेड मिसाइल्स क्रूजर था और रूस की नौसेना की ताकत था। इस युद्धपोत को इससे पहले रूस के सीरिया अभियान के दौरान तटीय सुरक्षा और जमीन से मिसाइलें दागने की जरूरतों पर निगरानी रखने के लिए तैनात किया गया था।

इसके बाद जब टर्की ने रूस के कई लड़ाकू विमान मार गिराए थे तब गुस्साए व्लादिमीर पुतिन ने इस युद्धपोत को ब्लैक सी में भेजा था जहां उसने एक क्षेत्र में फ्लोटिला फ्लीट के साथ अपनी वास्तविक पहचान बनाई थी और विविध उद्देश्य पूर्ण किए थे।

मॉस्कोवा में पनडुब्बियों के खिलाफ इस्तेमाल होने वाले टारपीडोज के अलावा एंटी शिप और एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल्स पैड्स भी लगे थे। इसकी स्पीड 32 मील प्रतिघंटा थीं तथा यह 6 सौ फीट लंबा था। इसी तरह का एक युद्धपोत इससे पहले अर्जेन्टीना तट के दौरान नष्ट किया गया था। तब 2 मई 1982 को एच.एम.एस. डैस्ट्रॉयर ने ''जनरल बैलग्रेड'' नामक युद्धपोत को डुबा दिया था।

मॉस्कोवा में 510 क्रू मैम्बर थे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- यूक्रेन की ''एंटी शिप'' मिसाइल ''नैप्च्यून'' ने इस भारी भरकम जहाज को मार गिराया। अब तक नैप्च्यून मिसाइल को इतना शक्तिशाली नहीं माना जाता था कि, ''मॉस्कोवा'' जैसे बहु सुरक्षित जहाज को हानि पहुंचा सकता है।
- समुद्र तट से चलायी गयी ''नैप्च्यून मिसाइल'' की इस कामयाबी ने समुद्री युद्ध के सिद्धांतों में तब्दीली लाने के बारे में सोचने को मजबूर कर दिया है विश्व को।
- पर, गंभीर बात यह है कि, इस समुद्री शिकस्त की खबर ने पुतिन को और हताश कर दिया है तथा वे कीव पर और भारी जवाबी आक्रमण करने की तैयारी कर रहे हैं।
- अमेरिका ने ''साऊथ चायना सी'' में अपने भारी भरकम जलपोतों को समुद्र से दूर ले जाना शुरू कर दिया है, तट से चलायी जा रही मिसाइल से बचाने के लिये। चीन अमेरिका की इस मनःस्थिति का लाभ लेकर और आक्रमक ढंग से सक्रिय हो गया है, ''साऊथ चायना सी'' में।

'पहले युद्ध को बढ़ाओ और फिर बाद में घटाओ'

सी.आई.ए. के निदेशक विलियम बर्न्स, जो रूस में अमेरिका के राजदूत भी रह चुके हैं, ने रूस की इस ''शुद्ध नीति'' की गहरायी से व्याख्या की

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। यह एक तनावपूर्ण सर्वेक्षण है। रूस द्वारा परमाणु हथियारों का उपयोग किए जाने की आशंका वास्तविकता की ओर बढ़ती जा रही है। वह इस तरह के विध्वंसक हथियारों से पूरी तरह लैस है। इस खतरे की आशंका किसी ओर ने नहीं बल्कि अमेरिकी इन्टेलीजैंस के प्रमुख, सी.आई.ए. निदेशक विलियम बर्न्स ने व्यक्त की है। अमेरिका के अटलांटा में एक भाषण के दौरान बर्न्स ने कहा कि यूक्रेन आक्रमण में रूस को मिली नाकामयाबी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सामरिक या हल्के परमाणु हथियारों का प्रयोग करने के लिए उकसा सकती है। रूस के पास कई परमाणु हथियार हैं, लेकिन उनकी मारक क्षमता अमेरिका द्वारा हिरोशिमा में डाले गए परमाणु बम से कम है।

ए.एफ.पी. की एक रिपोर्ट के अनुसार बर्न्स ने कहा कि ''राष्ट्रपति पुतिन और रूस के नेतृत्व की अत्यधिक निराशा तथा सैन्य रूप से उन्होंने जो नाकामयाबी झेली है, उसे देखते हुए हम में से कोई भी सामरिक परमाणु हथियारों या कम क्षमता के संभावित प्रयोग के खतरे को हल्के में नहीं ले सकता।

- इस युद्ध नीति के तहत, बर्न्स के अनुसार, रूस अगर जमीनी युद्ध पर हारने लगा तो, कम शक्ति वाले ''न्यूक्लियर बम'' का विस्फोट कर सकता है।

जॉर्जिया टैक युनिवर्सिटी के छात्रों को संबोधित करते हुए बर्न्स ने आगे बताया कि क्रेमलिन ने कहा था कि 24 फरवरी को आक्रमण शुरू होने के बाद ही उसने रूस की परमाणु शक्तियों को हाई अलर्ट पर कर दिया था, लेकिन अमेरिका ने उसकी व्यावहारिक तैनाती की बहुत सी वास्तविक साक्ष्य नहीं देखी है, जो अधिक चिन्ताजनक है।

बर्न्स ने कहा कि ''स्पष्ट रूप से हम बहुत चिन्तित है। मैं जानता हूं कि राष्ट्रपति बाइडन तीसरा विश्व युद्ध, जो कि दहलीज पर है, को टालने के लिए अत्यधिक फिक्रमंद है। आप जानते हैं इसमें परमाणु संघर्ष संभव बन जाता है। रूस के पास कई सामरिक परमाणु हथियार हैं, लेकिन वे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका द्वारा हिरोशिमा में डाले गये बम से कम सशक्त हैं। यदि पश्चिमी देशों के साथ परम्परागत लड़ाई में रूस की स्थिति थोड़ी खराब होती है तो ऐसी सूरत में वहां की सेना का एक सिद्धांत है जिसे ''एस्कलेट टू डिएस्कलेट'' कहा जाता है। इसके तहत अपनी स्थिति फिर से मजबूत करने के लिए शुरूआत में कम क्षमता वाले परमाणु हथियार का प्रयोग किया जाता है। लेकिन इस परिकल्पना में इस संघर्ष में नाटो यूक्रेन में सैन्य हस्तक्षेप करेगा। वह कोई आपात स्थिति नहीं होगी क्योंकि राष्ट्रपति बाइडन ने बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है कि यह संभव है।''

यह स्मरण करते हुए कि वे कभी रूस में अमेरिका के राजदूत रहे थे, बर्न्स ने पुतिन के लिए बहुत रूखे शब्दों का प्रयोग किया। उन्होंने उन्हें एक ऐसा व्यक्ति बताया, जो स्वयं को कर्मों की सजा देने वाला ईश्वरीय दूत मानता है और जो पिछले कई वर्षों से शिकायत, महत्वाकांक्षा और असुरक्षा के साथ दहक रहा है। बर्न्स ने कहा कि ''पुतिन प्रतिदिन यह दर्शाते हैं कि पतनोन्मुख शक्तियां भी उतनी ही हानिकारक हो सकती हैं, जितनी की उदित हो रही शक्तियां।

एक बात स्थिति को और उत्तेजक कर सकती है। वह है पश्चिमी मीडिया की खबरें कि पुतिन मानसिक रूप से अस्थिर हैं।

गुप्तचर सूत्रों से प्राप्त खबरें कहती हैं कि पुतिन कैंसर का स्टीरॉयड ट्रीटमैंट लेने के बाद शायद डिमेन्शिया, पार्किन्सन या उग्र व्यवहार के किस ब्रेन डिसआर्डर से पीड़ित हैं।

डेली मेल की एक खबर के अनुसार ऑस्ट्रेलिया, कैनेडा, न्यूज़ीलैण्ड, यू.के. और यू.एस. को मिलाकर बने फाइव आईज़ इन्टैलीजेंस अलायंस के वरिष्ठ लोगों ने क्रेमलिन के निकट सूत्रों का हवाला देते हुए माना है कि यूक्रेन पर हमला करने वाले पुतिन के वैश्विक रूप से निंदनीय निर्णय के पीछे एक मनोवैज्ञानिक स्पष्टीकरण है।

इन्टैलीजेंस समुदाय 69 वर्षीय पुतिन के बढ़ते अस्थिर व्यवहार के बारे में कई खबरें साझा कर रहा है। इनमें हाल ही प्राप्त फुटेज शामिल है, जिसमें वे मोटे दिखाई दे रहे हैं और क्रेमलिन के आगन्तुकों से बिना वजह दूरी बनाने पर जोर दे रहे हैं।

एक सुरक्षा सूत्र ने बताया कि ''कोई मानवीय स्त्रोत्र ही पुतिन की मनोस्थिति की सही तस्वीर पेश कर सकता है।'' पिछले पांच वर्ष का उससे अधिक समय से उनकी निर्णय क्षमता में विलक्षण बदलाव होते रहे हैं। पुतिन क्या कहते हैं और अपने आस पास की दुनिया को किस अंदाज से देखते हैं, उसे लेकर उनके आस पास के लोगों को उनमें एक यक़ीनी बदलाव नज़र आता है।''

इंगलैण्ड के शरणार्थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। ब्रिटिश सरकार ने अपनी एक योजना की घोषणा करते हुये कहा है कि कुछ शरणार्थियों को पुनर्वास के लिये हजारों मील दूर स्थित रवांडा भेजा जायेगा। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, दक्षिणपंथी ग्रुपों तथा विपक्षी नेताओं ने इस घोषणा की तत्काल भर्त्सना की है।

- इंगलैण्ड इन शरणार्थियों को, इंगलैण्ड में प्रश्रय देने के बजाय, उन्हें रवांडा भेजेगा तथा उनके पुनर्वास के लिये 157 मिलियन डॉलर भी देगा।

रवांडा, जिसके मानवाधिकारों के रिकॉर्ड को लेकर ब्रिटेन सहित कई देशों ने कड़ी आलोचना की है, ने कहा है कि इस संबंध में हुये एक समझौते के एक हिस्से के अन्तर्गत, उसे करीब 15.70

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में दरारें दिखने लगीं

मोदी के तीन बार टोकने व चुप होने का आदेश देने पर कुद्ध हुए गडकरी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। आग भड़क रही है और भाजपा के बड़े नेता एक दूसरे पर गुर्रा रहे हैं तथा आँखे तरेर रहे हैं।

एक कैबिनेट मीटिंग में, जब कैबिनेट मंत्री नितिन गडकरी को वह नहीं बोलने दिया गया, जो वे बोलना चाह रहे थे तथा तीसरी बार बोलने की कोशिश करने पर, प्रधानमंत्री ने उन्हें खामोश रहने के लिये कह दिया तो गडकरी अपनी सहजता खो बैठे।

उन्होंने कहा कि अगर मंत्री कैबिनेट मीटिंग में अपने विचार व्यक्त नहीं कर सकते तो फिर वे अपने विचार कहाँ रखेंगे। उन्होंने कहा कि वे यह सब पिछले आठ सालों से बर्दाश्त करते आ रहे हैं लेकिन अब बर्दाश्त करना मुश्किल हो रहा है।

गडकरी ने कहा कि उनके साथ 252 सांसद हैं लेकिन वे भाजपा संगठन के हित का खयाल करते हुये, चुपचाप बैठे हुए हैं।

यह खबर नागपुर से प्रकाशित समाचार पत्र ''लोकमत'' के एक वरिष्ठ पत्रकार ने प्रस्तुत की है। इस अखबार के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- गडकरी ने झल्ला कर कहा कि, अगर केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की बैठक में अपनी बात नहीं कह सकते, तो कहां कहेंगे।
- यह खबर नागपुर से छप रहे अखबार लोकमत में छपी तथा गडकरी ने इस बात की पुष्टि की कि, यह खबर सच है।
- लोकमत मैनेजमैंट ने पी.एम.ओ. के कहने पर उस पत्रकार को बर्खास्त कर दिया, जिसने यह खबर भेजी थी।

मेयर सौम्या गुर्जर

जयपुर, 15 अप्रैल (का.सं.)। ग्रेटर नगर निगम के तत्कालीन आयुक्त के साथ मारपीट, राजकार्य में बाधा डालने सहित आपराधिक षडयंत्र मामले में ग्रेटर नगर निगम मेयर सौम्या गुर्जर को आरोप मुक्त करने के फैसले को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की व तत्कालीन आयुक्त यज्ञमित्र सिंह देव की रिवीज़न याचिका पर शनिवार को सुनवाई होगी। वहीं इसी मामले में आरोपी चारों पार्षदों अजय सिंह, शंकरलाल, रामकिशोर और पारस कुमार जैन ने उन पर आरोप तय करने वाले फैसले को चुनौती देते हुए रिवीज़न याचिकाएं दायर की थीं, इन पर भी शनिवार को ही सुनवाई होगी।

- ग्रेटर नगर निगम आयुक्त के साथ अभद्रता करने के मामले में मेयर सौम्या गुर्जर को आरोप मुक्त करने के खिलाफ दायर याचिका पर आज सुनवाई होगी।

रिवीज़न याचिका में कहा गया है कि तत्कालीन आयुक्त यज्ञमित्र सिंह देव के साथ अभद्रता हुई थी। ऐसे में मेयर सौम्या को आरोप मुक्त करने का फैसला गलत है। वहीं पार्षदों की ओर से कहा गया कि उनके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं है, ऐसे में अदालत की ओर से लगाए गए आरोपों को रद्द किया जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुस्लिम नेता अखिलेश से दूरी बनाने लगे हैं!

इन खफा नेताओं की शिकायत है कि, अखिलेश अब मुसलमानों पर हो रहे दुर्व्यवहार व भ्रष्टाचार के मामले उठाने में रूचि नहीं ले रहे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। मुस्लिमों से संबंधित मुद्दों पर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की कथित खामोशी को लेकर पार्टी में चौड़ी होती हुई दरार आज उस समय खुलकर सामने आ गई, जब पार्टी के एक नेता मोहम्मद कासिम रहीम ने आज लखनऊ में पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया।

जहाँ उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नजदीकी नेताओं ने मुस्लिम मुद्दों पर उनके रूख को एक ''रणनीति'' बताया, जो भाजपा की ''धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति'' तथा ओ.बी.सी. एवं ऊँची जाति के मतदाताओं को उसकी तरफ जाने से रोकने के लिये चुनावों से पहले अपनाई गई थी, वहीं अन्य नेताओं का कहना है कि यह रणनीति चुनावों में कोई फायदा पहुँचाने में विफल रही तथा इसलिये इस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिये।

अल्पसंख्यक समुदाय पर अत्याचार की कथित घटनाओं पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की खामोशी पर सवाल खड़े करने वाले मुस्लिम नेताओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

सपा के एक प्रतिष्ठित मुस्लिम नेता ने अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर कहा, ''मध्य प्रदेश सहित कई शहरों में रामनवमी-उत्सवों के दौरान, मस्जिदों पर भगवा बिग्रेड द्वारा किये गये हमलों तथा मुस्लिमों के खिलाफ बढ़ रही हिंसक घटनाएं भी हमारे नेता की आत्मा झकझोर नहीं पा रही हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि अखिलेश जी चुनावी रणनीति के नाम पर चुप्पी नहीं साध सकते।

कासिम ने अपना इस्तीफा देते हुये कहा कि राज्य में मुस्लिमों पर किये गये कथित अत्याचारों के खिलाफ पार्टी प्रमुख तथा अन्य नेताओं ने कोई कदम नहीं उठाया। उन्होंने सपा प्रमुख पर आरोप लगाते हुये कहा कि मुस्लिमों से संबंधित मुद्दों को उठाने में उनकी कोई रूचि नहीं है।

आज़म खान, नाहीद हसन तथा शाहज़िल इस्लाम जैसे पार्टी विधायकों तथा अन्य मुस्लिम नेताओं की दुर्दशा का जिक्र करते हुये, रईन ने मीडिया को जारी कर दिये पत्र में लिखा है: ''मुस्लिमों के प्रति सपा अध्यक्ष के ऐसे रवैये से अप्रसन्न होकर, मैं पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे रहा हूँ। कासिम सुल्तानपुर जिले के सपा के क्षेत्रीय प्रभारी थे।

राजनैतिक पंडितों का मानना है कि सपा के मुस्लिम नेताओं में बढ़ते जा रहे असंतोष के परिणामस्वरूप, पार्टी को अल्पसंख्यक समुदाय को प्रसन्न एवं संतुष्ट रखना मुश्किल हो सकता है।

उनके अनुसार, अगर असंतोष बढ़ता है तथा जोर पकड़ता है तो सपा को 2024 में अल्पसंख्यक वोट बैंक को अक्षुण्ण बनाये रखने में तथा उतना अधिक समर्थन मिलने में मुश्किल का सामना करना पड़ेगा, जितना उसे अभी-अभी समाप्त हुये विधानसभा चुनावों में मिला था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इस खफा नेताओं को यह समझाने का प्रयास कर रहे हैं कि, यू.पी. चुनाव में भाजपा के खिलाफ ओ.बी.सी. व सवर्ण जातियों को अपने साथ लेने की रणनीति के तहत अखिलेश, मुस्लिमों के मुद्दों पर चुप्पी बनाये हुए थे।
- मुस्लिम वोट बैंक, सपा के पिछले इतिहास के कारण लगभग पूर्णतः सपा के समर्थन में आया।
- पर, फिर भी सपा केवल 111 सीटें ही जीत पायी, भाजपा की 273 सीटों पर विजय के सामने।
- एक पार्टी के पक्ष में पूर्ण रूप से संगठित होने की रणनीति फेल होने के कारण मुस्लिम नेताओं की यह रणनीति संभवतया बदलेगी।
- इसका लाभ कांग्रेस व बसपा को मिल सकता है, लोकसभा चुनाव में।

सोनिया को कांग्रेस का डिजिटल सदस्यता कार्ड

नई दिल्ली, 15 अप्रेल (वार्ता)। कांग्रेस ने अपने डिजिटल सदस्यता कार्ड अभियान के तहत पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को शुक्रवार को डिजिटल कार्ड उपलब्ध कराया।

पार्टी ने डिजिटल सदस्यता अभियान एक नवंबर 2021 को आरंभ किया था और इसके तहत पहला पंजीकृत डिजिटल कार्ड पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को दिया गया था। पार्टी ने इस अभियान के अंत में आज सोनिया गांधी को सदस्यता डिजिटल कार्ड सौंपा।

कांग्रेस पार्टी ने कहा कि डिजिटल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पार्टी ने गत वर्ष एक नवम्बर को डिजिटल सदस्यता अभियान शुरू किया था तथा पहला पंजीकृत डिजिटल कार्ड राहुल गांधी को दिया गया था।

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

जलवायु परिवर्तन और जल संकट

गर्मी के साथ ही देश में पेयजल संकट गहराने लगा है। इस साल मार्च माह की शुरुआत से ही देश में गर्म हवाएं चलनी शुरू हो गई। समय से पहले गर्मी का तेजी से बढना साफ तौर पर जलवायु परिवर्तन की ओर संकेत करता है। जलवायु परिवर्तन के कारण हमें कई चुनौतियों से जूझना होगा। इन चुनौतियों में एक बडा संकट पेय जल संकट है। जब किसी क्षेत्र में पानी की मांग बढ जाए और जल संसाधनों द्वारा उसकी आपूर्ति न हो पाये तो हम कहेंगे की वह क्षेत्र जल संकट से जूझ रहा है। देश में पानी की समस्या कोई नयी नहीं है।

शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल के लिए हाहाकार मचा है। देश इस समय भीषण जल संकट से गुजर रहा है और इस आसन्न संकट पर जल्द काबू नहीं पाया गया तो हालत बदतर होने की सम्भावना है।

जल मनुष्य को प्रकृति द्वारा दिया गया वरदान है। जल है तो जीवन है। प्रकृति वर्षा द्वारा जल देती है। जल उपलब्धता को लेकर वर्तमान में भारत ही नहीं अपितु समूचा विश्व चिन्तित है। जल ही जीवन है। जल के बिना सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव का अस्तित्व जल पर निर्भर करता है।

पृथ्वी पर कुल जल का अढाई प्रतिशत भाग ही पीने के योग्य है। इनमें से 89 प्रतिशत पानी कृषि कार्यों एवं 6 प्रतिशत पानी उद्योग कार्यों पर खर्च हो जाता है। शेष 5 प्रतिशत पानी ही पेयजल पर खर्च होता है। यही जल हमारी जिन्दगानी को संवारता है। भारत में पानी की उपलब्धता लगातार कम हो रही है। पानी की खपत की दृष्टि से विश्व में भारत का दूसरा स्थान है लेकिन दूसरी तरफ भूजल का दोहन भी उतनी तेजी से हो रहा है।

जलवायु परिवर्तन, जनसंख्या विस्फोट और परंपरागत जल स्त्रोतों के अत्यधिक दोहन की वजह से भूजल का स्तर लगातार कम होता जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत विश्व के कुल भूजल का 24 फीसदी इस्तेमाल करता है। शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जिस तरह से जल स्तर कम हो रहा है उससे भविष्य में संकट और गहरा हो सकता है। धरती का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी पानी से भरा हुआ है, लेकिन इसमें से सिर्फ तीन फीसदी हिस्सा ही पीने योग्य है। भारत अपनी जल-जरूरतों की पूर्ति के लिए सबसे ज्यादा भू-जल पर ही निर्भर है। यह ग्रामीण एवं शहरी घरेलू जलापूर्ति का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत है।

शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जिस तरह से जल स्तर कम हो रहा है उससे भविष्य में संकट और गहरा हो सकता है। धरती का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से भरा हुआ है, लेकिन इसमें से सिर्फ तीन फीसदी हिस्सा ही पीने योग्य है। भारत अपनी जल-जरूरतों की पूर्ति के लिए सबसे ज्यादा भू-जल पर ही निर्भर है।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 3 में से 1 व्यक्ति सुरक्षित पेयजल के बिना रहता है। दुनिया की आधी आबादी 2025 तक जल-तनावठास्त क्षेत्रों में रह रही होगी। दुनिया में लगभग 2.2 बिलियन लोग सुरक्षित पानी तक पहुंच के बिना रह रहे हैं। पृथ्वी का तीन चौथाई भाग पानी से ढका है मगर इस जल का 99 प्रतिशत पानी पिया नहीं जा सकता और पीने योग्य पानी पृथ्वी पर मात्र एक प्रतिशत ही है। पेयजल के महत्व को देखते हुए भूजल प्रबंधन महत्वपूर्ण हो जाता है। भूजल प्रबंधन के लिए पूरे विश्व को एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। भारत में विश्व की 17 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है किंतु जल उपलब्धता मात्र चार प्रतिशत है। देश के 267 जिलों में राष्ट्रीय औसत से अधिक भूजल का दोहन किया गया है।

देश इस समय भीषण जल संकट से गुजर रहा है और इस आसन्न संकट पर जल्द काबू नहीं पाया गया तो हालत बदतर होने की सम्भावना है। देश के करीब 60 करोड़ लोग पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। करीब 75 प्रतिशत घरों में पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। साथ ही, देश में करीब 70 प्रतिशत पानी पीने लायक नहीं है। साफ और सुरक्षित पानी नहीं मिलने की वजह से हर साल करीब दो लाख लोगों की मौत होती है। पृथ्वी पर कुल जल का अढ्ढाई प्रतिशत भाग ही पीने के योग्य है। इनमें से 89 प्रतिशत पानी कृषि कार्यों एवं 6 प्रतिशत पानी उद्योग कार्यों पर खर्च हो जाता है। शेष 5 प्रतिशत पानी ही पेयजल पर खर्च होता है। यही जल हमारी जिन्दगानी को संवारता है। देश और दुनियां में पर्यावरण की स्थिति लगातार असंतुलित होती जा रही है जिसके फलस्वरूप बहुत से क्षेत्र जल की कमी के कारण डार्क जोन में पहुंच चुके हैं।

अन्तराष्ट्रीय संस्था वर्ल्ड लाइफ फंड की एक रिपोर्ट के अनुसार विश्व में 100 शहर ऐसे हैं जिन्हें वर्ष 2050 तक जल संकट के गंभीर खतरे का सामना करना पडेगा। इन 100 शहरों में 23 भारत के हैं। भारत के शहरों में पुणे, ठाणे, वडोदरा, राजकोट, कोटा, नासिक, जबलपुर, हुबली, धारवाड, नागपुर, जालंधर, धनबाद, भोपाल, सूरत, दिल्ली, अलीगढ, लखनऊ, कन्नूर, श्रीनगर, कोलकाता, मुंबई, कोझिकोड, विशाखापट्टनम चिन्हित किए गए हैं जो डार्क जोन में हैं। 2050 तक इन शहरों को कई खतरों का सामना करना पडेगा जिनमे जल की कमी,बाढ और प्रदूषण मुख्य हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अध्ययन के अनुसार दुनियाभर में 86 फीसदी से अधिक बीमारियों का कारण असुरक्षित व दूषित पेयजल है। वर्तमान में 1600 जलीय प्रजातियां जल प्रदूषण के कारण लुप्त होने के कगार पर हैं। विश्व में 1.10 अरब लोग दूषित पेयजल पीने को मजबूर हैं और साफ पानी के बगैर अपना गुजारा कर रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में सिंचाई एवं अन्य कार्यों के लिए भूमिगत जल के अत्यधिक प्रयोग के कारण भूमिगत जल के स्तर में गिरावट आई है। सभी स्त्रोतों से प्राप्त जल मनुष्य के लिए उपयोगी नहीं होता। औद्योगीकरण के कारण नदियों का जल प्रदूषित होता जा रहा है, इन्हीं कारणों से मानव जगत् में पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई है। सरकार को जनता में जागरूकता लाने के लिए विशेष प्रबन्ध और उपाय करने होंगे। आवश्यकता इस बात की है कि हम जल के महत्व को समझे और एक-एक बूंद पानी का संरक्षण करें तभी लोगों की प्यास बुझाई जा सकेगी।

–अतिथि संपादक
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

एक राष्ट्र : एक चुनाव

डॉ. कैलाश सोडाणी

देश में 1952, 1957, 1962 एवं 1967 में लोकसभा एवं सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ सम्पन्न हुए थे

एक देश एक चुनाव का अर्थ भारत की लोकसभा एवं समस्त विधानसभाओं का चुनाव प्रत्येक पांच वर्ष में एक साथ कराने की व्यवस्था से है, जिसमें नगरपालिका एवं पंचायत चुनाव सम्मिलित नहीं हैं।

देश में 1952, 1957, 1962 एवं 1967 में लोकसभा एवं सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ सम्पन्न हुए थे। 1968 व 1969 में कुछ विधान-सभाएं राजनैतिक कारणों से समय से पूर्व भंग की गयी, जिससे एक राष्ट्र, एक चुनाव की व्यवस्था बाधित होना प्रारम्भ हो गयी। न केवल विधानसभाएं अपितु लोकसभा भी समय से पूर्व भंग होने लगी। फिर तो यह क्रम चल पड़ा। पिछले कुछ समय से तो भारत चुनावों के चक्रव्यूह में फंसा हुआ देश बन कर रह गया है। परिणाम स्वरूप प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री से लेकर सांसद, विधायक, सरपंच आदि सभी राजनीतिज्ञों एवं सरकारी मशीनरी का समय देश के विकास में लगने के बजाय चुनावों में लग रहा है। बार-बार चुनाव होने से सरकारी धन अनुत्पादक कार्यों में लग रहा है। हॉस्पिटल, स्कूल व सड़कों के लिए खर्च होने वाला धन चुनावी व्यवस्था में लग रहा है। यही स्थिति राजनैतिक दलों की भी हो रही है, लोकसभा और विधानसभा के चुनाव अलग-अलग होने से उनके खर्च भी दुगुने हो गये हैं। स्वाभाविक रूप से प्रत्याशियों के खर्च भी इसी ढंग से बढ़ गये हैं।

नि:संदेह बार-बार चुनाव से समय एवं धन की बर्बादी तो तय है, साथ ही चुनावों के कारण हर बार लगने वाली आचार-संहिता भी विकास एवं जनहित के कार्यों के लिए रुकावट बनती है। चुनावी आचार संहिता के कारण राजनीतिज्ञ पर्दे के पीछे चला जाता है। प्रजातंत्र की ड्राइविंग सीट पर सरकारी सामंत बैठ जाते हैं। कार्यपालिका अपनी मनमर्जी से राज करने लगती है, उन पर नियंत्रण समाप्त हो जाता है। लालफीताशाही और भ्रष्टाचार बढ़ जाता है।

पांच वर्ष की अवधि में तीन-चार बार के चुनावों के कारण बार-बार लगने वाली आचार संहिता की वजह से विधायिका द्वारा शासन करने का कालखण्ड भी बेवजह लगभग एक वर्ष कम हो रहा है। यह स्थिति किसी भी देश के प्रजातंत्र के लिए ठीक नहीं है। बार-बार चुनाव होते रहने की स्थिति में राजनीतिज्ञों एवं राजनैतिक दलों को समाज की समरसता को भंग करने का बार-बार अवसर मिलेगा। एक साथ चुनाव होने की स्थिति में इस प्रकार की समस्याओं से कुछ राहत मिलेगी।

एक राष्ट्र एक चुनाव से असहमति वाले विद्वानों का यह मानना है कि इतनी बड़ी आबादी वाले देश में लोकसभा एवं सभी विधानसभाओं के एक साथ चुनाव सम्भव नहीं है। हमारे देश के मजबूत एवं गौरवशाली इतिहास के धनी चुनाव आयोग एवं डिजिटल वर्ल्ड में यह तर्क बहुत कमजोर है। भारत की 75 वर्ष की शानदार और अभूतपूर्व प्रजातांत्रिक यात्रा के लिए चुनाव आयोग की निष्पक्ष एवं निर्विवादित भूमिका को सहर्ष स्वीकार करना चाहिये।

कुछ बुद्धिजीवियों का यह मानना है कि संविधान ने हमें जो संसदीय मॉडल प्रदान किया है, जिसके तहत लोकसभा एवं विधानसभाएं पांच वर्ष के लिए चुनी जाती हैं। लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करवाने पर कुछ विधानसभाओं का कार्यकाल घटाया जायेगा और कुछ का बढ़ाया जायेगा। जो न्यायसंगत नहीं है परन्तु यह स्थिति तो केवल एक बार आयेगी। बहुत कुछ पाने के लिए थोड़ा सा त्याग तो बनता भी है।

एक चुनाव की अवधारणा की क्रियान्विति के लिए संविधान एवं अन्य कानूनों में संशोधन की आवश्यकता रहेगी, जो देश के वर्तमान राजनैतिक माहौल में कठिन लगता है। वैसे नुकसान किसी भी राजनैतिक दल को नहीं है, फिर भी केवल विरोध के लिए विरोध किया जा रहा है। जिसे आपसी विचार विमर्श एवं सहमति से ठीक किया जा सकता है। भारत में इसी प्रकार की नई मुहिम के अन्तर्गत 'एक देश-एक कर' की व्यवस्था को जी.एस.टी. के द्वारा सफलतापूर्वक लागू किया गया है। देश का नीति आयोग, चुनाव आयोग, संविधान समीक्षा आयोग और विधि आयोग लम्बे एवं सार्थक विचार-विमर्श के बाद यह स्वीकार कर चुके हैं कि एक राष्ट्र एक चुनाव की व्यवस्था को देश हित में यथाशीघ्र प्रारम्भ किया जाना चाहिये।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुत ही दृढ़ता के साथ देशवासियों को एक चुनाव के लिए आव्हान किया। सभी राजनैतिक दलों को राष्ट्रहित में एक राष्ट्र एक चुनाव के निर्णय में भागीदार बनना चाहिये।

–डॉ. कैलाश सोडाणी
पूर्व कुलपति
महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर
गोविन्द गुरू जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा

पीपा जयंती पर विशेष

आज भी प्रासंगिक है संत पीपा जी का भक्ति साहित्य

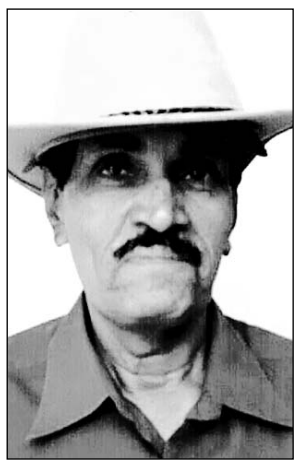

मिश्रीलाल पंवार

भारतवर्ष में ऐसे अनेकों संत-महात्माओं का उदय हुआ, जिन्होंने राजपाट का त्याग कर संन्यासी जीवन को अंगीकार किया। मानवता की सेवा की तथा अज्ञानियों को धर्म की राह बताई। ऐसे ही महापुरुषों में संत पीपा जी महाराज का नाम अग्रणीय है।

संत शिरोमणि पीपा जी का जन्म विक्रम संवत 1380 में राजस्थान में झालावाड़ के पास स्थित गागरोन में हुआ था। वे खींची वंश के प्रतापी राजा थे। पीपाजी का जन्म चैत्र शुक्ल पूर्णिमा, बुधवार विक्रम संवत 1380 को हुआ था। इनका बचपन का नाम प्रताप सिंह था। उच्च राजसी शिक्षा-दीक्षा के साथ ये युद्ध कौशल में निपूर्ण थे। पिता कड़वा राव के देहांत के बाद केवल बीस वर्ष की आयु में आपका गागरोन के राजा के रूप में राज्याभिषेक हुआ। अपने अल्प राज्यकाल में पीपाजी ने फिरोजशाह तुगलक, मलिक जर्दफिरोज व लल्लन पठान जैसे योद्धाओं को पराजित कर अपनी वीरता का लोहा मनवाया।

अच्छे-अच्छे योद्धाओं को धूल चटाने वाले बारह रानियों के स्वामी गढ़ गागरोन के महाराज प्रताप सिंह के मन में ना जाने कैसे अध्यात्म की ज्योत प्रज्वलित हो उठी। वे संसारिक भोग विलासिता से दूर होते गए। उनका मन अब राजपाट में कम ही लगता था। उस समय तक उनके जीवन में गुरु का आगमन नहीं हुआ था। उन्होंने सोचा के उन्हें किसी न किसी को गुरु बना ही लेना चाहिए। उन्हीं दिनों काशी के संत जगत गुरु रामानंदचार्य जी महाराज की चर्चा पूरे देश में फैली हुई थी। उन्होंने मन ही मन गुरु रामानंदचार्य जी महाराज को अपना गुरु मान लिया। एक दिन वे गागरोन से प्रस्थान कर काशी जा पहुंचे। काशी में रामानंदाचार्य जी के आश्रम जा पहुंचे तथा शिष्य बनाने की इच्छा जताई। वहां मौजूद लोगों ने रामानन्दाचार्य जी को बताया कि गढ़ गागरोन का राजा आया है। कहता है कि आपसे दीक्षा लेनी है। गुरु रामानंदचार्य जी महाराज ने सोचा की एक राजा दीक्षा लेकर क्या करेगा? लगता है किसी पारिवारिक परेशानी से होकर क्षणिक दुखी हो गया है, इसलिए दीक्षा लेने मेरे पास चला आया है। उन्होंने कुछ सोच कर वहां मौजूद शिष्यों से कहा कि राजा से कहो कि सामने जो कुआं है, उसमें जाकर कूद जाए। गुरु आज्ञा पाकर कुछ शिष्य राजा प्रतापसिंह के पास पहुंचे तथा कहा कि गुरु जी कहते हैं कि कुएं में कूद जाओ। इतना सुनते ही राजा प्रतापसिंह पास ही स्थित कुएं की तरफ दौड़ पड़े। वे कुएं के भीतर कूदने ही वाले थे कि लोगों ने उन्हें पकड़ लिया।

यह बात गुरु जी के कानों तक पहुंची तो वे बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने राजा प्रतापसिंह को अपने पास बुलाया तथा गागरोन जाकर प्रजा सेवा करते हुए भक्ति करने व संत जीवन व्यतीत करने का आदेश दिया। गुरु आज्ञा पाकर राजा प्रतापसिंह पुन: अपने राज्य गागरोन आ पहुंचे। उन्होंने भक्ति करने के साथ साथ साधु-संतों की सेवा भी आरम्भ कर दी। गरीबों के लिए लंगर लगवा दिए तथा कीर्तन मण्डलियां कायम कर दीं। राजपाट का कार्य मंत्रियों पर छोड़ दिया। सीता जी के अलावा बाकी रानियों को राजमहल में खर्च देकर भक्ति करने के लिए कह दिया।

एक वर्ष पश्चात संत रामानन्दाचार्य जी अपनी शिष्य मंडली के साथ गागरोन आए व पीपाजी को दीक्षा देकर वैष्णव धर्म के प्रचार का आदेश दिया। इसके साथ ही राजा प्रतापसिंह संत पीपा जी बन गए। इसके बाद पीपाजी ने अपना सारा राजपाट अपने भतीजे कल्याणराव को सौंप कर गुरु आज्ञा से अपनी सबसे छोटी रानी सीताजी के साथ वैष्णव-धर्म प्रचार-यात्रा पर निकल पड़े। पीपाजी सन्त कवि थे। उनकी रचनाएं आज भी प्रासंगिक हैं। वे भक्ति आंदोलन के प्रमुख संतों में से एक थे। गुरु ग्रंथ साहिब के अलावा 27 पद, 154 साखियां, चितावणि व ककहारा जोग ग्रंथ इनके द्वारा रचित संत साहित्य की अमूल्य निधियां हैं।

संत पीपा जी

पीपाजी महाराज का संपूर्ण जीवन चमत्कारों से भरा हुआ रहा। राजकाल में देवीय साक्षात्कार करने का चमत्कार प्रमुख है। उसके बाद संन्यास काल में स्वर्ण द्वारिका में सात दिनों का प्रवास, पीपावाव में रणछोडराय जी की प्रतिमाओं को निकालना व अकालग्रस्त इस में अन्न क्षेत्र चलाना, सिंह को अहिंसा का उपदेश देना, लाठियों को हरे बांस में बदलना, एक ही समय में पांच विभिन्न स्थानों पर उपस्थित होना, मृत तेली को जीवनदान देना, सीता जी का सिंहनी के रूप में आना आदि कई चमत्कार जनश्रुतियों में प्रचलित हैं।

इनके द्वारा सृजित यह नवीन वर्ग ऐसा था जो हाथों से परिश्रम करता और मुख से ब्रह्म का उच्चारण करता था। समाज सुधार की दृष्टि से संत पीपाजी ने बाहरी आडम्बरों, कर्मकांडों एवं रूढ़ियों की कड़ी आलोचना की तथा बताया कि ईश्वर निर्गुण व निराकार है वह सर्वत्र व्याप्त है। मानव मन में ही सारी सिद्धिया व वस्तुएं व्याप्त हैं। ईश्वर या परम ब्रह्म की पहचान मन की अनुभूति से है।

संत पीपा जी के अहिंसा के उपदेशों से प्रभावित होकर उस समय हजारों की संख्या में क्षत्रियों ने हिंसा का मार्ग त्याग कर सीवन कला को अंगीकार कर लिया। उनका सर्वाधिक प्रभाव मारवाड़ पर पड़ा। इनके अनुयायी पीपा क्षत्रीय दर्जी समाज के नाम से पहचाने जाते हैं। संत पीपा जी महाराज मारवाड़ की धरा पर कब पधारे, इसका इतिहास में कहीं उल्लेख नहीं है मगर उनके अनुयायियों का यहां बड़ी संख्या में होना प्रमाणित करता है कि वे मारवाड़ में आए थे तथा इस दौरान क्षत्रियों पर गहरा प्रभाव छोड़ा था।

कहते हैं कि पीपा जी के बताए अनुसार बड़ी संख्या में क्षत्रियों ने तलवार का त्याग कर सुई धागे से जीवन यापन करने की राह चुनी थी। हर वर्ष चैत्रिक पूर्णिमा को अपने आराध्य देव का जन्मोत्सव भक्ति भाव से मना कर श्रद्धा में शीश नवाते हैं। इस वर्ष 16 अप्रेल को संत पीपा जी का 699 वां जन्मोत्सव भारत भर में मनाया जाएगा।

मिश्रीलाल पंवार

राशिफल शनिवार 16 अप्रेल, 2022

पंडित अनिल शर्मा

श्री चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, शनिवार, विक्रम संवत 2079, हस्त नक्षत्र प्रात: 8:40 तक, हर्षण योग रात्रि 2:44 तक, विष्टि करण दिन 1:25 तक, चन्द्रमा रात्रि 8:01 पर तुला राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कुम्भ, बुध-मेष, गुरू-मीन, शुक्र-कुम्भ, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

रवियोग प्रात: 8:40 तक बना रहेगा। भद्रा दिन 1:25 तक रहेगी। आज चैत्री पूर्णिमा, सत्य पूर्णिमा व्रत, मन्वादि, श्री हनुमान जन्मोत्सव, सर्व देव दमनोत्सव, इस्टर सेटर डे है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:41 से 9:16 तक, चर 12:27 से 2:02 तक, लाभ-अमृत 2:02 से 5:12 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:06, सूर्यास्त 6:47

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अटके हुए कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। मन का भय समाप्त होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

कन्या
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
धार्मिक-मांगलिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

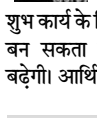

मिथुन
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

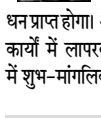

तुला
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

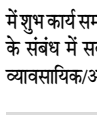

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

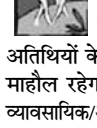

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

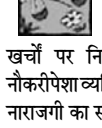

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है।

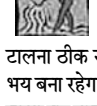

मीन
परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

ख्याली गांव में पन्द्रह दिनों से नहीं पहुंचा आपणी योजना का पानी

चूरू, (कासं)। निकटवर्ती गांव ख्याली के निवासियों के लिए झुंझुंनूं जिले में होना जी का जंजाल बना हुआ है। ख्याली में पन्द्रह दिनों से आपणी योजना चूरू का पानी नहीं पहुंच रहा है। झुंझुंनूं जिले में होने के कारण आपणी योजना चूरू के अधिकारी ग्रामीणों की कोई सुनवाई नहीं कर रहे हैं। ख्याली निवासी राजेन्द्रसिंह ने बताया कि गांव में पिछले 15 दिन से भी अधिक समय से पेयजल की भंयकर समस्या बनी हुई है।

■ **गांव ख्याली के निवासियों के लिए झुंझुंनूं जिले में होना बना जी का जंजाल**

गांव ख्याली में चूरू जिले के सिरसला गांव में बनी आपणी योजना चूरू की टंकी से पेयजल सप्लाई होता है। पहले यहां 2 दिन पानी आता था। गर्मी का मौसम शुरू होने के बाद यहां आपणी योजना चूरू के अधिकारियों व कर्मचारियों ने पेयजल सप्लाई करने में लापरवाही बरतनी शुरू कर दी। अब गांव ख्याली के अगुणा पाना में पेयजल की सप्लाई पूरी से बंद कर दी गई है। यहां आपणी योजना चूरू को अवगत करवा देने के बाद भी अधिकारीगण कोई समाधान नहीं कर रहे हैं। उधर झुंझुंनूं जिले के उच्च अधिकारी ख्याली गांव में जाने को ही काले पानी की सजा मानते हैं। यही कारण है कि गांव ख्याली में आज तक कोई भी कलैक्टर, एडीएम, एसडीएम या अन्य किसी विभाग का उच्च अधिकारी नहीं आया है। इसी कारण गांव ख्याली के लोग पेयजल और चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। जनप्रतिनिधि सिर्फ अपने वोटों से मतलब रखते हैं, ग्रामीणों की समस्याओं से उन्हें कोई लेना-देना नहीं है। जनप्रतिनिधि ही अगर ख्याली की ओर ध्यान देते तो आज लोगों को पेयजल व चिकित्सा के लिए भटकना नहीं पड़ता।

यहां चन्द्र कंवर ने कहा कि गांव ख्याली में मलसीसर से पेयजल सप्लाई शुरू की जावे, तभी यहां पेयजल की समस्या का समाधान हो सकेगा। उन्होंने बताया कि घरों में बारिश का पानी एकत्रित करने के लिए बने कुण्ड खाली हो गए हैं। गांव के कुवों का पानी एकदम खारा है। ऐसे में पेयजल की बड़ी भारी समस्या उत्पन्न हो गई है।

अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को पेयजल समस्या का समाधान करवाना चाहिए। गौरतलब है कि मूलभूत सुविधाओं से वंचित एवं परेशान ख्याली के ग्रामीण गांव को चूरू जिले में शामिल करने की मांग भी कई बार कर चुके हैं।

देर रात तक जमी रूण्डेडा की प्रसिद्ध गैर

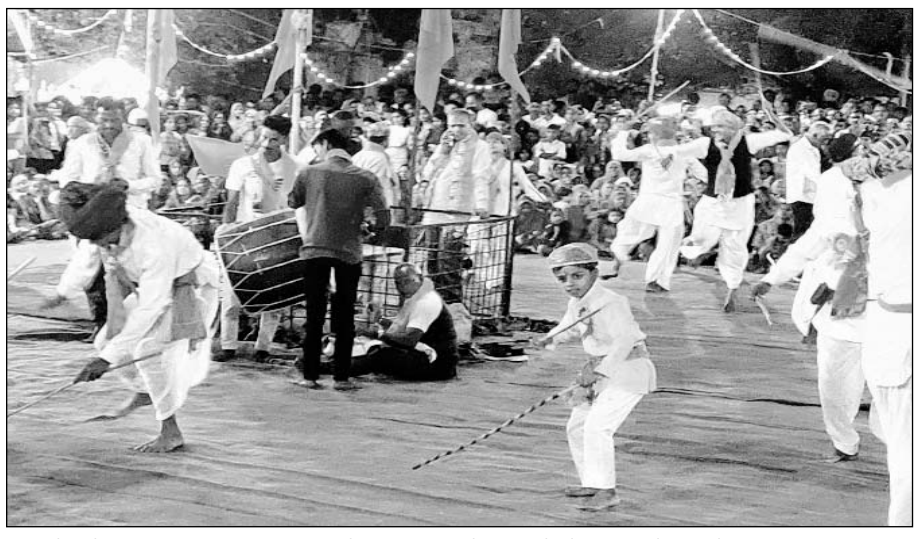

नगर के जोशिला हनुमान मंदिर प्रांगण में हनुमान जन्मोत्सव को लेकर आयोजित मेला व अन्य कार्यक्रम के तहत आयोजित गैर नृत्य देर रात तक जमा रहा।

कानोड़, (निसं)। नगर के जोशिला हनुमान मंदिर प्रांगण में हनुमान जन्मोत्सव को लेकर आयोजित मेला व अन्य कार्यक्रम के तहत गुरूवार रात को मंदिर परिसर में आयोजित गैर नृत्य देर रात तक जमा। रूण्डेडा गांव के मेनारिया समाज के लोग मेवाड की पंरपरा व सस्कृति को जीवंत रूप देते हुए पारंपरिक मेवाडी पगडी सहित परिधानों में पहुंचे। यहां मंदिर मण्डल के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत सम्मान किया। इसके बाद ढोल की थाप पर गैर नृत्य शुरू हुआ जो रात करीब 12 बजे तक चला।

बुजुर्गो ने एक हाथ में तलवार तो दूसरे हाथ में लाठी लेकर मनमोहन गैर नृत्य किया वहीं गैर नृत्य के दौरान एक नन्हा बालक भी आकर्षण का केन्द्र रहा जिसने बड़े बुजुर्गों के साथ कदमताल करते हुए नृत्य किया। आयोजन को लेकर मेले में बालाजी सहित वानर सेना की आकर्षक झाकियों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में एक लाख रूपये का सहयोग देने वाले भामाशाह व भाजपा वल्लभनगर प्रभारी हिम्मत सिंह झाला का मंदिर मण्डल पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान मोहन लाल मेनारिया, कानोड़ भाजपा मण्डल अध्यक्ष भगवतीलाल शर्मा , पूर्व पालिकाध्यक्ष अनिल शर्मा सहित अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक चन्द्रप्रकाश सुथार द्वारा किया वहीं आभार मंदिर मण्डल के भूपेन्द्र जोशी द्वारा किया गया।

■ **मेले का आज यज्ञ हवन के साथ होगा समापन**

इस कार्यक्रम के तहत आयोजित मेले में मेलार्थियों ने चकरी डोलर, गोल गप्पे सहित के आनंद के साथ खरीददारी की। आयोजक भूपेन्द्र जोशी ने बताया कि कार्यक्रम का समापन 16 अप्रेल को यज्ञ हवन की पुर्णाहूति के साथ होगा।

मुझे मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला, फिर भी सरकार गिराने की कोशिश की गई : गहलोत

डूंगरपुर में कांग्रेस सेवादल की आजादी गौरव यात्रा में बोले ''यदि हम निकम्मे थे, काम नहीं कर रहे थे तो अच्छा होता कि आप सरकार भंग कर देते''

डूंगरपुर/जयपुर, (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान के सियासी उलटफेर को एक बार फिर याद किया है और टाइमिंग भी वैसी ही है, जैसी उस समय थी। यानी कि उस समय राज्यसभा चुनाव से ठीक पहले जब कांग्रेस विधायकों की बाड़ाबंदी हुई थी, वही अब दो महीने बाद फिर राज्यसभा चुनाव होने हैं और उससे पहले ही गहलोत ने फिर से सियासी तनातनी को याद किया है। इतना ही नहीं उन्होंने राजस्थान में मंत्री परिषद छोड़ने वाले तीन नेताओं रघु, हरीश चौधरी और गोविंद सिंह डोटासरा को फिर से मंत्री पद मिलने की आस भी जगाई है। हालांकि यह मौका तो नहीं था कि सियासी बातें का, क्योंकि जिस जगह मुख्यमंत्री ने यह सब बातें कहीं वह मौका था कांग्रेस सेवादल की आजादी गौरव यात्रा का, लेकिन इस मौके का फायदा उठाते हुए मुख्यमंत्री ने राजस्थान की सियासत को फिर से चर्चा में ला दिया।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पौने दो साल पहले राजस्थान कांग्रेस में हुई आपसी तकरार और बाड़ेबंदी के समय को याद करते हुए कहा कि राजस्थान में अमित शाह और जोधपुर वाले एमपी गजेंद्र सिंह को शर्म ही नहीं आई। जोधपुर का एमएलए मैं हूं, मुझे मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला हुआ है। फिर भी सरकार गिराने की कोशिश की। मेरी सरकार गिराने के लिए अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान, गजेंद्र शेखावत ने हमारी पार्टी के अंदर तोड़फोड़ करनी शुरू कर दी थी। आप बताइए, यह लोकतंत्र है। कहां ले जाएंगे देश को।

इससे आगे मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि इससे अच्छा होता कि हम निकम्मे थे। काम नहीं कर रहे थे। राजस्थान का लॉ एंड ऑर्डर खराब हो गया। सब कुछ ब्रेक डाउन हो गया तो आप सरकार भंग कर देते। एमएलए खरीदकर आप देश को कहां ले जाना चाहते हैं? मोदीजी और अमित शाह पर यह दोष जो लगा है, देश के इतिहास में काले अक्षरों में लिखा जाएगा। इसे कोई मिटा नहीं सकता।

गुजरात के साबरमती आश्रम से शुरू हुई सेवादल की गौरव यात्रा की

- **मुख्यमंत्री गहलोत को फिर राजस्थान कांग्रेस में सियासी उठापटक की याद आई**
- **हरीश, डोटासरा को फिर से मंत्री बनने की आस जगाई, रघु शर्मा से कहा मैं गुजरात प्रभारी था, तो बना मुख्यमंत्री**

अगवानी करने के बाद रतनपुर बॉर्डर पर हुई सभा में बात करते हुए गहलोत ने कहा कि गुजरात प्यारा स्टेट, लेकिन यहां शासन करने वाले बड़े खतरनाक लोग है। चाहे वह अमित शाहजी हों या मोदीजी। कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं। उनकी कथनी करनी में भयंकर अंतर है। जो बहुत खतरनाक होता है। शासन करने वालों को दिल बड़ा रखना चाहिए। मोदीजी ने कहा कि 56 इंच का सीना है मेरा तो। यह वास्तव में दिखाना चाहिए था। संवेदनशीलता से शासन करते। सब जाति, धर्म, वर्गों को साथ लेकर चलते। देश का प्रधानमंत्री किसे कहते हैं ?

अमित जी शाह को निशाने पर लेते हुए मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि गृह मंत्री जहां कभी सरदार पटेल बैठे थे, वहां आप बैठे हो। क्या करतूतें कर रहे हो। विधायक खरीदकर सरकारें गिराओ। वोटों के माध्यम से नहीं पैसों के जरिए एमएलए खरीदो। राज्यसभा चुनाव हो तो एमएलए खरीदकर राज्यसभा की सीट जीतो। मध्य प्रदेश में सरकार चुनी हुई थी। आपने 22 एमएलए को 35-35 करोड़ में खरीदकर सरकार गिरा दी। यह कहां का लोकतंत्र है।

राजस्थान मंत्रिमंडल से हटने वाले तीन मंत्रियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि यहां रघु शर्मा ने कहा था कि या तो प्रभारी रहूंगा या मंत्री रहूंगा। इन्होंने मंत्री की जगह प्रभारी बनना मंजूर किया। कितनी बड़ी बात है। पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा मंत्री थे। इन्होंने मंत्री की जगह पीसीसी अध्यक्ष रहना मंजूर किया। मंत्री पद आते-जाते रहते हैं। मंत्री तो आप कभी बन जाओगे। रघु शर्मा, गोविंद डोटासरा, हरीश चौधरी खुद की इच्छा से मंत्री पद से हटे, जब चाहेंगे तब मंत्री बन जाओगे। योगदान दे रहे हो। मैं गुजरात का प्रभारी था। मुझे इन्होंने मुख्यमंत्री बना दिया। आप समझो। राहुल गांधी ने आपको सोच-समझकर गुजरात भेजा है। मैं खुद 10 महीने में प्रभारी रहा।

इससे पहले गुजरात के साबरमती से 6 अप्रैल को निकली यात्रा रतनपुर बॉर्डर पर पहुंची। गुजरात कांग्रेस के प्रभारी और राजस्थान के पूर्व चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा के नेतृत्व में बॉर्डर पर गौरव यात्रा के आते ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राजस्थान प्रभारी अजय माकन, राष्ट्रीय महासचिव मुकुल वासनिक, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद डोटसरा, कैबिनेट मंत्री महेंद्रजीत मालविया, सीडब्ल्यूसी के सदस्य रघुवीर मीणा, सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी भाई, यूथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गणेश घोघरा समेत कई नेताओं ने स्वागत किया।

गुड फ्राइडे पर प्रभु यीशु के दु:ख को महसूस किया

सेंट एंड्रयूज चर्च में शुक्रवार को गुड फ्राइडे मनाया गया। इस दिन प्रभु यीशु को क्रॉस पर चढ़ाया गया था जिससे उनकी मृत्यु हो गई थी। इस दौरान चर्च में विशेष प्रार्थना सभा हुई। सभा में जवानों द्वारा लघु नाट्य से प्रभु यीशु के दुख का चित्रण भी किया गया।

कांग्रेस की सरकार अपनी कमजोरी से गिर रही थी और गहलोत भाजपा पर झूठे आरोप लगा रहे : डॉ. पूनिया

'आपसे नहीं संभल रहा तो बेहतर होगा कि कुर्सी छोड़ दें'

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि, राज्य की कानून व्यवस्था संभालने में विफल अशोक गहलोत अपनी सरकार की सभी विफलताओं का ठीकरा केन्द्र पर डालते हैं, जो हास्यास्पद है, वह यह स्वीकार करने को क्यों तैयार नहीं है कि उनकी सरकार के संरक्षण में हिंसा और दंगे हो रहे हैं? हाल ही में करौली हिंसा का पूरा प्रदेश और देश गवाह है कि कांग्रेस शासन में बहुसंख्यक हिंदुओं पर सुनियोजित साजिश के तहत हमला किया गया।

डॉ. पूनिया ने कहा कि राजस्थान में अंतिम सांसें गिन रही कांग्रेस को बचाने और लचर शासन के कारण उत्पन्न जनाक्रोश ने अशोक गहलोत की नींद हराम कर दी है। झूठी सहानुभूति बटोरने की कोशिश वाले इन बयानों से गहलोत को कुछ हासिल नहीं होगा,

- **'कांग्रेस में नई पीढ़ी अशोक गहलोत के समक्ष चुनौती बनकर खड़ी है और वह सच को स्वीकार नहीं करना चाह रहे और ना ही नए नेतृत्व को उभरने देना चाह रहे'**

प्रदेश की जनता आपकी और कांग्रेस की हक़ीक़त को जान चुके हैं। कांग्रेस की सरकार व उनके विधायक 42 दिन बाड़े में इसलिए बंद रहे कि आपका आलाकमान मौसमी है वो शीत निष्क्रियता का आदी है, आपकी पार्टी में नई पीढ़ी आपके समक्ष चुनौती बनकर खड़ी है और आप सच को स्वीकार नहीं करना चाह रहे और ना ही नए नेतृत्व को उभरने देना चाह रहे, जिसकी सबसे बड़ी वजह कांग्रेस का परिवारवाद है। कांग्रेस की सरकार अपनी कमजोरी से गिर रही थी और आरोप आप हम पर (भाजपा) लगा रहे हैं, भाजपा के केंद्रीय नेताओं पर सरकार गिराने के झूठे आरोप लगाना गहलोत की नैतिक पराजय है, आप से नहीं हो पा रहा है तो बेहतर होगा कि आप कुर्सी छोड़ दें।

उन्होंने कहा कि, देश में जाति, पंथ, मज़हब और वोट बैंक की राजनीति की जनक कांग्रेस है, तुष्टिकरण की राजनीति शुरूआत से ही कांग्रेस ही करती है और करौली हिंसा की घटना भी कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति का ही नतीजा है। उन्होंने कहा कि, अशोक गहलोत बताएं कि भारत का विभाजन, कश्मीर, सिख नरसंहार इन सबका दोषी क्या कांग्रेस नहीं है? अपनी सरकार की नाकामियों से ध्यान भटकाने के लिए मुख्यमंत्री बार-बार केंद्र सरकार पर झूठे आरोप लगाते हैं, मुख्यमंत्री यह क्यों नहीं कहते कि प्रदेश की कानून व्यवस्था उनसे नहीं संभल रही।

मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री के बारे में गरिमाहीन व अमर्यादित बयान देने के बजाए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राज्य की कानून व्यवस्था मजबूत हो, कहीं भी दंगे और हिंसा ना भड़के, हिंदुओं सहित समस्त जनमानस की सुरक्षा सुनिश्चित हो और जो करौली में हिंसा हुई है, उसके दोषियों को सख्त सजा मिले और पीड़ितों को न्याय व आर्थिक मुआवजा मिले।

गहलोत जिस चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना का बड़ा गुणगान करते हैं, उसके हालात यह हैं कि आमजन को दवाइयां बाहर से खरीदकर लानी पड़ रही हैं, यह बात लोगों ने स्वयं मुख्यमंत्री से सवाईमानसिंह अस्पताल में कही कि सभी दवाइयां बाहर से लानी पड़ रही हैं।

नड्डा व बी.एल. सन्तोष के बाद अब प्रदेश में शाह के दौरे की तैयारी

जयपुर। प्रदेश भाजपा की ओर से प्रदेश में 2023 में होने वाले चुनावों की तैयारिया शुरु कर दी है। भाजपा का केन्द्रीय और प्रदेश नेतृत्व 2018 के विधानसभा चुनावों में कमजोर रही विधानसभाओं को मजबूत करने की तैयारी शुरु कर दी है। प्रदेश में पूर्व राजस्थान के बाद अब दक्षिणी राजस्थान की विधानसभा क्षेत्रों को मजबूत करने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए प्रदेश भाजपा की ओर से केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे की तैयारी की जा रही है। वहीं दक्षिणी राजस्थान से गुजरात की सीमा भी जुड़ी हुई है और गुजरात में इसी साल चुनाव भी हैं। इन सभी बातों को देखते हुए गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों के साथ प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में भी भाजपा अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी हुई है। प्रदेश के 2018 के चुनावों में कमजोर रहे पूर्व और अब दक्षिण राजस्थान के क्षेत्रों को मजबूत करने के लिए अभी से प्रयास जारी है। इन आदिवासी क्षेत्रों में भाजपा नेता प्रवास के दौरान आदिवासियों को केन्द्र की अटल बिहारी और नरेन्द्र मोदी सरकार ने ही काम किए है।

कांग्रेस ने एससी-एसटी को केवल वोट बैंक समझा : जसकौर मीणा

जयपुर। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर दौसा सांसद जसकौर मीणा ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मोदी सरकार की जनजाति वर्ग के लिए चलाई जा रही योजना का लाभ एवं उपलब्धियों के बारे में बताया। मोदी सरकार दुनिया भर में कीर्तिमान स्थापित करने के साथ ही पिछले 8 वर्षों से देश के गरीब तबके विशेषकर अनुसूजित जाति, जनजाति, अन्य दलित समाज के उत्थान के लिए काम कर रही है। देश में एससी/एसटी परिवारों के लिए 3 करोड़ गैस कनेक्शन, 1 करोड़ 60 लाख पक्के घर, जल व बिजली के कनेक्शन मोदी सरकार द्वारा दिये गए। साथ ही जनधन खातों व किसान कल्याण खाते या अन्य सभी योजनाओं का शत प्रतिशत पैसा दलित व आदिवासी लोगों के खातों में सीधा पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर राज्य से धारा 370 हटाकर जनजाति वर्ग के लिए आरक्षण का मार्ग प्रशस्त किया। मोदी सरकार बाबा साहब के सामाजिक समरसता के सपने को साकार कर रही है, जबकि 70 सालों से कांग्रेस शासनकाल में दलित व पिछडे वर्ग को केवल वोट बैंक ही

सांसद जसकौर मीणा

समझा गया। जनजाति वर्ग के भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को राष्ट्रीय गौरव दिवस घोषित किया गया, बाबा साहब अंबेडकर के जीवन से जुड़े 5 स्थानों को पंचतीर्थ विकसित करने का काम मोदी ने किया। बूंदी के राजा बूंदा मीणा व डूंगरपुर मानगढ़ धाम में कालीबाई का पनोरमा बनाकर आदिवासी क्षेत्रों का गौरव बढ़ाया।

पंडित दीनदयान के स्वप्न लक्ष्य अन्त्योदय पर चलते हुए मोदी सरकार अंतिम पायदान पर खडे प्रत्येक दलित और पिछडे वर्गो तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है।

जसकौर मीणा ने गहलोत सरकार

- **'गहलोत सरकार एससी-एसटी के विकास नाम पर केवल झूठ का पुलिंदा परोस रही है'**

के तीन साल के शासनकाल पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि प्रदेश में महिला अपराध चरम पर है, बजट की अधूरी घोषणाओं का लाभ नहीं मिलने के कारण एससी/एसटी की स्थिति दयनीय बनी हुई है। गहलोत सरकार एससी/एसटी के विकास नाम पर केवल झूठ का पुलिंदा परोस रही है। प्रदेश में 15 वर्षीय आदिवासी किशोरी से रैप व हत्या के बाद शव अर्द्धनग्न अवस्था में मिला, बांसवाड़ा जिले में एससी लड़की के मुंह व कपड़े फाड़ने की घटना होती है, उदयपुर के पानरवा क्षेत्र से महिला आदिवासी से दुष्कर्म का प्रयास हुआ और पुलिस ने एफआईआर बदलकर दोषी को बचाया। मनरेगा में काम करने वाले दलित व आदिवासी लोगों के साथ शोषण हुआ, यह आरोप गहलोत के सलाहकार संयम लोढ़ा ने पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा पर लगाया है।

एसएमएस अस्पताल में मरीज को बैड पर ही मिलेगी दवा

मुख्यमंत्री को मरीजों के लिए अस्पताल में दवा नहीं मिलने की शिकायत मिली तो चिकित्सा मंत्री ने अस्पताल की सुध ली

जयपुर,(कासं)। प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल सवाई मानसिंह चिकित्सालय में अव्यवस्थाओं की शिकायत मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को मिलने के बाद शुक्रवार को चिकित्सा मंत्री परसादीलाल मीणा ने अस्पताल का दौरा किया और व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों को बैड पर दवा पहुंचाने की व्यवस्था लागू करने के लिए कहा। इस दौरान मरीजों की

चिकित्सा मंत्री परसादीलाल मीणा ने शुक्रवार को एसएमएस अस्पताल का दौरा किया और व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए।

- **चिकित्सा मंत्री ने मरीजों से वसूली करने पर दो वार्ड वॉय को गिरफ्तार करवाया**

शिकायत पर चिकित्सा मंत्री ने दो वार्ड बॉय को मरीजों से वसूली करने पर गिरफ्तार भी करवाया।

देर रात सीएम पहुंचे थे अस्पताल

इससे पहले गुरूवार देर रात मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा अस्पताल पहुंचे थे। वहां उन्होंने बाडी के सहायक अभियंता हर्षाधिपति के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली थी। इस दौरान सीएम ने अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों से बात की तो उन्होंने अव्यवस्थाओं को लेकर जमकर शिकायतें की। मुख्यमंत्री ने तत्काल सभी की समस्याओं का 24 घंटे में निदान के निर्देश दिए थे। इस दौरान ट्रोमा में भर्ती मरीजों के परिजनों ने चिकित्सकों, नर्सिंग स्टॉफ और व्यवस्था में लगे अन्य कार्मिकों की शिकायतों का पुलिंदा मुख्यमंत्री के सामने रखा। परिजनों ने वर्तमान में मिल रहे इलाज को लेकर असंतोष जताया। साथ ही दवाई, इलाज और स्टाफ के व्यवहार पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयासों को स्टाफ लागू नहीं कर रहा है।

आज फिर मंत्री पहुंचे अस्पताल

इसके बाद चिकित्सा मंत्री शुक्रवार दोपहर अधिकारियों को लेकर फिर अस्पताल पहुंच गए और व्यवस्थाओं की जांच की। इस दौरान उन्होंने ट्रोमा सेंटर में मरीजों की स्थिति पर नाराजगी जताई और ट्रोमा सेंटर के स्टाफ को हिदायत दी कि वह मरीजों के हित में काम करें वरना सस्पेंड कर दिए जाएंगे। मीणा ने सभी चिकित्सकों और स्टाफ को निर्देशित कर दिया कि अब किसी मरीज के हाथ में दवा की पर्ची दिखी तो यूनिट हैड को एपीओ कर दिया जाएगा। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि ट्रॉमा सेंटर में जो भी नकारा कर्मचारी हैं उन्हें बाहर का रास्ता दिखाएं और यहां ईमानदार और अच्छे काम करने वाले कर्मचारियों को लगाया जाए।

अधिकारियों की ली क्लास

चिकित्सा मंत्री ने ट्रोमा सेंटर का दौरा करने के बाद वहीं पर अधिकारियों की बैठक ली। इसमें चिकित्सा शिक्षा प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया, डॉ. सुधीर भंडारी, अधीक्षक डॉ. विनय मल्होत्रा, अस्पताल के प्रशासनिक एडमिनिस्ट्रेशन और विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। मीणा ने सभी चिकित्सकों और एचओडी को स्पष्ट निर्देश दिए कि जो दवाईयां चिकित्सक लिखे, उसे वार्ड के अंदर मरीज के बैड तक पहुंचाने की व्यवस्था करें। वर्तमान में सरकार की ओर से 969 से ज्यादा दवाईयां मुफ्त उपलब्ध करवाई जा रही है। जो दवाईयां फ्री स्टॉक में नहीं होती उसे हॉस्पिटल परिसर के अंदर ही लाइफ लाइन या दूसरे स्टोर से उपलब्ध करवाया जाए, ताकि दवाईयों की पर्ची लेकर मरीजों के परिजनों को इधर-उधर भटकना नहीं पड़े। इस दौरान वहां मौजूद डॉक्टर्स और एचओडी ने वार्डों पर डीडीसी सेंटर बनाने, सभी यूनिटों में दवाओं का स्टॉक रखने का सुझाव दिया।

प्लास्टर बांधने के नाम पर पैसे मांग थे वॉर्ड वॉय

सीएम के समक्ष मरीजों ने परिजनों ने शिकायत की थी कि वार्ड बॉय मरीजों के प्लास्टर बांधने के नाम पर पैसे मांगते हैं। उसके बाद शुक्रवार को चिकित्सा मंत्री ने दोनों वार्ड बॉय के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। इस पर एसएमएस हॉस्पिटल थाना इंचार्ज ने वार्ड बॉय आरिफ खान पुत्र मोहम्मद जिलानी निवासी बंजारा बस्ती सूरजपोल जयपुर और जयलाल मेघवाल पुत्र देवाराम मेघवाल निवासी गिरधारीपुरा अजमेर रोड जयपुर को गिरफ्तार किया।

रोटेशन में लगेगी चिकित्सकों की ड्यूटी

अस्पताल के दौरे के बाद मीडिया से बात करते हुए चिकित्सा मंत्री ने कहा कि मरीजों की शिकायतों को दूर करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही मरीजों की समस्याओं को सुनने के लिए रोटेशन से यहां चिकित्सा अधिकारियों की ड्यूटियां लगाई जाएंगी। इसके साथ ही लपकों पर विशेष कार्रवाई करने के लिए भी कहा गया है।

उधर जार्ड का कहना है कि रेजिडेंट डॉक्टर्स 30-30 घंटे लगातार काम करते है, जरूरी दवाई लिखते है तो डीडीसी में उस पर नोट एलेविल की सील लगा देते है। मरीज वापस आता है, रेसिडेंट उसका विकल्प लिखते है वो भी अनुपलब्ध रहती है, ऐसे में एक रेसिडेंट डॉक्टर्स क्या करेगा। मरीज को ठीक भी करना है,अगर मना कर दे तो भी रेसिडेंट जिम्मेदार माना जाता है। अगर मरीज को दवा नहीं मिलती है तो स्टोर इंचार्ज, वार्ड इंचार्ज, हॉस्पिटल इंचार्ज और दवाई स्टोर इंचार्ज की क्या जिम्मेदारी है। रेजीडेंट डॉक्टर्स का कहना है कि प्रिंसिपल एवं कंट्रोलर का आदेश पूरी तरह से गलत। जिम्मेदार लोगों पर जांच करने के बजाय रेसिडेंट डॉक्टर्स पर सारा ठीकरा फोड़ना निंदनीय।

जिम्मेदारियों से मुंह फेरना गहलोत सरकार की स्ट्रेटजी : शेखावत

जयपुर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का सवाईमानसिंह अस्पताल में रोगियों के परिजनों द्वारा घेराव का वीडियो साधा कर तंज कसा है। शेखावत ने कहा कि इसलिए गहलोत जनता का सामना करने से डरते हैं। जिम्मेदारियों से मुंह फेरना गहलोत सरकार की स्ट्रेटजी है। शुक्रवार को ट्वीट कर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के वादे उनकी तरह फेल हैं। अपनी असफलताओं को केंद्र पर थोपते रहने की कारगुजारियों के बीच उनकी अपनी चिरंजीवी योजना की हकीकत एक आम नागरिक की आपबीती से सामने आने के बाद बगले झांकने के अलावा उनके पास कोई चारा न था। शेखावत ने कहा कि उन्हें ईआरसीपी की तरह का कोई झूठ नहीं सूझ रहा था। जिम्मेदारियों से मुंह फेरना गहलोत सरकार की स्ट्रेटजी है।

कृषि पर्यवेक्षक भर्ती में फर्जीवाड़े पर शेखावत ने कहा कि एक-एक सबूत इकट्ठा किया जा रहा है, कांग्रेस सरकार के काले कारनामों का। गहलोत जी जन सरोकार में नहीं साठगांठ में विश्वास रखते हैं। नौकरी के लिए दिव्यांग तक के फर्जी सर्टिफिकेट तैयार किए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार की संवेदना का इससे निचला स्तर क्या होगा?

दोषियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो भाजपा सड़कों पर उतरकर विरोध करेगी : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर। राजगढ़ विधायक जौहरी लाल मीणा के पुत्र पर लगे नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी के मामले में शुक्रवार को पीड़ित परिवार ने जयपुर पहुंचकर प्रतिपक्ष के उपनेता राजेंद्र राठौड़ से न्याय की गुहार लगाई।

पीड़ित परिवार ने राठौड़ से कहा कि मामला दर्ज कराने के तीन माह गुजर जाने के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। राठौड़ ने इस मामले में डीजीपी से बात कर चेतावनी दी कि यदि दोषियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो भाजपा सड़कों पर उतरकर विरोध करेगी। दौसा गैंगरेप मामले में पीड़ित परिवार ने राठौड़ से मुलाकात के दौरान यह भी बताया कि पुलिस ने पीड़ित किशोरी से 164 के बयान भी ले लिए लेकिन स्थानीय पुलिस अधिकारी विधायक पुत्र के खिलाफ कोई कार्रवाई करने से बच रहे हैं। वहीं प्रतिपक्ष के उपनेता राजेंद्र राठौड़ ने मीडिया से बातचीत में कहा कि गृह मंत्री होने के नाते मुख्यमंत्री को इस मामले में संज्ञान लेते हुए दोषी

- **विधायक पुत्र पर नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप के मामले में पीड़ित परिवार ने की उपनेता प्रतिपक्ष से मुलाकात की**

विधायक पुत्र पर कार्रवाई करानी चाहिए। राठौड ने कहा कि आज आलम यह है कि सभी विधायक खुद को मुख्यमंत्री से कम नहीं समझते हैं। ऐसे में पुलिस भी दबाव में ही काम कर रही है। राठौड़ ने डीजीपी एमएल लाठर से फोन पर बात कर पीड़ित परिवार को सोमवार को उनके पास भेजने की बात कही। यह भी कहा कि यदि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो भाजपा इस मामले को उठाएगी और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाएगी। वहीं राजेंद्र राठौड़ से शुक्रवार सुबह राज्य बीमा एवं प्रावधार्थी निधि विभाग से जुड़े कर्मचारी भी मिले और अपनी समस्याएं रखीं।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरी धर्मपत्नी **श्रीमती सुमित्रा देवी शर्मा** का स्वर्गवास दिनांक 15-04-22 को हो गया है। तीये की बैठक दिनांक 16-04-22 को सायं 5:00 से 6:00 बजे निज आवास के पास संकट मोचन हनुमान मंदिर, नंदपुरी कॉलोनी हवा सड़क पर रखी गई है।

शोकाकुल: राधेश्याम शर्मा (पति) (सेवानिवृत लेखाधिकारी, RSRTC), रामस्वरूप (जेष्ठ), रामावतार, कैलाश, जगदीश (देवर), राकेश कुमार (AAO RVPN) इंदुबाला, पुष्पेंद्र अंशु (पुत्र-पुत्रवधु), डिंपल (पुत्र), प्रेमशंकर, रेवती (भतीजे) अक्षत, प्रद्युम्न (पौत्र), अर्पिता (पोत्रि) एवम समस्त मिश्रा परिवार बैजूपाडा वाले

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य सलीम खान पुत्र स्वर्गीय वहीद खान, हाल निवासी मकान नम्बर-180, करीम नगर, खोनागोरियान, जयपुर (राजस्थान) ने अपने पुत्र नईम को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। मेरे अभिभाष्य का पुत्र नईम आये दिन मेरे अभिभाष्य से लडाई-झगडा करता है, मानसिक रूप से प्रताडित करता है एवं हैरान परेशान करता है एवं मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है। यदि कोई भी व्यक्ति, संस्था इत्यादि नईम से किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार, लेन-देन करेगा तो उसकी समस्त ज़िम्मेदारी स्वयं की होगी। मेरे अभिभाष्य व उसके परिवारजन की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। सूचित रहे।
जयपुर (पी.एम. खान) एडवोकेट, मो.नं. 9351253799

आम सूचना/ विधिक नोटिस मैं सतेन्द्र कुमार हुड्डा पुत्र स्व. धर्मपाल सिंह जातिः जाट, उम्र 63 वर्ष एवं मैं श्रीमती इन्द्रा हुड्डा धर्मपत्नी सतेन्द्र कुमार हुड्डा जाति जाट, उम्र 57 वर्ष निवासीः डी-280, करधनी स्कीम, गोविन्दपुरा, कालवाड़ रोड़, जयपुर हम दोनों द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे पुत्र सौरभ हुड्डा, उम्र 33 वर्ष एवं पुत्रवधू स्वाति हुड्डा, उम्र 27 वर्ष द्वारा हमारे साथ दुराचरण एवं अमर्यादित व्यवहार करते हैं। अपनी मनमर्जी तथा हठधर्मिता रखते हैं तथा हमें मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं और धमकियाँ देते हैं। इसलिए हम इन दोनों से सभी तरह के सम्बन्ध विच्छेद करते हैं। तथा हम इन दोनों को अपनी सभी प्रकार की चल- अचल सम्पत्ति से वंचित/ Disowned/ बेदखल करते हैं। अब हमारा इन दोनों से किसी तरह का कोई सम्बन्ध एवं लेना- देना नहीं है। अगर कोई व्यक्ति इनसे कोई लेन- देन करेगा तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। हम स्वयं एवं हमारा परिवार तथा हमारी सम्पत्ति किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगी।
दिनांक: 15-04-2022 सूचनाकर्ताः हस्ताक्षर- सतेन्द्र कुमार हुड्डा एवं श्रीमती इन्द्रा हुड्डा

राजस्थान आवासन मंडल, वृत- प्रथम, प्रताप नगर जयपुर
क्रमांक: 503 **जाहिर आम सूचना** दिं. 13.04.2022
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 77/167 (MIG-A), (एरिया 72.00 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री मनोहर लाल तलरेजा पुत्र स्व. श्री रामचन्द्र तलरेजा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2421 दिनांक 26.06.2021 को जारी किया गया। श्री मनोहर लाल तलरेजा की मृत्यु दिनांक 02.03.2019 को हो जाने के कारण वसीयतनामा के आधार पर श्री रमेश चन्द शर्मा पुत्र श्री जगदीश प्रसाद शर्मा द्वारा उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/ पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री रमेश चन्द शर्मा पुत्र श्री जगदीश प्रसाद शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
संपदा प्रबंधक वृत्त प्रथम, राज. आवा. मंडल

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत-द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email ID: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone: 0141-2782772
क्रमांक:- DHC-II/3461 **जाहीर आम सूचना** दिनांक :- 16/3/22
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा फ्लैट संख्या डीडब्ल्यूआर/ए-902, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 40.480 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री कैलाश चन्द झालाणी पुत्र श्री दामोदर लाल झालाणी को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 5416, दिनांक 25.03.2019 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त फ्लैट का भौतिक कब्जा दिनांक 17.07.2019 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात् राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 284 दिनांक 08.07.2019 के द्वारा श्री कैलाश चन्द झालाणी पुत्र श्री दामोदर लाल झालाणी के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त फ्लैट के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 27.02.2020 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री कैलाश चन्द झालाणी की मृत्यु दिनांक 31.05.2021 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती इन्द्रा झालाणी पत्नी स्व. श्री कैलाश चन्द झालाणी ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। श्रीमती इन्द्रा झालाणी पत्नी स्व. श्री कैलाश चन्द झालाणी के द्वारा मण्डल अभिलेख में उक्त फ्लैट का मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने का निवेदन किया है। अतः उक्त फ्लैट के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्रीमती इन्द्रा झालाणी पत्नी स्व. श्री कैलाश चन्द झालाणी के पक्ष में उक्त फ्लैट के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है। **सम्पदा प्रबंधक, वृत द्वितीय, जयपुर**

नाम परिवर्तन

मैं Pathan Shahazad Khan पुत्र युनुस खान निवासी प्लाट नं. 190, उद्योग नगर, अलहुदा मस्जिद के पास, झोटवाडा, जयपुर ने अपना नाम Pathan Shahazad Khan से बदलकर Shehzad Khan रख लिया है भविष्य में मुझे Shehzad Khan के नाम से जाना जावें।

We, Shirish Mittal S/o Anil Kumar Mittal and Radhika Mittal W/o Shirish Mittal R/o 2/189, Vidhyadhar Nagar, Jaipur have changed our Son's Name from Ahaan to Ahaan Mittal. He will know as Ahaan Mittal in future from now on.

I have changed my name from Yusuf Mohammed to Mohammed Yusuf S/o Mohammed Yaseen for all purpose. Resi. 1177, Nawab ka Chouraha, Ghat Gate Bazar, Jaipur.

कुलदेवी के दर्शन करने जा रहे दो भाइयों के परिवार हादसे का शिकार, छह की मौत

तीन घायलों को जोधपुर रैफर किया, कुशलक्षेम पूछने एमडीएम अस्पताल पहुंचे कलेक्टर-एसपी

जोधपुर/सादुलपुर, (कासं)। नागणेच्या माता के दर्शन के लिए जा रहे भाइयों के परिवारों की बोलेरो जोधपुर की बिलाड़ा तहसील के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 165 पर झुलरी फांटा के पास सीमेंट से लदे ट्रक ट्रेलर से टकरा गई, हादसे में दोनों भाइयों के परिवार के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन ने बिलाड़ा के ट्रोमा सेंटर में पहुंच कर दम तोड़ दिया। तीन गंभीर घायलों को शुक्रवार सुबह जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में रैफर किया गया। घायलों की कुशलक्षेम जानने के लिए जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक अनिल कयाल भी अस्पताल पहुंचे। हादसे में छह लोगों की मौत होने के साथ तीन घायल हुए हैं।

बिलाड़ा वृताधिकारी भूपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि चूरू जिले के ख्याली तहसील के रहने वाले चैनसिंह राजपूत और पवनसिंह का परिवार अपनी कुलदेवी नागणेच्या माता के दर्शनार्थ नागाणा जा रहे थे। यह लोग जयपुर से रात में 7-8 बजे के आस पास रवाना हुए थे। उनकी बोलेरो गाड़ी जब जोधपुर के बिलाड़ा में नेशनल हाइवे 125 पर पहुंची तब झुलरी फांटा के पास में मोड़ पर उनसे आगे चल रहे सीमेंट से लदे ट्रेलर ने अचानक से ब्रेक लगा दिया। इससे उनकी गाड़ी पीछे से ट्रेलर में घुस गई और बोलेरो में सवार नौ लोगों में से 3 की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। छह घायलों को तत्काल आम लोगों की मदद से बिलाड़ा के ट्रोमा सेंटर पर भेजा गया। वहां पर तीन ने पहुंचते ही दम तोड़ दिया। वृताधिकारी भूपेंद्र सिंह ने बताया कि हादसा रात में तकरीबन एक बजे के आस पास हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर लिया है। हादसे में पवनसिंह के दो पुत्रों 19 साल का विजयसिंह, प्रवीण सिंह एवं पत्नी मंजू कंवर की मौत होने के साथ उसके भाई चैनसिंह के परिवार में उसकी पुत्री 19 साल की मधुकंवर, पुत्र 20 साल का उदयप्रताप सिंह और 6 साल की मासूम दर्पण कंवर पुत्री वीरेंद्र सिंह की मौत हो गई। वहीं खुद 40 साल का पवन सिंह उसका भाई चैनसिंह, चैनसिंह की पत्नी संजू कंवर घायल हो गए।

जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में जिला कलेक्टर व एसपी ने घायलों की कुशलक्षेम पूछी।

- जोधपुर की बिलाड़ा तहसील के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 165 पर झुलरी फांटा के पास की घटना

दुर्घटना में मृत छह जनों के परिजनों को मुख्यमंत्री सहायता कोष से 1-1 लाख रुपए तथा घायलों के लिए 20-20 हजार रुपए की सहायता राशि मंजूर की गई है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर इस दुर्घटना पर गहरा दु:ख जताते हुए संवेदना व्यक्त की है।

कोटा में हिट एंड रन केस: कार ने दंपती को कुचला, पति की मौत

कार में सवार पति-पत्नी मौके से फरार हुए

कोटा, (निसं)। शहर के नयापुरा थाना इलाके में हिट एंड रन केस का मामला सामने आया है जिसमें गुरुवार देर रात एक कार ने सड़क के नजदीक सो रहे दंपती को कुचल दिया। हादसे में पति दिनेश की मौत हो गई और पत्नी और 11 साल का बेटा गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे महाराव भीमसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

घटना की सूचना के बाद पुलिस अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने मृतक के शव को महाराव भीमसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। वहीं शुक्रवार सुबह मृतक के परिजनें ने अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया। नयापुरा थाने के सब इंस्पेक्टर लईक अहमद ने बताया कि घटना जेके लोन अस्पताल के सामने मोंटेसरी स्कूल के पास की है। नयापुरा की तरफ से स्टेशन की तरफ जा रही अनियंत्रित कार ने देर रात करीब 1.15 बजे घटना को अंजाम दिया है।

घटना में मजदूर दिनेश की मौत हो गई है जबकि उसकी पत्नी वेणी और बेटा राकेश गंभीर रूप से घायल है। अहमद ने बताया कि मजदूर परिवार बारां का रहने वाला है। परिवार कोटा में मजदूरी के कार्य से ही जुड़ा हुआ था और सड़क के किनारे झोपड़ी बनाकर रह रहा है। कार में भी पति-पत्नी सवार थे जो घटना के बाद कार को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने कार को जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

- हादसे में मृतक की पत्नी और 11 साल का बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए
- अनियंत्रित कार ने देर रात करीब 1.15 बजे घटना को अंजाम दिया

तेज धमाके की आवाज:- दुर्घटना इतनी भीषण थी कि तेज धमाके की आवाज से सब सिहर गए। कार आगे से काफी क्षतिग्रस्त हो गई और झोंपड़ी में रखा हुआ सामान भी तहस-नहस हो गया। जिस खाट पर दिनेश सोया हुआ था वो भी पूरी तरह से चकनाचूर हो गई है। आनन-फानन में लोग हादसे के शिकार लोगों को सामने ही स्थित एमबीएस अस्पताल लेकर गए जहां पर तुरंत ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस उपाधीक्षक कालूराम वर्मा के मुताबिक गाड़ी चालक के नशे में होने की बात को जांचा जा रहा है।

घटना के बाद रास्ते पर बैठ गए लोग:- घटना के बाद पीड़ित परिजनों ने सड़क पर ठेले लगा कर गुस्से का इजहार किया। इस पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और इन लोगों को समझाया गया। मृतक के दूसरे बेटे का कहना है कि वो और उसके अन्य भाई बहन थोड़ी दूर झोपड़ी में अंदर सोए हुए थे। वे भी इस दुर्घटना में चोटिल हो सकते थे। मृतक के बेटे का आरोप है कि कार चालक नशे में था। उससे ठीक से चला भी नहीं जा रहा था।

बरसों से सड़क पर रहता है परिवार:- जिस जगह से हिट एंड रन का केस हुआ है, वहां मोंटेसरी स्कूल और लाडपुरा पंचायत समिति के मेन गेट के बीच सड़क के किनारे बड़ी संख्या में लोग झोंपड़ी बनाकर रहते हैं। ये सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं। इन्हें प्लास्टिक के काले त्रिपाल से ढका हुआ है। जिस समय हादसा हुआ वहां पर करीब 25 लोग अलग-अलग झोंपड़ी में सो रहे थे। आसपास के लोगों का कहना है कि करीब 40 साल से लोग यहां पर ही रहते हैं और अब उनका परिवार काफी बढ़ गया है। कई बार अतिक्रमण की कार्रवाई भी यहां पर हुई और इन लोगों को हटाया गया लेकिन ये वापस यहीं आकर जम जाते हैं। सभी लोग मजदूरी करके अपना गुजर-बसर करते हैं।

सूरजगढ़ पालिका ईओ सुमेर सिंह श्योराण को सस्पेंड किया

सूरजगढ, (निसं)। नगरपालिका ईओ सुमेर सिंह श्योराण को डीएलबी डायरेक्टर ने एक आदेश जारी कर सस्पेंड कर दिया है। जानकारी के मुताबिक झालरापाटन में ईओ पद पर रहते हुए सुमेरसिंह श्योराण के विरुद्ध एसीबी में भ्रष्टाचार को लेकर मुकदमा दर्ज हुआ था। मामले में राज्य सरकार ने ईओ श्योराण की अभियोजन स्वीकृति जारी करते हुए निलंबित कर दिया।

निलंबन के दौरान जयपुर मुख्यालय पर रहने के आदेश दिए गए हैं। आपको बता दें कि नगरपालिका कार्यभार ग्रहण करने के बाद ईओ सुमेर सिंह श्योराण का कार्यकाल विवादों भरा रहा। चेयरमैन के बिना हस्ताक्षर के ईओ श्योराण ने पट्टा जारी कर दिया था। जिसमें नगर पालिका चेयरमैन पुष्पा गुप्ता अपने पार्षदों के साथ धरने पर बैठ गई थी। मामले को लेकर विधायक सुभाष पूनियां ने भी ईओ सुमेर सिंह श्योराण की शिकायत कर रखी थी। वार्ड 14 की रहने वाली अनिता देवी गुप्ता भी पट्टे की एवज में सुमेर सिंह श्योराण पर एक लाख रूपए मांगने का आरोप लगा चुकी है। इसके अलावा शिक्षिका सारिका व उनकी बहन ने भी ईओ सुमेर सिंह श्योराण पर महिलाओं से बदतमीजी से बात करने का आरोप लगाया था।

- चेयरमैन के बिना हस्ताक्षर के ईओ श्योराण ने पट्टा जारी कर दिया था
- निलंबन के दौरान जयपुर मुख्यालय पर रहने के आदेश दिए गए हैं

बारहवें से लौट रहे दंपती की कार चालक ने ली जान

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती जोधपुर-जयपुर सडक़ मार्ग पर एक सडक़ हादसे में पति-पत्नी की मौत हो गई। पाली जिले के जैतारण क्षेत्र निवासी दंपती बाइक पर सवार होकर भोपालगढ क्षेत्र में किसी रिश्तेदार की मौत होने पर उसके बाहरवें की रस्म में शामिल होने जा रहे थे। भावी के निकट सामने से तेज रफ्तार के साथ आई एक कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। अस्पताल ले जाने के समय दोनों की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार जैतारण क्षेत्र के आगेवा गांव निवासी 58 वर्षीय जेठमल छीपा अपनी पत्नी 56 वर्षीय पुष्पा के साथ बाइक पर सवार होकर भोपालगढ जा रहे थे। भावी के समीप सामने से तेज रफ्तार के साथ आई एक कार ने बाइक को टक्कर मार उछाल दिया। दोनों पति-पत्नी काफी दूर उछल कर गिरे। नीचे गिरने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे लोगों ने हाथों हाथ उन्हें बिलाड़ा अस्पताल पहुंचाया। मगर उनकी मौत हो चुकी थी। बिलाड़ा पुलिस ने इसमें अब जांच आरंभ की है। शवों को कार्रवाई के उपरांत परिजन को सौंप दिया गया।

बयाना में 61 कार्टन अवैध शराब बरामद

बयाना, (निसं)। जयपुर से आई आबकारी विभाग की स्पेशल टीम ने गुरूवार देर शाम को कस्बे के बजरिया मार्केट स्थित एक गेस्ट हाउस पर छापामार कार्रवाई कर अवैध अंग्रेजी-देसी शराब बरामद की है।

- कार्रवाई के समय अवैध शराब के कारोबार में लिप्त शराब माफिया मौके का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे

यह गेस्ट हाउस पुलिस चौकी व आबकारी थाने से मात्र तीस कदम की दूरी पर है। इस कार्रवाई को लेकर और सामने बैठे संबंधित विभाग के अधिकारी- कर्मचारियों की कार्यशैली को लेकर लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं रहीं। यह शराब इस टीम ने बजरिया मार्केट स्थित गेस्ट हाउस पर उसके बगल में स्थित दो अन्य बिल्डिंग से बरामद की। कार्रवाई के समय अवैध शराब के कारोबार में लिप्त शराब माफिया मौके का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे।

आबकारी विभाग की इस छापामार कार्रवाई में जोनल आबकारी अधिकारी ज्ञानप्रकाश मीणा सहायक आबकारी अधिकारी दिगम्बर सिंह, स्थानीय आबकारी अधिकारी सतीश खटाना व अमर सिंह आदि शामिल थे। जोनल आबकारी अधिकारी ज्ञानप्रकाश मीणा ने बताया कि बयाना में इस बार अभी तक शराब के ठेके नहीं हो सके हैं। इसके बावजूद भी बयाना में कुछ लोगों की ओर से बड़े पैमाने पर शराब बेचे जाने की सूचनाएं मिल रही थी। सूचनाओं की तहकीकात कर जयपुर से टीम गठित कर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि कार्रवाई के दौरान 61 कार्टून अंग्रेजी व देसी शराब जब्त की गई जिसकी कीमत लाखों रुपये बताई है। इस मामले में गेस्ट हाउस मालिक को भी मुल्जिम बनाया जाएगा।

बयाना में जयपुर से आई आबकारी विभाग की स्पेशल टीम ने गेस्ट हाउस से अंग्रेजी-देशी शराब जब्त की।

महिला की हत्या कर जेवरात लूटे

उदयपुर, (कासं.)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में शराबी महिला की अज्ञात बदमाश हत्या कर जेवरात लूट ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार लखावली भीलवाड़ा सुखेर निवासी गणेशी पत्नी नवलराम की अज्ञात हमलावर 14 अप्रेल रात में हत्या कर उसके पांव में पहने चांदी के कड़े, नाक का कांटा लूट ले गए।

गणेशी 14 अप्रेल सवरे मजदूरी करने के लिए गईथी। सांय मजदूरी के रूपये लेकर घर लौटी तथा शराब पीने के बाद शादी समारोह में चली गई। इसका पता चलने पर पुत्र लालूराम व उसकी पत्नी मीरा उसे लेकर घर लौट आए। कुछ ही देर बाद वह गाली गालौज कर वापस शादी समारोह में चली गई। दूसरे दिन सवेरे गांव में प्लानिंग में गणेशी का शव पड़ा था। जिसके सिर, हाथ, पांव, पर चोट रगड़ के निशान थे तथा पांव के चांदी के कड़े व नाक का कांटा गायब था। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप कर पुत्र लालूराम की रिपोर्ट पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की।

भारत-पाक बॉर्डर पर खेत से चार किलो हेरोइन बरामद

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के अनूपगढ़ इलाके में गांव छह एमएसआर के खेत में पाकिस्तान की ओर से हेरोइन गिराने के मामले में पांच लोगों की गिरफ्तार के दो दिन बाद एक और खेत में चार किलो हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने इस मामले में पकड़े गए आरोपियों को रिमांड पर लिया था। उनसे पूछताछ की तो पास के एक और खेत में हेराइन मिलने की जानकारी मिली। इस पर पुलिस पास के उस खेत में पहुंची और तलाशी शुरू की तो वहां चार किलो हैरोइन बरामद हुई।

हैरोइन की यह खेप इस बार अनूपगढ़ थाना क्षेत्र की बीएसएफ सीमा चौकी बिंजौर और मजनूं पोस्ट के बीच सीमा से सटे गांव 33 एपीडी बी में ठाकर पृथ्वी सिंह के खेत से बरामद हुई। इसे ठाकर सत्येंद्र सिंह कास्त करता है। पुलिस ने दो दिन पहले इसी इलाके के गांव छह एमएसआर से रवि उर्फ रविंद्र सिंह, राजिवंद्र और गुरनाम सिंह तथा जसवीर सिंह को गिरफ्तार किया था। इनसे पूछताछ में इन आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने पहले भी इलाके में हेरोइन की खेप मंगवाई थी। यह खेप अब भी खेतों में ही पड़ी है। इस पर अनूपगढ़ थाना क्षेत्र की बीएसएफ सीमा चौकी बिंजौर और मजनूं पोस्ट के बीच सीमा से सटे गांव 33 एपीडी बी में ठाकर पृथ्वी सिंह के खेत से तलाशी ली तो वहां चार किलो हैरोइन बरामद हुई।

- दो दिन पहले गिरफ्तार किए गए पांच लोगों से पूछताछ में मिली नई खेप

पुलिस को भारत पाक सीमा क्षेत्र में सीमा से सटे खेतों में ड्रोन के जरिए हेरोइन गिराने की सूचना मिली थी। इस पर बॉर्डर इलाके में दबिश देकर पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इन लोगों से पुलिस इन दिनों पूछताछ कर रही है। इसी दौरान एक अन्य खेत में हेरोइन होने की सूचना पर कार्रवाई की गई।

पिकअप की टक्कर से पुलिसकर्मी की मौत

बयाना, (निसं)। बयाना-भरतपुर रोड पर भीमनगर तिराहे के पास बीती रात्रि को एक पुलिसकर्मी की पिकअप की टक्कर से मौत हो गई। मृतक पुलिसकर्मी निकटवर्ती कस्बा उच्चैन निवासी लेखराज गुर्जर बताया है जो सूरौठ थाने के रिपीटर रूम में तैनात था। उसका पुलिस ने भरतपुर के आरबीएम अस्पताल में पंचनामा व पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

मृतक के पुत्र अनिल ने पुलिस कोतवाली में पिकअप चालक के विरुद्ध नामजद रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता बीती रात्रि को 9-10 बजे के बीच भीमनगर तिराहे के पास सड़क किनारे खड़े वाहन का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान एक पिकअप चालक ने उनके टक्कर मार दी जिससे उनकी मौत हो गई।

आरएसएस को भाजपा में मर्ज कर स्पष्ट राजनीति में उतर जाना चाहिए: गहलोत

रतनपुर बॉर्डर पर आजादी की गौरव यात्रा डांडी यात्रा का स्वागत

डूंगरपुर, (निसं)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस पर वार करते हुए कहा कि आरएसएस को भाजपा में मर्ज कर स्पष्ट राजनीति में उतर जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा को सरदार वल्लभभाई ने बैन कर दिया था जिसके बाद आरएसएस ने माफीनामा देकर आरएसएस को सांस्कृतिक संगठन घोषित किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरएसएस बैकफुट पर रहकर भाजपा के लिए काम करता है। उसे खुलकर राजनीति में आना चाहिए और मुद्दों पर बात करनी चाहिए। शुक्रवार को डूंगरपुर में गुजरात-राजस्थान की सीमा रतनपुर बॉर्डर पर आजादी की गौरव यात्रा डांडी यात्रा के स्वागत के दौरान सभा को संबोधित करते गहलोत ने यह बात कही।

- 'अगले 3 महीने में 1.22 करोड महिलाओं को निःशुल्क मोबाइल फोन मिल जाएगा'
- आमसभा में सीएम ने चिरंजीवी और निःशुल्क चिकित्सा योजना को 8 बार भुनाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी, सरदार पटेल, बाबा साहेब अम्बेडकर से न जनसंघ का ताल्लुक रहा, न आरएसएस का न ही भाजपा का ये चुनाव जीतने के लिए इनका उपयोग कर रहे हैं। गहलोत ने कहा कि सरदार पटेल ने जब आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था तब आरएसएस ने लिखकर दिया था कि वे कभी राजनीति में भाग नहीं लेंगे। वे सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन हैं। गहलोत ने आरएसएस को नसीहत दी कि वे अखण्ड भारत की बात करते हैं तो हिन्दू हित की भी बात करें, आज हिन्दू भी संकट में है। मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि घोडी से हिन्दू को उतारा जा रहा है वह भी दलित हिन्दू है और उसे उतारने वाले भी हिन्दू। समाज की इस खाई को दूर करने का प्रयास करे। आरएसएस छुआछूत को दूर करने का प्रयास करें। गहलोत ने कहा कि अखण्ड भारत तब बनेगा जब इस देश में जातियां अखण्ड होंगी। उन्होंने कहा कि हिन्दू सिर्फ भाजपा व आरएसएस में ही नहीं हैं बल्कि कांग्रेस के लोग भी हिन्दू है, लेकिन हिन्दू का ठेका केवल भाजपा और आरएसएस ने ले रखा है।

सीएम ने कम से कम 8 बार मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना का जिक्र करते हुए कहा कि चिरंजीवी योजना में प्रदेश के हर नागरिक का उपचार नि:शुल्क हो इसलिए एक अप्रैल से ओपीडी-आईपीडी को भी नि:शुल्क कर दिया है। गहलोत ने कहा कि अगले तीन महीने में एक करोड 22 लाख महिलाओं को नि:शुल्क मोबाइल फोन मिल जाएगा जिसके साथ ही उन्हें 3 साल का इंटरनेट फ्री मिलेगा ताकि महिलाएं आधुनिक समाज से जुडी रहें। मुख्यमंत्री गहलोत ने विपक्ष की चुटकी लेते हुए कहा कि विपक्ष को बजट घोषणाओं की चिंता करने की जरूरत नहीं है इसके लिए वे स्वयं चिंता कर रहे हैं तथा दिन-रात बजट घोषणाओं को प्रदेश में लागू करने के लिए तत्पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक बजट घोषणा की 220 घोषणाएं लागू हो चुकी हैं और वे खुद इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

आमसभा के दौरान रघु शर्मा, गोविन्द सिंह डोटासरा, हरीश चौधरी का नाम लेते हुए गहलोत ने कहा कि जो भी मंत्री पद छोडकर संगठन के लिए कार्य करता है और गुजरात राज्य का प्रभारी बनाया जाता है, वह आने वाले समय का मुख्यमंत्री बनता है। उन्होंने कहा कि वे भी गुजरात के प्रभारी रहे थे। गहलोत ने कहा कि मंत्री पद कोई बडा पद नहीं है, संगठन सर्वोपरि होता है, आज का त्याग कल बड़ा फल देता है। इससे पहले गुजरात राज्य प्रभारी रघु शर्मा के नेतृत्व में गुजरात के गांधी आश्रम साबरमती से कांग्रेस सेवादल की डांडी यात्रा का रतनपुर बॉर्डर पर कांग्रेस कांग्रेस महासचिव अजय माकन, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुष्प वर्षा कर व सूत की माला से स्वागत किया। इस मौके पर सेवादल कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी देसाई, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, जल संसाधन मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया, जनजाति मंत्री अर्जुन बामणिया, यूथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश घोघरा, गुजरात से प्रदेश अध्यक्ष जगदीश ठाकुर सहित कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद रहे।

रतनपुर बॉर्डर पर आजादी की गौरव यात्रा व डांडी यात्रा का स्वागत किया, इस दौरान कई कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डॉक्टर के सूने मकान से 30 लाख रुपये की नकदी व जेवर चोरी

हिण्डौन सिटी, (कासं)। शहर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. विजय सिंह मीणा के मोहन नगर स्थित सूने मकान में गत रात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। घर का ताला तोड़कर अंदर घुसे चोर करीब 30 लाख रुपए की नकदी तथा 12 लाख रुपए के सोने चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची हिण्डौन नई मंडी थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शहर के मोहन नगर स्थित जिला चिकित्सालय के अस्थि रोग विशेषज्ञ चिकित्सक विजय सिंह मीणा ने बताया कि उसकी पत्नी 2-3 दिन पहले बेटे के साथ अपने पीहर कोटा गई थी। इसी दौरान वह गुरुवार शाम को एक शादी समारोह में करौली गया था। अस्पताल के समीप स्थित विवेकानंद पार्क के पास उसका सूना मकान देखकर चोर कमरे व आलमारी के ताले तोड़कर उसमें रखी करीब 30 लाख रुपए की नकदी तथा करीब 12 लाख रुपए के सोने चांदी के आभूषण पार कर ले गए।

मध्य रात्रि चिकित्सक मीणा घर शादी समारोह में शामिल होकर लौटे और अपने घर पहुंचा तो टेबल की दराज में रखे करीब ढाई हजार रुपए गायब मिले। जिससे उन्हें चोरी का शक हुआ। इसके बाद उन्होंने ऊपर कमरे में जाकर देखा तो वहां कमरे व अलमारी के ताले टूटे हुए थे तथा 30 लाख की नकदी व 12 लाख के आभूषण नही मिले। उन्होंने हिंडौन नई मंडी थाना पुलिस को सूचना दी।

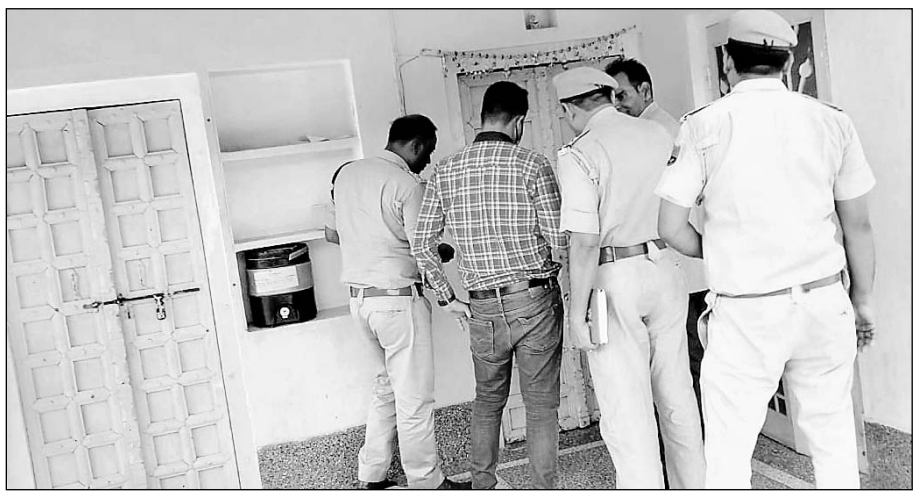

हिण्डौन सिटी में चोरी की वारदात के बाद नई मंडी थाना पुलिस ने मौके पर जाकर जानकारी जुटाई।

झगड़ा सुलझाने पहुंचे एसएचओ का सिर फोड़ा, कांस्टेबल का हाथ तोड़ा

सिरसी-हाथौज लिंक रोड पर बिल्डर की प्रोजेक्ट साइट पर काश्तकारों ने किया था झगड़ा, बीचबचाव करने पर करधनी पुलिस टीम पर हुआ हमला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सिरसी-हाथौज लिंक रोड पर बिल्डर की साइट पर गुरूवार को झगड़ा शांत करवाने पहुंचे करधनी थानाधिकारी समेत 6 पुलिसकर्मियों पर काश्तकारों ने लाठी, सरिये और डंडों से हमला कर किया। हमलावरों ने थानाधिकारी का सिर फोड दिया और एक कांस्टेबल का हाथ तोड़ दिया। इस हमले में 6 पुलिसकर्मी घायल हो गये, बाद में पुलिस ने अतिरिक्त जाप्ता मंगवाकर हल्का बल प्रयोग किया, जब जाकर स्थिति काबू में आई।

- **लाठी, सरिये और डंडों से हमला कर 6 पुलिसकर्मी घायल किये, कालवाड़, झोटवाड़ा और मुरलीपुरा पुलिस थाने का अतिरिक्त जाप्ता बुलाकर हमलावरों को खदेड़कर स्थिति पर काबू पाया**

एसएचओ बनवारी लाल मीना ने बताया कि दोपहर करीब 11:30 बजे पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि सिरसी हाथोज लिंक रोड पर 30-40 लोग झगड़ा कर रहे हैं।

झगड़े की सूचना पाकर करधनी पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। जमीन पर काम बंद पड़ा मिला। वहां मौजूद दर्जनों लोगों के हाथ में लाठी-डंडे, सरिए और पेड़ों की कटीली झाड़ थी। दोनों पक्षों से समझाइश की तो काश्तकार पक्ष के लोग भड़क गए। प्रोजेक्ट का काम करने आए कर्मचारियों और श्रमिकों से मारपीट करने पर उतारू हो गए।

काश्तकारों से कर्मचारियों को बचाने के लिए पुलिस ने उन्हें दूर करने का प्रयास किया तो आक्रोशित काश्तकारों ने पुलिस टीम पर ही हमला बोल दिया। हमले में एसएचओ बनवारी लाल, हैड कांस्टेबल राजेन्द्र सिंह, ओमप्रकाश, ओम सिंह, ड्राइवर राकेश कुमार व शीशराम के शरीर पर चोट आई।

मौके पर हालत बिगड़ते देखकर करधनी पुलिस ने तुरंत कालवाड़, झोटवाड़ा और मुरलीपुरा थाने में सूचना दी और वहां से अतिरिक्त पुलिस जाब्ता बुलाया और हल्का बल प्रयोग कर हमलावरों को खदेड़ा।

एसएचओ करधनी बनवारी लाल मीना की शिकायत पर काश्तकार श्रवण, गणेश, जगदीश, मांगीलाल, कानाराम, छोटूराम, सोनू, बाबूलाल, सुरेश व इनके परिवार की महिलाएं और साथियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा का मुकदमा दर्ज किया गया है।

बोरे में बंद मिला युवक का शव

जयपुर। सदर थाना इलाके में आज एक युवक की हत्या से सनसनी फैल गई। घटना हसनपुरा स्थित द्रव्यवती नदी के पास की है। जहां पर बोरे में लिपटा हुआ युवक का शव मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। युवक के शरीर और सिर पर कई जगहों पर गम्भीर चोट के निशान हैं। पुलिस ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए एफएसएल को मौके पर बुलाया। हालांकि अभी तक युवक की पहचान नहीं हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि द्रव्यवती नदी के पास एक बोरे में शव की जानकारी तब मिली, जब शव के पास कुत्तों का मूवमेंट होने लगा। मौके पर जाकर देखा गया तो बोरे और कपड़े से लिपटा हुआ कुछ दिखाई दिया। जिस पर शक होने पर पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू कर दिए हैं, लेकिन कोई लीड पुलिस को नहीं मिली है। वहीं सांगानेर इलाके में कंवर का बाग स्थित लाड़को की ढाणी में नाले में डूबने से एक बच्चे की मौत हो गयी। जानकारी के मुताबिक अनुज (12) शुक्रवार को नाले में गिर गया था। मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्चे को बाहर निकाला, अस्पताल ले जाने पर उसे मृत घोषित कर दिया।

आदर्श नगर में रात 8 बजे बाद भी धड़ल्ले से बिक रही है अवैध शराब : राहुल तंवर

'दुकानों का शटर डालकर नीचे से लोगों को बेची जाती है शराब'

जयपुर (कासं)। आदर्श नगर इलाके में बर्फ खाना (पानी की टंकी) के नजदीक रात 8 बजे बाद भी नियमों को ताक पर रखकर धड़ल्ले से अवैध शराब बेची जा रही है। दुकानों का शटर डालकर उसके नीचे से लोगों को शराब की बोतलें देर रात तक बेची जा रही है। शराब माफिया का आतंक इतना है कि बीच रोड पर गाड़ियां खड़ी करवाकर धड़ल्ले से बिक्री की जाती है, इसके बावजूद भी पुलिस प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है। यह जानकारी जयपुर शहर कांग्रेस के पूर्व महासचिव राहुल तंवर ने दी है।

आदर्श नगर में बर्फ खाना के नजदीक शराब ठेका रात 8 बजे बंद होने के बाद भी देर रात तक शटर के नीचे से बिक्री की जा रही है।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार रात करीब 9 बजे बाद आदर्श नगर बर्फ कारखाने के पास शराब के ठेके का शटर नीचे करके वहां से लोगों को शराब की बोतलों की सप्लाई की जा रही थी। जब शराब लेने आये लोगों को बीच सड़क पर वाहन खड़ा करने के लिए स्थानीय लोगों ने टोका तो शराब विक्रेता कर्मचारी उनसे मारपीट करने पर उतारू हो गये। देर रात तक इलाके में शराब बेची जाने के कारण पूरे क्षेत्र में समाज कंटकों का जमावड़ा रहता है। शराब माफिया भी बेखौफ होकर आबकारी नियमों की धज्जियां उडाते हुए धड़ल्ले से देर रात तक ठेके चला रहे है। इसके बावजूद पुलिस-प्रशासन इनके खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय चुप्पी साधे बैठा है। राहुल तंवर ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही अवैध शराब का कारोबार बंद नहीं कराया गया तो आगामी दिनों में बड़ा आंदोलन किया जायेगा। जिसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार और पुलिस-प्रशासन की होगी।

सुरेश अग्रवाल चौथी बार फोर्टी के निर्विरोध अध्यक्ष

फोर्टी का चौथी बार निर्विरोध अध्यक्ष बनने पर सुरेश अग्रवाल का स्वागत उनके समर्थकों ने किया।

जयपुर। सुरेश अग्रवाल लगातार चौथी बार फैडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्री (फोर्टी) के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए हैं। 15 अप्रैल को फोर्टी अध्यक्ष और कार्यकारिणी के चुनाव में नामांकन की आखिरी तारीख थी।

अध्यक्ष पद पर सुरेश अग्रवाल के अलावा किसी ने नामांकन नहीं भरा। जिसके कारण सुरेश अग्रवाल के निर्विरोध निर्वाचन का रास्ता साफ हो गया। इसी तरह कार्यकारिणी के 78 पदों पर 79 नामांकन आए। इनमें से 1 नामांकन रद्द होने से पूरी कार्यकारिणी का चुनाव भी निर्विरोध हो गया। मुख्य चुनाव अधिकारी ऋषिपाल अग्रवाल ने 15 अप्रैल नामांकन की आखिरी तारीख को शाम 5 बजे तक एक पद पर एक ही नामांकन होने के कारण अध्यक्ष और कार्यकारिणी के निर्विरोध चुने जाने की घोषणा कर दी।

इसके साथ ही सुरेश अग्रवाल को प्रदेशभर से बधाइयों का तांता लग गया। निवर्तमान मुख्य सचिव नरेश अग्रवाल और गिरधारी अग्रवाल के साथ फोर्टी के स्टॉफ ने फूल मालाओं से सुरेश अग्रवाल का स्वागत किया। अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष रफीक खान, फोर्टी के निवर्तमान संरक्षक सुरजाराम मील और आई.सी.अग्रवाल ने भी सुरेश अग्रवाल को बधाई दी।

किसानों को डिग्गियों और फार्म पौण्ड का लम्बित अनुदान भुगतान जल्द मिलेगा

जयपुर। कृषि विभाग ने डिग्गियों और फार्म पौण्ड का लम्बित भुगतान जारी कर किसानों को लाभान्वित करने के निर्देश जारी किए हैं। आईजीएनपी बीकानेर कार्यालय के अधीन 1126 काश्तकारों का तकनीकी बाधाओं के कारण अटका अनुदान भुगतान भी अब शीघ्र हो जाएगा।

कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने बताया कि जल के समुचित उपयोग एवं सिंचित क्षेत्र में वृद्धि के लिए नहरी क्षेत्र में डिग्गी निर्माण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। राज्य के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर और बीकानेर जिलों में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना एवं मुख्यमंत्री कृषक साथी योजना अन्तर्गत यह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2021-22 में 5 हजार डिग्गियों का निर्माण कराने की बजट घोषणा की गई थी। इसके तहत बीकानेर को 1150, आईजीएनपी बीकानेर कार्यालय को 1985, हनुमानगढ़ को 1250 एवं श्रीगंगानगर को 1270 डिग्गी निर्माण के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों का आवंटन किया था। कटारिया ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2021-22 में 4147 डिग्गियां बनाकर 75 करोड़ तथा 4560 फार्म पौण्ड बनाकर 26 करोड़ का अनुदान दिया।

कोचिंग संचालक ने बजाज नगर थाने में पुलिस को पीटा

जयपुर (कासं)। राजधानी के बजाज नगर थाने में एक कोचिंग संचालक और साथी महिला ने पुलिसकर्मियों से अभद्रता और मारपीट की। एक स्टूडेंट की शिकायत पर पूछताछ के लिए उसे थाने बुलाया गया था। पुलिस ने आरोपी कोचिंग संचालक और साथी महिला को शांतिभंग में गिरफ्तार किया। राजकार्य में बाधा का मुकदमा दर्ज कर दोनों पर कार्रवाई की जाएगी।

एसएचओ शीशराम मीना ने बताया कि रेवाड़ी हरियाणा निवासी मंजू (18) पुत्री अभय सिंह ने मंगलवार शाम शिकायत दी थी। शिकायत में बताया कि 22 नवंबर 2021 को गोपालपुरा बाईपास स्थित ट्रेनिंग पोइंट डिफेंस एकेडमी में उसने कोचिंग के लिए एडमिशन लिया था। 2 दिन डेमो क्लास लेने के बाद कोचिंग करने से मना कर दिया। फीस के 42 हजार रुपए वापस मांगने पर संचालकों ने मना कर दिया। बाद में 18 प्रतिशत जीएसटी और 20 प्रतिशत रजिस्ट्रेशन फीस काटने की बात कही। फीस मांगने जाने पर परिजनों से भी अभद्रता की। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने परिवाद दर्ज कर पूछताछ के लिए कोचिंग संचालक ओमप्रकाश सैनी को थाने में बुलाया। शाम करीब 6:30 बजे कोचिंग संचालक ओमप्रकाश सैनी थाने पहुंचा। उसके साथ मोनिका चौधरी नाम की महिला भी थी। ओमप्रकाश से पूछताछ करने पर अभद्रता करने लगा। समझाने की कोशिश करने पर कहने लगा पुलिस हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकती। मेरी पहुंच सीएमओ व पुलिस आलाधिकारियों से है। जोर-जोर से चिल्लाने पर पुलिसकर्मियों ने शांत कराना चाहता तो गाली-गलौज कर सस्पैंड कराने की धमकी देने लगा।

थाने में उत्पात मचाने पर आरोपी ओमप्रकाश और साथी महिला मोनिका चौधरी को पकड़ा। गुस्से में आग बबूला हुए दोनों ने थाना परिसर में धक्का-मुक्की के साथ लात-घूंसे चलाना शुरू कर दिए। दोनों का काबू करने के दौरान कांस्टेबल सत्यभान, महिला कांस्टेबल हेमा सहित एक पुलिसकर्मी से मारपीट की। पुलिसकर्मियों ने दोनों को पकड़ा तो थाना परिसर में लेट गए।

पुलिस ने आरोपी ओमप्रकाश सैनी (31) पुत्र जगदीश प्रसाद सैनी निवासी हिम्मत नगर गोपालपुरा और मोनिका चौधरी (26) पत्नी मुकेश निवासी नारायण विहार मानसरोवर को शांतिभंग में गिरफ्तार किया। कांस्टेबल सत्यभान की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा का मुकदमा दर्ज किया गया।

मजदूरी के बहाने बुलाकर नाबालिग से दुष्कर्म

जयपुर (कासं)। सांगानेर थाना इलाके में एक नाबालिग को मजदूरी के बहाने घर पर बुलाया, फिर अपने साथी के साथ उसका गैंगरेप किया। आरोपियों ने उसे किसी को ना बताने की हिदायत देकर उसे घर भेज दिया। डरी-सहमी बेटी ने घर वालों से बात करना बंद कर दिया। माता-पिता ने काफी पूछताछ की तो उसने पूरी बात बताई तो उनके पैरों की जमीन खिसक गई। मामले की जांच एसीपी सांगानेर कर रहे हैं। मामला सामने आने के बाद नाबालिग का मेडिकल करवाया गया हैं। एसीपी (सांगानेर) रामनिवास विश्नोई ने बताया कि चाकसू में रहने वाले पीड़िता के पिता ने थाने में मामला दर्ज करवाया। जिसमें बताया कि 28 मार्च को वह अपनी पत्नी के साथ मजदूरी करने गए हुए थे। पीछे से उनके घर पर उनकी नाबालिग बेटी थी। इसी दौरान सुरेश शर्मा और रामजीलाल उसके घर पर आए और उसे मजदूरी के लिए घर बुला ले गए। वहां पर दोनों ने उसके साथ बारी-बारी से रेप किया।

सार-समाचार

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर लगाई गुहार

जयपुर। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन द्वारा प्रस्तावित रैली की अनुमति नहीं मिलने के बाद संविधान के नियम की पालना करते हुए कोविड स्वास्थ्य सहायकों की मांग के समर्थन में राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम मीणा के नेतृत्व में गांधी सर्किल पर राष्ट्रिपता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। कोविड स्वास्थ्य सहायकों की मांग के लिए प्रार्थना करते हुए राज्य सरकार से संवेदनशीलता दिखाकर अति शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई करने की मांग की गई। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के महासचिव रवि चावला ने लगातार छह दिन अनशन किया था और अभी भी शहीद स्मारक धरने पर मोर्चा संभाले हुए हैं। रवि चावला ने बताया कि हमने हमारा स्थाई तंबू लगा लिया है और हम शांति प्रिय तरीके से संवेदनशील मुख्यमंत्री के सामने लगातार मांग पूरी होने तक गांधीवादी आंदोलन जारी रखेंगे। कोविड स्वास्थ्य सहायकों की प्रमुख मांग संविदा केडर में शामिल करना, सम्मानजनक वेतन 26500 प्रतिमाह, स्थाई एक्सटेंशन है। एसोसिएशन के संयोजक कशीश कच्छावा एवं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अकबर खान ने बताया कि हमें पूरा विश्वास है कि सरकार हमारी मांग पर जरूर विचार करेगी क्योंकि हमने हमारी वेतन एवं क्षमता से अधिक अपनी सेवाएं दी थी और भविष्य में भी हम राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस मौके पर प्रदेश महासचिव मोहन शर्मा,प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश भांगड़ा, प्रदेश सचिव इमरान खान, जिलाध्यक्ष अलवर अभिषेक शर्मा एवं अन्य नर्सेज मौजूद रहे।

''वंदे मातरम्'' कार्यक्रम आयोजित

जयपुर। सैल्यूट तिरंगा राजस्थान की ओर से वंदे मातरम् कार्यक्रम शुक्रवार को राजकीय सेठ आनंदीलाल पोद्दार मूक बधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित किया गया। यहां मुख्य अतिथि कर्नल देव आनंद गुर्जर रहे। विरिक्षा त्रिवेदी राजस्थान प्रभारी, मदन मोहन पालीवाल प्रदेश अध्यक्ष, प्रवीण खुराणा, प्रदेश महासचिव महेश सैन तोमर युवा प्रदेशाध्यक्ष, कपिल सैनी युवा महासचिव, राहुल शर्मा विजेंद्र सिंह जिलाअध्यक्ष युवा एवं सैल्यूट तिरंगा टीम के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। सैल्यूट तिरंगा टीम की ओर से उच्च माध्यमिक विद्यालय में मूक बधिर बालक बालिकाओं को वंदे मातरम कार्यक्रम के तहत उपहार वितरित किए गए। कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन पालीवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

'सरकारी अस्पतालों में रिश्वत से इलाज'

जयपुर। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री बड़े-बड़े दावे इस बात कर रहे थे कि मैंने 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपए निशुल्क इलाज के लिए किए हैं लेकिन मुखिया इस बात को यह कहकर भी प्रचारित कर रहे थे कि हमारी चिकित्सा विभाग की योजना का पूरा देश अनुसरण कर रहा है, लेकिन मुखिया को हकीकत तब पता चली जब वह सवाई मानसिंह अस्पताल के अंदर मरीजों के परिजनों से मिलना शुरू किया और जिस तरीके के संगीन आरोप परिजनों द्वारा मुखिया के सामने लगाए गए। उन्होंने कहा कि अस्पताल के चिकित्सकों को बिना रिश्वत दिए हमारे ऑपरेशन नहीं किए जाते, अधिकांश डॉक्टर बाहर की दवाइयां लिखने का काम करते हैं तथा अस्पताल की दशा इस प्रकार की है कि वहां दो मिनट खड़ा रहना भी मुश्किल है। ऐसी राजस्थान के चिकित्सा विभाग की हालत है और अब मुखिया जी के सामने है कि चिकित्सा विभाग किस तरीके से काम कर रहा है और प्रत्यक्ष रूप से सारी बातें सामने आने के बाद मुखिया जी क्या कार्रवाई करते हैं यह तो वक्त बताएगा।

वन कर्मचारी संघों ने संयुक्त शपथ ली

जयपुर। राजस्थान राज्य वन कर्मचारी संघों का संयुक्त शपथ ग्रहण समारोह मंत्री हेमाराम चौधरी की मौजूदगी में संपन्न हुआ। समारोह में विशिष्ट अतिथि पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़, प्रधान मुख्य वन संरक्षक डी.एन.पाण्डेय की मौजूद रहे। कार्यक्रम में राजस्थान सहायक कर्मचारी संघ के देवी सिंह ने प्रदेशाध्यक्ष, राजस्थान अधीनस्थ वन कर्मचारी संघ भूपेन्द्र सिंह जादौन ने प्रदेशाध्यक्ष, अखिल राजस्थान राज्य वाहन चालक एवं तकनीकी कर्मचारी संघ के अजयवीर सिंह ने प्रदेशाध्यक्ष तथा राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ, विभागीय समिति, वन विभाग के प्रकाश चंद यादव ने अध्यक्ष पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में नव निर्वाचित अध्यक्षों ने वेतन कटौती बंद करके पुरानी पेंशन बहाल करने के निर्णय का स्वागत करते हुए राज्य सरकार का आभार जताया। कार्यक्रम में विभिन्न कर्मचारी संघों के प्रमुख पदाधिकारी कमल यादव, राजेश पारीक, मदन सिंह, समन्दर सिंह, डॉ. वीरेन्द्र सिंह और फतेह बहादुर मौजूद थे।

प्राचीन ब्राह्मीलिपि के चित्रों की प्रदर्शनी

जयपुर। जयपुर में रहकर कला साधना कर रहे बीकानेर के वरिष्ठ चित्रकार डॉ. रजनीश हर्ष ने हाल में मौर्यकालीन प्राचीन ब्राह्मी लिपि को अपने चित्रों में टैक्श्चर के रूप में उपयोग कर कलाप्रेमियों को आकृष्ट किया है। चित्रकला में ब्राह्मी लिपि का उपयोग करने वाले डॉ. रजनीश पहले कलाकार हैं। हर्ष ने बताया कि इस शैली से बनाए उनके चार चित्र पहली बार उत्तर प्रदेश की झांसी शहर की मणिकर्णिका आर्ट गैलरी में हुई ठाुप एग्जीबिशन में डिसप्ले किए गए हैं, जो कि 20 अप्रेल तक प्रदर्शित रहेंगे। इन चित्रों को ऑनलाइन भी देखा जा सकता है।

स्थापना दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि

जयपुर। सेना की दक्षिण-पश्चिमी कमान ने शुक्रवार को जयपुर में अपना 18वां स्थापना दिवस मनाया। दक्षिणी पश्चिमी कमान प्रेरणा स्थल (युद्ध स्मारक) पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की गई।

लेफ्टिनेंट जनरल ए.एस. भिंडर, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिण पश्चिमी कमान ने सभी रैंकों, डिफेंस सिविल स्टाफ, वेटरन्स और उनके परिवारों को स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने सभी रैंकों से समर्पण भाव से राष्ट्र सेवा करने और पेशेवर तरीके से अपनी संवैधानिक भूमिका निभाने का आग्रह किया। 15 अप्रैल, 2005 को स्थापित दक्षिणी पश्चिमी कमान भारतीय सेना की सातवीं और सबसे नई कमान है जिसे सप्त शक्ति कमान के नाम से जाना जाता है। कमान ने अपनी प्राथमिक भूमिका ऑपरेशनल तत्परता के अलावा पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा, पूर्व सैनिकों और वीर नारी के कल्याण, सशक्तिकरण और खेलों में असाधारण उच्च मानक हासिल किये। लेफ्टिनेंट जनरल ए.एस. भिंडर ने सभी को राष्ट्र रक्षा करने का आव्हान किया।

पडौसी ने किया महिला से दुष्कर्म

जयपुर। नाहरगढ़ इलाके में पडौसी युवक ने घर में घुसकर एक महिला से दुष्कर्म किया। महिला के पति व बच्चों को जान से मारने की धमकी देकर वह बार-बार रेप करता रहा। परेशान होकर पीड़िता ने पति को आपबीती सुनाई। पति के विरोध करने पर आरोपी पडौसी ने उससे मारपीट तक कर डाली। पुलिस ने बताया कि गैटोर रोड ब्रह्मपुरी निवासी 38 वर्षीय महिला ने गुरुवार रात अपने पडौसी कैलाश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। साल 2016 में वह घर पर अकेली थी। इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने जबरन उसके साथ रेप किया। तब से पति और बच्चे को मारने की धमकी देकर रेप कर रहा है।

डॉ. पुनीत सक्सेना को रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन ग्लासगो अवार्ड मिला

- **डॉ. के.के पारीक और डॉ. मुर्गनाथन, डॉ.जीवराज मेहता अवॉर्ड से सम्मानित**
- **डॉ. सुधीर भंडारी को मिला चिकित्सा क्षेत्र में कार्य के लिये विशिष्ट पुरस्कार**

जयपुर। जेईसीसी में चल रहे 77वे एनुअल कॉन्फ्रैंस एपिकॉन-2022 में दूसरे दिन कई सत्रों में विभिन्न रोगों और उनके कारण एवं निदान पर चर्चा की गई। ओर्गनइजिंग चेयरमैन, डॉ. के.के. पारीक और ओर्गनइजिंग सेक्रेटरी डॉ. पुनीत सक्सेना ने बताया कि कॉन्फ्रैंस के एक सत्र में लीवर को लेकर चर्चा की गई, कि किस प्रकार लीवर को स्वस्थ रखा जा सकता है तथा किस प्रकार इसका निदान और चिकित्सा होती है।

जेएनएलयू के सीनियर प्रॉफेसर एण्ड हेड ऑफ डिपार्टमेंट हिपेटोलॉजी, डॉ. शिव सरीन ने 'हार्ट ऑफ लीवर' विषय पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि देश में असेहतकारी खान-पान और आलसी जीवनशैली के चलते महिला और पुरुषों में फैटी लीवर की शिकायत रहती है। फैटी लिवर एक बेहद सामान्य लीवर की बीमारी है और इससे करीब 30 प्रतिशत भारतीयों के प्रभावित होने का अनुमान है। इसके लिए नो-फैटी डायट, ओवर वेट होने से बचना तथा असंतुलित खानपान नहीं करना है। एक अध्यन के अनुसार जिस पुरुष की कमर का घेरा 90 सेमी और महिला की कमर का घेरा 80 सेमी हो वह इस रोग से बच सकता है। गौरतलब है कॉन्फ्रैंस के औपचारिक उद्घाटन समारोह के समय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन ग्लासगो अवार्ड डॉ. पुनीत सक्सेना को दिया। इसका आलावा कोटा के डॉ. के.के. पारीक और कोयम्बटूर के डॉ.मुर्गनाथन को वर्ष 2021 का डॉ. जीवराज मेहता अवॉर्ड और डॉ. सुधीर भंडारी को चिकित्सा क्षेत्र में कार्य के लिये विशिष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया। इस सम्मान के तहत दोनों चिकित्सकों को स्वर्णपदक और प्रमाण पत्र दिया गया। ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. पुनीत सक्सेना ने बताया कि सम्मेलन में अनेक विषयों पर शोध पत्र और व्याख्यान प्रस्तुत किए गए जिसमें डॉ. सुधीर भण्डारी, डॉ. अशोक सेठ, डॉ. राजेश उपाध्याय, डॉ. शंशाक जोशी, डॉ. नारायण रेड्डी एवं अन्य चिकित्सक प्रमुख थे। इसके अलावा पिछले दो दिनों में 11 कार्यशालाएं, पोस्टर विमोचन तथा प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। डॉ. अभिषेक अग्रवाल, सीनियर कंसलटेंट, डॉ.एस.एस. दरिया, सीनियर कंसलटेंट, डॉ. अरविंद पालावत, असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ. सुरेश यादव एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच माल और सेवाओं के लिए ईसीटीए समझौता

इस एमओयू से 5 साल में 50 अरब डॉलर का कारोबार होने की संभावना

जयपुर (कासं)। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (ईसीटीए) गत 2 अप्रैल को संपन्न हुआ। भारत की तरफ से केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और आस्ट्रेलिया के व्यापार, पर्यटन एवं निवेश मंत्री डैन तेहान ने इस करार पर हस्ताक्षर किये। माना जा रहा है कि दोनों देशों के बीच माल व सेवाओं का व्यापार 5 साल में दोगुना होकर करीब 50 अरब डॉलर का होगा। दरअसल ई.सी.टी.ए. एक अंतरिम व्यवस्था है और पार्टियां अगले 75 दिनों में एक पूर्ण मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करेंगी।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) पर हस्ताक्षर करने के तुरंत बाद ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। इस प्रतिनिधिमंडल में अधिकांश निर्यात संवर्धन परिषदों के उद्योग प्रतिनिधि, वाणिज्य मंडल और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने ऑस्ट्रेलिया के व्यापार और निवेश मंत्री डैन तेहान के नेतृत्व में ऑस्ट्रेलिया में संबंधित हितधारकों के साथ बातचीत की। प्रतिनिधिमंडल की मेलबर्न, सिडनी और पर्थ में एक के बाद एक बैठक हुई। प्रतिनिधिमंडल 5 अप्रैल 2022 को मेलबर्न पहुंचा और 8 अप्रैल 2022 को व्यापारिक बातचीत समाप्त की। देखा जाये तो जापान और दक्षिण कोरिया के बाद ऑस्ट्रेलिया तीसरा ओईसीडी देश है जिसके साथ भारत ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। अध्यक्ष सुनील तलाटी, उपाध्यक्ष करण राठौड़ और महानिदेशक डॉ. अभय सिन्हा ने सेवा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया और सीआईएम के नेतृत्व में उच्च स्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल में भाग लिया। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा स्थापित होने के नाते, एस.ई.पी.सी. इस व्यापारिक समझौते (ईसीटीए) में ऑस्ट्रेलिया में भारत के सेवा क्षेत्र के लिए व्यापार के अवसरों को बनाने और बढ़ावा देने के लिए नोडल संगठन होगा। साथ ही ऑस्ट्रेलिया के लिए क्षेत्र विशिष्ट व्यापार प्रतिनिधिमंडल होगा। करण राठौड़ ने बताया कि इस एमओयू के तहत दोनों देश दूसरे पक्ष के वित्तीय संस्थानों को अपने क्षेत्र में अनुमति देंगे। सेवा प्रदाताओं को सार्वजनिक दूरसंचार, नेटवर्क या सेवाओं तक पहुंच प्रदान करना, जिसमें उचित रोमिंग दरें प्रदान करना शामिल होगा। पेशेवर सेवाओं में व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए पारस्परिक मान्यता के माध्यम से पेशेवर योग्यता और अनुभव, पंजीकरण, और पेशेवरों के लाइसेंस की मान्यता को प्रोत्साहित करना होगा। प्रत्येक पक्ष के विदेशी निवेश ढांचे के तहत कोई भी निर्णय या आवश्यकता विवाद निपटान के अधीन नहीं होगी। एक संयुक्त समिति की स्थापना होगी, जो कि ईटीसीए के कार्यान्वयन का आंकलन, समीक्षा और निगरानी करेगी। कृषि और गैर-कृषि दोनों प्रकार के सामानों में व्यापार को बढ़ावा देने और गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करने के लिए माल के व्यापार पर एक उपसमिति का गठन किया जाएगा। दोनों देशों के बीच सेवाओं में व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए सेवाओं में व्यापार पर एक उपसमिति का गठन किया जाएगा। उत्पत्ति के नियमों या सीमा शुल्क प्रक्रियाओं और व्यापार सुविधा के संबंध में उत्पन्न होने वाले किसी भी मुद्दे की निगरानी के लिए एक संयुक्त तकनीकी उपसमिति बनेगी। प्राकृतिक व्यक्तियों के अस्थायी आवागमन पर एक कार्यदल की स्थापना की जाएगी, ताकि प्रत्येक संबंधित व्यक्तियों के अस्थायी प्रवेश की निगरानी और सुविधा प्रदान की जा सके।

ARBiT
it happens here...

Save The Elephant Day

Elephants are known as the most enormous land animal and a surprisingly gentle giant in the animal kingdom. Emotional, intelligent and beautiful in the wild, sadly elephant populations have been rapidly decreasing due to various threats, perhaps most significantly poaching. Save The Elephant Day aims to change this alarming trend by educating people about elephants and the plights they face, encouraging everyone to do their bit and help save them from extinction.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
16 April 2022
A-B

#RESEARCH

Covid 19 Variants Emerging Rapidly

Virus that causes the disease COVID-19 is actually undergoing short-lived mutational bursts and then returning to its 'normal' rate.

New research led by the Doherty Institute has found the SARS-CoV-2 virus has the ability to momentarily accelerate its evolutionary pace, enabling variants to emerge more rapidly than other viruses.

Recently published in Molecular Biology and Evolution, the team, led by University of Melbourne Dr Sebastian Duchene, an Australian Research Council DECRA Research Fellow at the Doherty Institute and lead author on the paper found the virus that causes the disease COVID-19 is, actually undergoing short-lived mutational bursts and then returning to its 'normal' rate.

Dr Duchene explained that usually all viruses mutate at a fairly constant rate, with most taking a year or more to develop a new variant.

"However, what we were seeing with the variants of SARS-CoV-2, particularly the variants of concern, is that they have undergone many more mutations than we would expect under the normal evolutionary pace of similar Corona viruses," Dr Duchene said.

"The Delta variant, for example, emerged within just six weeks from its ancestral form."

To understand why this was occurring, Dr Duchene's laboratory conducted computational analyses of hundreds of genome sequences from SARS-CoV-2 strains to understand the mechanisms under which variants of concern emerge, with a focus on the first four: Alpha, Beta, Gamma and Delta.?

"Initially it was believed that SARS-CoV-2 must have increased its evolutionary rate in general, but actually it's the virus's ability to temporarily increase its speed which is causing the difference in pace," Dr Duchene said.

"It's like someone pumping the accelerator on a car."

Dr Duchene said these bursts could be driven by a number of factors including prolonged infections in individuals, strong natural selection, which is enabling the virus to favour immune escape, or increased transmissibility with unvaccinated populations allowing the virus to rapidly spread and evolve.

The discovery highlights the importance of continued genome surveillance efforts to ensure early detection of new variants.

"With this virus evolving so rapidly, early detection is paramount in enabling us to monitor and respond to the virus," said Dr Duchene.

He also stressed the need for increased vaccination.

#PRIVACY

Data from Friends & Strangers

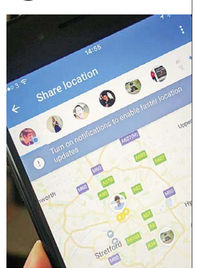

Data about our habits and movements are constantly collected via mobile phone apps, fitness trackers, credit card logs, websites visited, and other means. But even with it off data collected from acquaintances and even strangers can predict your location.

"Switching off your location data is not going to entirely help," says Gourab Ghoshal, an associate professor of physics at the University of Rochester.

Ghoshal and colleagues applied techniques from information theory and network science to find out just how far-reaching a person's data might be. The researchers discovered that even if individual users turned off data tracking and didn't share their own information, their mobility patterns could still be predicted with surprising accuracy based on data collected from their acquaintances.

"Worse," says Ghoshal, "almost as much latent information can be extracted from perfect strangers that the individual tends to co-locate with."

Slippery Slope

The ability to predict the locations of individuals or groups can be beneficial in areas such as urban planning and pandemic control, where contact tracing based on mobility patterns is a key tool to stopping the spread of disease. In addition, many consumers appreciate the ability of data mining to offer tailored recommendations for restaurants, TV shows, and advertisements.

However, Ghoshal says, data mining is a slippery slope, especially because the research shows individuals sharing data via mobile apps may be unwittingly providing information about others.

"We're offering a cautionary tale that people should be aware of how far-reaching their data can be," he says. "This research has a lot of implications for surveillance and privacy issues, especially with the rise of authoritarian impulses. We can't just tell people to switch off their phones or go off the grid. We need to have dialogues to put in place laws and guidelines that regulate how people collecting your data use it."

Jai Hanuman Gyan Gun Sagar...

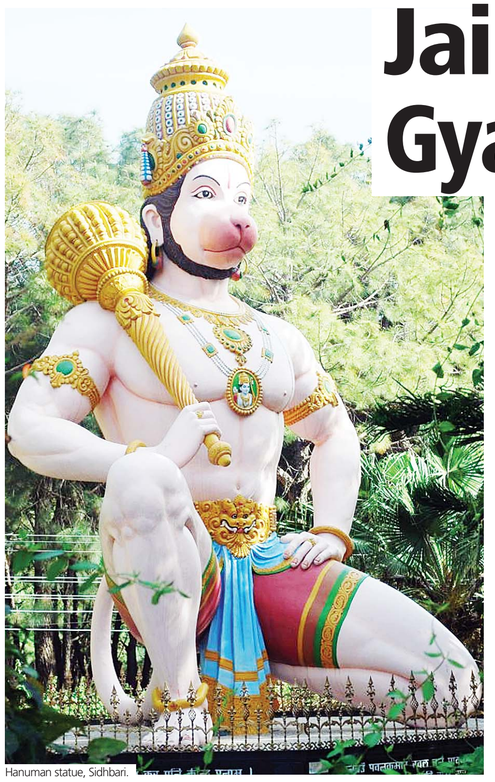
Hanuman statue, Sidhbari.

This hymn marks the intermediate phase of Sanatan Dharma when tribal deities acquired an equal and even superior position than the Vedic and Dravidian Deities; the three traditions then merge and form a new spiritual tradition that we call the Sanatan Dharma. Much in the same way as the Ganga and Brahmaputra flow into Eastern Bengal and become the Padma. However, the Vedic and Aboriginal and Dravidian deities though yielding status to the Hindu Sanatan Trinity of Brahma, Vishnu and Mahesh have not given up their individual identity and retain an honoured place in the Hindu Pantheon and worship. In the following verse from the Rig Veda it must be stated the Vrsakapi is not Hanuman for he is later entrant into the Hindu pantheon. But the Hanuman legend has its roots in this Vedic tradition as it does from some aborigine and Dravidian beliefs. The name Hanumant or Hanuman is derived from Sanskrit 'hanumant' which means large jawed and in Tamil the meaning for 'aana mandi' is male monkey.

Maj Chandrakant Singh VrC *(Retd)*
Military Historian

#THE GOD

Jai Hanuman gyan gun sagar
Jai Kapis tihun lok ujagar
Ram doot atulit bal dhama
Anjani putra Pavan sut nama

It will be hard to find anyone in India who is not familiar with the opening verses of the Hanuman Chalisa and stories of the exploits of Hanuman and Bhim. The former after Rama and Sita is the most loved and revered character in the Ramayana; the latter though not revered is the most popular character amongst the Pandavas in the Mahabharata. No pilgrimage to Ayodhya, Benaras and Chitrakut is considered complete without a visit to Hanumangarhi in Ayodhya, Sankatmochan Hanuman Mandir in Benaras and Hanumandhara in Chitrakut. Though Hanuman and Bhim belong to different eras as sons of the Wind God Pavan, they are blood brothers. Hanuman has a unique status in the Hindu pantheon. He is a bridge between the two main sects of Hinduism – Shaivism and Vaishnavism. To the Shaivites he is a manifestation of Shiva himself, and for the Vaishnavas he is the foremost devotee and companion of Ram. He is the perfect example and product of Hindu genius for reconciling opposites and incorporating them as complimentary deities in their pantheon. Similarly the other popular Hindu Deity Ganesha a son of Shiva is honoured by being placed at the top of the entrance of every Vaishnav temple and home.

The importance of Hanuman in the Hindu Pantheon can be gauged from the fact that to all Hindus Tuesday is the day devoted to the worship of Hanuman, very much like Sundays to Christians, Fridays to Muslims and Saturdays to Jews. Orthodox Hindus will fast on Tuesdays and most will forgo alcohol and eating of meat. In fact in most towns in North and Central India, butchers shops are closed and sale of meat prohibited on Tuesdays. In urban areas Tuesdays is the day off for most markets and shops.

Popular Form of Worship

As children we have all grown up listening to their tales from grandmothers, elders of the family and servants who in many cases had been with the family for generations and were as much family as anyone else were never addressed by the names but were called Kaka or Kaki. In my case even more so, for as a child and till early teens I spent most of the time with them than with my parents or siblings. In those days it was customary for children and elders alike to have a glass of milk before going to bed at night and once in bed an old retainer would tell us stories from the two great epics and animal stories from the Panchatantra. Sometimes they would even tell us ghost stories and I grew up believing in them. Having grown living in old and crumbling havelis and forts with most of the rooms empty and some whose locks had not been opened for decades, in many cases banyan and Peepal trees had taken over the old walls and the compound, sometimes when unaccompanied and alone one would fear of finding a ghost creeping upon and devouring one.

To overcome this fear and make the ghosts themselves afraid of us we were told to take the name of Hanuman which would frighten the ghost and make him run away. Later in life one learnt to recite the Hanuman Chalisa which is both a laudatory prayer and protection charm. Although no one questions the supremacy of the Trinity of Brahma, Vishnu and Mahesh, but if a popularity poll was taken Hanuman would win hands down.

Sometime during the middle ages the Vaishnav bhakti tradition gradually replaced the older Shaivites tradition as the popular form of worship and with it started the process of building of temples devoted to Ram and Krishna, and few temples to other deities including Shiva are now constructed. However in the last two or three decades all over North and Central India gigantic statues of Shiva and Hanuman are being installed. In Delhi there are over a hundred feet tall statue of Shiva at the approach of the airport runway, on which aircraft coming in to land or take off have to avoid. Another Shiva statue even bigger and visible from miles around has been built surprisingly at Nathdwara which after Mathura and Dwarka is the most favoured Vaishnav Pilgrimage site. But even more than those of Shiva, the gigantic statues of Hanuman have been built in almost every town and village in North India. These shrines to Hanuman and Ganesha which one finds in every nook and corner of the country are the most favoured and popular places of worship in India.

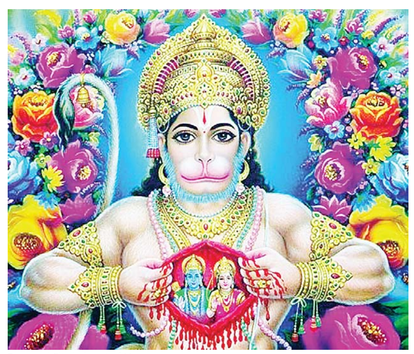
Ram and Sita in heart of Hanuman.

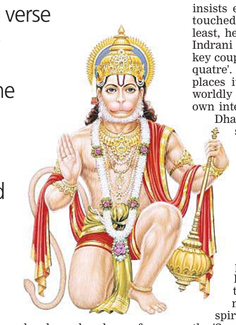

Searching for the Roots

The worship of a monkey god is not confined to India only. Even today in China the monkey god known as Sun Wukong is the most popular Taoist deity and there are thousands of temples devoted to him. In Egypt, he was considered as the God of Wisdom and worshipped under several names, the most popular being Toth, Hapi, Tehuti and Babi. In central and south America he was the patron god of the artisans. An English officer of the Indian Army, General Miller, discovered an ancient Hanuman temple in Wadi Tyin in Oman. He was led to it after reading 'The Periplus of the Erythraean Sea', a work by a Greek ship's captain in the first century CE.

As purely an intellectual exercise for scholars and of interest as devotees it would be of interest to search for the roots of the Hanuman legend and his worship. Hinduism's roots are in the Vedic tradition and it is here that we must begin our inquiry. Here I must warn the readers that the language of some of the hymns in the Vedas is quite explicit as is the case in some verses of the Old Testament of the Bible and the Quran. Even Buddhism which otherwise sets much score on celibacy does not shy away from using the sexual metaphor in making explicable complex philosophical matters. The present Dalai Lama has written a whole article on the meaning and significance of the Yub and Yum figures in religious art. For the uninitiated in the subject, the Yub-Yum figures are paintings or statues of a male and female figures copulating. They represent the union of wisdom and compassion. Roberto Calasso in his classic work 'Marriage of Cadmus and Harmony' has used similar metaphorical analogy to explain and make compressible the complexities of ancient Greek philosophy and mythology.

It surprising that though both Ganesha and Hanuman occupy such an prominent place in our pantheon we find little mention in the Vedas except for an oblique references to a monkey deity in perhaps the most enigmatic hymn in the Rig Veda. It is a dialogue between Indra, his spouse Indrani, Vrishkapi (monkey) and Vrishkapi's wife. The hymn is a 'dialogue hymn' with overtly sexual overtones. But a careful reading of it along with commentaries by scholars throws up many interesting and multiple interpretations and meaning.

RIG VEDA 10.6

Indra and the Monkey

This hymn has been called 'the strangest poem in the Rig Veda; it deals with conflict and resolution on at least four levels, alluded to in a conversation between four people – Indra and his wife, Vrsakapi and his wife. On the house hold level, there are crude arguments in which Indrani accuses the monkey of having taken liberties with her. Indra tries to calm her by flattery, and Vrishkapi's wife alternately flatters her, engages her in sexual banter about their husbands' powers, and insists either that Vrsakapi never touched Indrani or that now at least, he has ceased to do'. Finally, Indrani relents and asks the monkey couple to resume the 'ménage a quatre'. This aspect of the myth places it among other bawdy and worldly hymns in the Vedas. My own interpretation is that Sanatan Dharma has its sources in two streams flowing into it which make it what it is today One stream is the Vedas and the second of Aborigina land Dravidian traditions.

This hymn marks the intermediate phase of Sanatan Dharma when tribal deities acquired an equal and even superior position than the Vedic and Dravidian Deities. The three traditions then merged and formed a new spiritual tradition that we call the 'Sanatan Dharma'. Much in the same way as the Ganga and Brahmaputra flow into Eastern Bengal and become the Padma. However, the Vedic, Aboriginal and Dravidian deities though yielding status to the Hindu Sanatan Trinity of Brahma, Vishnu and Mahesh have not given up their individual identity, but have retained an honoured place in the Hindu Pantheon and worship. In the following verse from the Rig Veda it must be stated the Vrsakapi is not Hanuman for he is later entrant into the Hindu pantheon, but the Hanuman legend has its roots in this Vedic tradition as it does from some aborigine and Dravidian beliefs. The name Hanumant or Hanuman is derived from Sanskrit 'hanumant' which means large jawed and in Tamil the meaning for 'aana mandi' is male monkey.

This translation of the Vrsakapi hymn from the Rig Veda by Wendy Doniger is not for the squeamish:

1. **Indrani:** "They no longer press the Soma, nor do they think of Indra as god, now that my friend Vrsakapi has gorged himself on nourishments of the enemy. Indra is supreme above all."
2. "Indra, you pass over the erring ways of Vrsakapi. No you will not find soma to drink in any other place. Indra is supreme above all."
3. **Indra:** "What has this tawny animal, this Vrsakapi, done to you that you are so jealous of him and begrudge him the nourishing wealth of the enemy? Indra is supreme above all."
4. **Indrani:** "That beloved Vrsakapi whom you protect, Indra – let the dog that pants after the wild sows bite him in the ear. Indra is supreme above all."
5. "The ape has defiled the precious, well made, anointed things that are mine. I will cut off his head, and I will not be good to that evil doer. Indra is supreme above all"
6. "No woman has finer loins than I, or is better at making love. No woman thrusts against a man better than I, or raises and spreads her thighs more. Indra is supreme above all."
7. **Vrsakapi:**"O little mother, so easily won, as it will surely be, my loins, my thigh, my head seem to thrill and stiffen, little mother. Indra is supreme above all."
8. **Indra:** "Your arms and fingers are so lovely, your hair so long, your buttocks so broad. You are wife of a hero -- so why do you attack our Vrsakapi. Indra is supreme above all."
9. **Indrani:** "This imposter has set his sights on me as if I had no man, for I am the wife of Indra, and the Maruts are my friends. Indra is supreme above all."
10. **Vrsakapi:** "In the past, this lady would go to the public festival or a meeting place. There she would be praised as the one who sets all in order, the wife of Indra, a woman with a man. Indra is supreme above all."
11. **Wife of Vrsakapi:** "Indrani is the most fortunate among women, I have heard for her husband will never die of old age. Indra is supreme above all."
12. **Indra:** "I was not happy, Indrani, without my friend Vrsakapi, whose offering of this oblation mixed with water goes to the gods and pleases them. Indra is supreme above all."
13. **Vrsakapi:** "Wife of Vrsakapi, you are rich in wealth and in good senses and in your sons' wives. Let Indra eat your bulls

Monkey God Carthage.

> The worship of a monkey god is not confined to India only. Even today in China the monkey god known as Sun Wukong is the most popular Taoist deity and there are thousands of temples devoted to him. In Egypt, he was considered as the God of Wisdom and worshipped under several names, the most popular being Toth, Hapi, Tehuti and Babi.

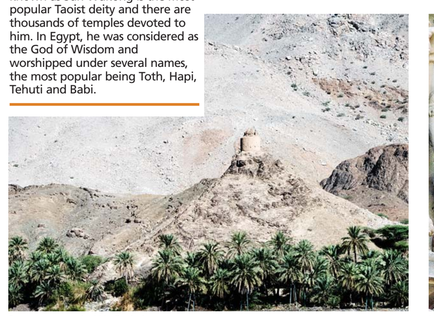
Banuman temple. Wadi tyin in oman.

and the oblations that is so pleasing and so powerful in effect. Indra is supreme above all."

14. **Indra:** "They have cooked for me fifteen bulls, and twenty, so that I may eat fat as well. Both sides of my belly are full. Indra is supreme above all."
15. **Vrishkapi's wife:** "Like a sharp horned bull bellowing among a herd of cows, a mixture is being prepared for you Indra that will please your heart and refresh you. Indra is supreme above all."
16. **Indrani:** "That one is not powerful, whose penis hangs between his thighs; that one is powerful, for whom the hairy organ opens and swells and sets to work. Indra is supreme above all."
17. **Vrishkapi's wife:** "That one's not powerful for whom the hairy organ opens as it swells and sets to work. That one is powerful whose penis hangs between his thighs. Indra is supreme above all."
18. "Indra, this Vrsakapi found a wild ass that had been killed, a sword, a basket, a new pot, and a cart loaded with fire wood. Indra is supreme above all."
19. **Indra:** "I am coming forward, looking about and distinguishing between enemy slave and noble ally. I am drinking with the one who has prepared a simple brew; I am looking for an expert. Indra is supreme above all."
20. "How many miles separate the desert and the ploughed field. Come home Vrsakapi, to the closer houses. Indra is supreme above all."
21. **Indrani:** "Come back Vrsakapi and we two will meet in agreement, so that you who destroy sleep may come again on the homeward path. Indra is supreme above all."
22. **Poet:** "As you went home to the north, Vrsakapi where the beast of many sins was? To whom O Indra, did the inciter of people go? Indra is supreme above all."
23. "The daughter of Manu, name Parsu, brought forth twenty children at once. Great happiness came to her whose womb felt the pains. Indra is supreme above all."

Commentary on the Hymn

1. The hymn begins with Indrani's jealous outburst against Vrsakapi, who is companion and friend of Indra. A character trait of wives in all ages till date. To turn Indra against Vrsakapi Indrani goes to the extent of accusing Vrsakapi of making sexual overtures towards her.
2. The relationship of Vrsakapi (Hanuman) with Maruts the Wind God (Pavan) and through the Maruts with Rudra an incarnation of Shiva is established. Hanuman is considered an incarnation of Shiva in some traditions.
3. Hanuman is physically strong and powerful and also a celibate. The connection between celibacy and physical strength is established in verses 16 & 17. If one loses his celibacy one loses his strength too. The concept of celibacy in the Catholic Church seems to have been adopted by the Essenes during the Seleucid period and from them into Christianity. John the Baptist was an Essenes. According to Dr Radhakrishnan the Essenes were a Judaic sect influenced by Indian spiritual and ritualistic traditions.
4. Because Hanuman is a Brahmachari, celibate women do not touch his image when worshipping him. Similarly at Sabarimala Shrine in Kerala women of child bearing age are not allowed inside the temple premise because Lord Ayappa like Hanuman is a celibate bachelor.
5. The hymn mentions about the sacrifice of bulls and eating their flesh. Blood sacrifice was sanctified in some Vedas and was common in all aboriginal religions. This practice however is abhorrent in Sanatan Dharma. Present Hinduism whilst incorporating these tribal deities have substituted blood with smearing of red sindoor mixed with oil on the images of all aboriginal origin deities like Ganesha, the Devis, Devtas and Hanuman.
6. There is allusion to 'Ménage-e-Quatre' and sexual liberty of women to chose their own partner. Indra and Indrani are notorious libertines. Amongst the Nairs who were the ruling class in Kerala, the women were known to exercise their freedom to choose their partners till very recent times. Kerala like Kishkindha, Hanuman's home and birthplace, are in south India and belong to the same cultural and social tradition. Bali before he dies, asks Rama why he has killed him, Ram accuses him of taking other men's wives. To this Bali replied that this practice was sanctioned amongst his people, as such he had committed no wrong.
7. In the last two verses Parsu the daughter of Manu is mentioned. Parsu means rib, which connects her to the creation myth in the Old Testament of the Bible according to which God created Eve out of a rib taken from Adam's chest. Surprising? Not really, knowledge of Indian mythology was common amongst people of the Eastern Arabian Peninsula and along the coast of the Persian Gulf and the Red Sea. A 7th century BCE statue of a goddess found in Mesopotamia which shows the goddess accompanied by owls and lions, as is Lakshmi with owls and Devi with lions in Indian iconographic tradition attests to the existence of many commonalities in the Middle Eastern and Indian traditions.
8. The hymn can also be seen as a record of the transitional and evolutionary phase in Hinduism. A move away from Vedic deities like Indra, Mitra and Varun, to the beginnings of deities like Brahma, Vishnu and Shiva, who are a hybridization of the Aryan and Dravidian traditions. This incorporating of divergent and often rival traditions into one homogenous whole is a genius peculiar to India and the Indians.

writetoarbit@rashtradoot.com

Hanuman Jayanti

The Hindu Trinity of Brahma, Vishnu and Mahesh have day of the year marked as their special day, though poor Brahma the Creator doesn't even have any one celebrating his day, and his spouse the Goddess of beauty, fine arts and learning has to play second fiddle to Lakshmi – the Goddess of wealth in our worship. It says something about our priorities and it is perhaps understandable, but what is not understood is that whereas we devote only one day in a year to Vishnu and Mahesh, we devote one day in every week Tuesday, making it 52 days in a year to Hanuman, a monkey God. This week we celebrate two very important festivals Ramnaumi – the birth of Ram and on 16th April is Hanuman Jayanti – the day of his birth as his Pratham sevak. With the Navratri Celebrations ending, the celebrations of Hanuman Jayanti have started, the most popular being the Mela at Salasar Balaji. So important and popular is the shrine and mela that a Delhi to Jodhpur train, the Salasar Express is named after it. So now is perhaps the right time to inform ourselves about Hanuman. Hanuman is a Pan-India deity, he is worshipped as Murrugan in the South, where a 150 meter tall statue has recently been installed, and elsewhere in the country a Hanuman shrine is never more than a five to ten minutes walk away from every home which is worshipped by all Hindus round the year, particularly on Tuesdays.

The account is in two parts. Part I, Origins of Hanuman mythology; Part 2 History and legends of Kishkindha, the birth place of Hanuman.

Indra keeping Vrsakapi away from Indrani. Khajuraho Indra and Indrani.

THE WALL

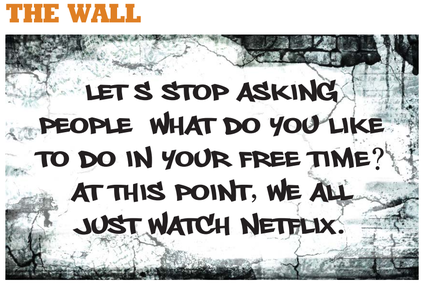

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

सांप्रदायिक उन्माद भाजपा का सबसे खतरनाक राजनीतिक हथियार: दिग्विजय सिंह

'भाजपा धार्मिक उन्माद एवं नफरत फैलाकर सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ रही है'

अजमेर, (कासं)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने कहा कि सांप्रदायिक उन्माद भारतीय जनता पार्टी का सबसे खतरनाक राजनीतिक हथियार है। भारतीय जनता पार्टी धार्मिक उन्माद एवं नफरत फैलाकर सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ रही है।

राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह एक दिवसीय अजमेर प्रवास के दौरान पत्रकारों से औपचारिक बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज में वैमनस्यता बढ़ ती जा रही है, चारों ओर धार्मिक उन्माद एवं नफरत फैलाकर सांप्रदायिक तनाव पैदा किया जा रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि बुलडोजर चलाना है तो महंगाई पर चलाओ, सामाजिक बुराई पर चलाओ बेरोजगारी पर चलाओ, राजनीतिक प्रतिद्वदियों पर नहीं। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार देश के विकास की बात नहीं करके धर्म राष्ट्रवाद एवं हिंदुत्व की बात कर देश की जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा यह जानती है कि बिना पत्थर उछाले कुर्सी नहीं मिलती इसलिए हथियार के रूप में कभी जज्बात को, तो कभी जान को हथियार बनाती है सांप्रदायिक उन्माद भाजपा का सबसे बड़ा खतरनाक राजनीतिक हथियार है।

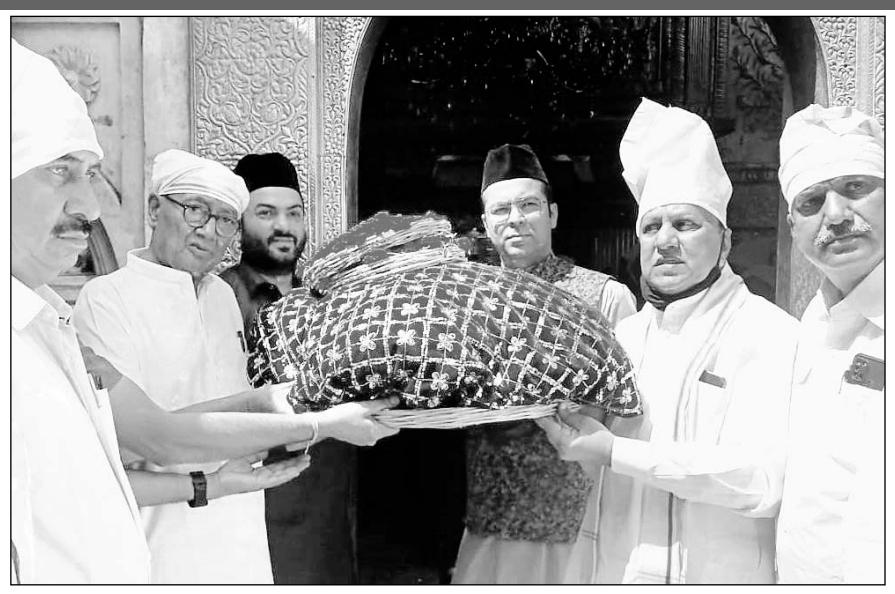

दरगाह में जियारत करने जाते हुये पूर्व सीएम दिगविजय सिंह।

उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार में गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले 10 से 15 करोड़ लोगों को सन 2014 से पहले गरीबी की रेखा से नीचे से निकाल लिया था परंतु मोदी सरकार की अकुशल प्रबंधन ने उन्हें वापस गरीबी की रेखा के नीचे धकेल दिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कोविड आर्थिक पैकेज गरीब, मजदूर, किसान मध्यमन परिवारों एवं लघु उद्योगों को नहीं मिला है, अमीर अमीर बनता जा रहा है और गरीब और गरीब होता जा रहा है और यह खाई बढ़ ती जा रही है।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह अजमेर एक निजी समारोह में शामिल होने आये थे। इस दौरान महेंद्र सिंह रलावता, शिव कुमार बंसल, कुलदीप कपूर, फकरे मोइन, राजेंद्र नरचल, राजनारायण आसोपा, पार्षद कुशाल कोमल, नकुल खंडेलवाल, रोहित चौहान, सहित कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में मखमली चादर पेश कर जियारत की एवं देश एवं प्रदेश में अमन चैन शांति के दुआ मांगी।

मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा ने घायल को कार से निकाल अस्पताल भेजा

हाइवे पर कसुम्बी फांटे के पास ट्रक से टकराई थी कार

गुजरात से पंजाब जा रहे एनएचआई के क्वालिटी मैनेजर की कार ट्रक से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई।

सुजानगढ़, (का.स)। नेशनल हाईवे पर कसुम्बी फांटे के पास गुजरात से पंजाब जा रहे एनएचआई के क्वालिटी मैनेजर की कार ट्रक से टकरा गयी। हादसे में कार सवार पंजाब निवासी सरोज कुमार के चोटे आई।

हादसे के वक्त जोधपुर की तरफ जा रहे राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ ा ने घायल को कार से बाहर निकाला व हादसे की सूचना सुजानगढ थाना पुलिस को दी। घायल को हारे का सहारा टीम के श्याम सुन्दर स्वर्णकार, पवन निजी एम्बुलें से से राजकीय बगडिया अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर चिकित्सक डॉ. दिलीप सोनी, डॉ. भावना चौधरी, मनोज वर्मा, पालीराम ने घायल का त्वरित उपचार किया। घायल सरोज कुमार पंजाब निवासी है जो गुजरात के जुनागढ में एनएचआई में कार्यरत है। घायल की स्थिती खतरे से बाहर बतायी जा रही है।

नृसिंहदत्त दाधीच की फर्म को निगम ने किया तीन साल के लिए बाहर

- किसी भी बोली में भाग लेने के लिए विवर्जित किया गया

अजमेर, (कासं)। अजमेर नगर निगम में शहर में स्थित समस्त होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई, पान, जिम, पार्लर, कैफे, कैन्टीन, चाट पकौड़ी, फास्ट फूड आदि की दुकानों के निरंतरण एवं नियमन विषयक उप विधियों के तहत लाईसेंस नवीनीकरण शुल्क वसूली के लिये खुली बोली जारी की गई थी। इसे जून 2021 को खोला गया था। यह बोली नृसिंहदत्त दाधीच पुत्र सुरेन्द्रदत्त शर्मा ने 43 लाख 53 हजार रूपये की सबसे बड़ी बोली लगाई थी। जिसे नगर निगम ने स्वीकृत कर लिया और 16 जुलाई 2021 को कार्य आदेश जारी किया गया लेकिन निविदा की शर्तो की अवहेलना पर दाधिच को लगातार निगम की ओर से नोटिस दिये गये लेकिन दाधिच की लापरवाहियां बढ ती गई।

नगर निगम के आयुक्त देवेन्द्र कुमार ने बताया कि राजस्थान लोक उपापन में पादर्शिता अधिनियम 2012 की धारा 11(ग) के अनुसार अंतिम तीन वर्ष के दौरान भारतीय या अन्य किसी भी देश में किसी भी संस्थान के साथ पूर्ववर्ती नियम भंग करने के संबंध में यदि कोई संस्था दोषी है तो इस नियम के प्रावधान के अनुसार तीन वर्ष से अधिक की कालावधि के लिये बोली लगाने से उस संस्था व व्यक्ति को वर्जित किया जा सकता है। इसी के तहत नृसिंहदत्त दाधीच की फर्म को तीन साल के लिये किसी भी बोली (बिड) में भाग लेने के लिये विवर्जित किया गया है।

बच्ची की हत्या करने वाला ताऊ गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। आपसी विवाद में लठ्ठ से हमला कर दुधमुही भतीजी की हत्या करने वाला ताऊ को फलासिया थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 10 अप्रेल रात में करेल नाल फला निवासी सुखलाल पुत्र कुका कसोटा तथा उसके भाई बसुलाल कसोटा के बीच झगड़ा होने पर बीच बचाई में आई सुखलाल की पत्नी नानूड़ी की गोद में उसकी चार माह की दुधमुही बच्ची पुष्पा के चौट लगने पर मौत हो गई थी तथा उसकी मां नानूड़ी घायल हो गई थी। इस मामले में थानाधिकारी प्रभूलाल ने सूचना मिलने पर मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौप कर उसकी मां को उदयपुर चिकित्सालय में भर्ती करवाया था। इस मामले में सुखललाल ने प्रकरण दर्ज करवाया था। इस पर उसके भाई बसुलाल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे जेल भिजवाया। गत दिनों बसु की 12 वर्षीय मंदबुद्दी पुत्री को सुखलाल अपने परिवार के साथ ले गया था।

विवाहिता ने पेड़ पर फांसी लगा आत्महत्या की

- पति के खिलाफ मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं.)। विवाहिता ने पेड़ पर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। इस पर मृतका के पति व उसके परिजनों के खिलाफ पुत्री को आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करने का मामला दर्ज करवाया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के शहर के अम्बामाता थाना पुलिस ने नाथावतों का गुड़ा थोरिया घाटी नाई निवासी गेबा पुत्र उमा गमेती की रिपोर्ट आरोपी उपली बड़ी फला छापरा निवासी धर्मा उर्फ धर्मराज पुत्र सोहन गमेती, उसकी सास गणेशी बाई, देवर विष्णु, व अन्य के खिलाफ पुत्री दुर्गा को परेशान करने से उसके द्वारा फांसी लगा आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मामला दर्ज करवया। पीड़ित ने बताया कि नाबालिग अवस्था में आरोपी धर्मा मेरी पुत्री को भगा ले गया तथा उसे पत्नी बना कर रखा। एक बच्ची पैदा होने के बाद से पति, सास, देवर ने पुत्री दुर्गा को मारपीट कर परेशान करना शुरू कर दिया। 13 अप्रेल को धर्मा ने मेरी पत्नी को फोन कर गाली गलोज की तथा पुत्री को ले जाने के लिए कहा।

इस पर दूसरे दिन उसके ससुराल गया तो उसकी सास गणेशी परिजनों ने भगा दिया। कुछ समय बाद मेरे पुत्र सुरेश ने बहन दुर्गा द्वारा मकान के पास स्थित जामुन के पेड़ पर फांसी लगाने की जानकारी दी। इस मामले में सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतका को निचे उतार पीहर पक्ष से परिजनों को बुलवा कर उनकी मौजूदगी में मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौप दिया था। मामले की जांच अम्बामाता थानाधिकारी सुनिल टेलर कर रहे है।

नाबालिग स्टूडेंट से अश्लील हरकतें और छेड़छाड़

हनुमानगढ़, (निसं.)। जिले के टिब्बी थाना क्षेत्र में नाबालिग को परेशान करने और अश्लील हरकतें करने का मामला सामने आया है। आरोपी नाबालिग के स्कूल आते-जाते वक्त अश्लील हरकतें और छेड़छाड़ करते हैं। मामले में आरोपी भी स्कूल में ही पढ़ ने वाले नाबालिग बच्चे बताए जा रहे हैं। नाबालिग पीड़िता के पिता ने स्कूल के ही 3 छात्रों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज करवाया है। टिब्बी थानाधिकारी सुभाष कच्छावा ने बताया कि नाबालिग पीडिता के पिता ने थाने में आकर रिपोर्ट दी कि उसकी नाबालिग बेटी गांव के स्कूल में पढ़ ती है। स्कूल जाते वक्त कुछ लड़के मेरी नाबालिग बेटी को परेशान करते हैं और अश्लील हरकतें करते हैं। पीड़िता के पिता ने पुलिस को बताया कि आरोपी लड़के पिछले 4-5 महीने से मेरी नाबालिग बेटी को परेशान कर रहे हैं। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नाबालिग बालिका का अश्लील वीडियो बनाना मजदूर को पड़ा महंगा

- पीड़िता के पिता ने मजदूर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया

अजमेर, (कासं)। रामगंज थाना में 11 वर्षीय नाबालिग बालिका का बाथरूम में नहाते हुए अश्लील वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता ने पड़ोस में काम करने वाले मजदूर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामले की जांच आदर्श नगर थाना प्रभारी सुगन सिंह कर रहे हैं। रामगंज थाने के एएसआई नंदभंवर सिंह ने बताया कि चंदबरदाई नगर निवासी पीड़िता के पिता ने रामगंज थाने में शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया कि उनके पड़ोस में मकान निर्माण का कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य के दौरान वहां काम करने वाले कृष्णा नामक मजदूर ने 14 अप्रैल को उसकी 11 साल की बेटी जब बाथरूम में नहाने गई तो मजदूर कृष्णा ने बाथरूम की खिडकी से मोबाइल पर अश्लील वीडियो बनाने लगा, तभी पीड़िता की मजदूर कृष्णा पर नजर चली गई। पीड़िता चिल्लाई तो परिवार के लोग घर के बाहर पहुंचे और मजदूर कृष्णा को पकड़ लिया। परिवार वालों ने मजदूर कृष्णा के कब्जे से मोबाइल बरामद किया और उसके फोन से ऐसे अश्लील कई वीडियो थे। रामगंज पुलिस के अनुसार पीड़िता के पिता की रिपोर्ट के आधार पर आरोपी मजदूर कृष्णा के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच आदर्श नगर थाना अधिकारी सुगन सिंह को सौंपी गई है।

मंत्रीजी के सपोर्टर बने एसएचओ !

- गुढागौडजी एसएचओ संजय वर्मा का वीडियो वायरल

झुंझुनूं/गुढागौडजी, (निसं)। वर्दी में ही अब पुलिस अधिकारी मंत्रियों को खुश करने के लिए ना केवल जाति की बात कर रहे है बल्कि उन्हें सहयोग करने अपील भी कर रहे है। मामला झुंझुनूं के गुढागौडजी का है। गुढागौडजी कस्बे में अंबेडकर जयंती के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि प्रदेश के सैनिक कल्याण मंत्री राजेंद्र सिंह गुढा थे। कार्यक्रम में गुढागौडजी एसएचओ संजय वर्मा भी मौजूद थे। जो एससी वर्ग से आते है। जब एसएचओ साहब के भाषण का वक्त आया तो उन्होंने सबकुछ ताक पर रख दिया और जो भाषण दिया उससे चाहे मंत्रीजी से खुश हो गए हो लेकिर पुलिस की वर्दी जरूर शर्मशार हो गई। जी, हां गुढ ागौडजी एसएचओ ने कहा कि मंत्री गुढा सभी समाज के लोग के प्रति, विशेषकर हमारे जो शिड्यूल कास्ट के लोग है उनके प्रति बडे दयालु है, उद्धार है। अपने समाज के लोग के प्रति जो भी किसी प्रकार के अत्याचार की घटना होती है। बात होती है। तो उस पर तुरंत एक्शन लेते है। तो आप सब माननीय मंत्री महोदय का भी सहयोग करें।

एसएचओ संजय वर्मा ने समारोह में मंत्री गुढ़ा के पक्ष में अपनी बात रखी।

युवक ने फंदा लगाकर जान दी

रामगंजमंडी, (निसं)। कोटा जिले के सातलखेड़ी कस्बे में शुक्रवार को दिन के समय शिवनगर कॉलोनी में एक युवक ने फांसी के फंदे पर लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

पुलिस को सूचना मिलने पर सुकेत पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारकर सुकेत मोर्चरी में पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार युवक राम गोपाल लुहार की पत्नी पिछले 10 महीनों से अपने पीहर में थी। युवक कई बार लेने गया लेकिन पत्नी नहीं आई। इसके चलते अवसाद में चल रहा था और शराब का आदी भी हो गया था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

खाजूवाला मार्ग पर निजी बसें वसूल रहीं मनमाना किराया

बीकानेर, (कासं)। जिला मुख्यालय से बेलगाम अवैध-निजी बसों के संचालन से रोडवेज को रोजाना लाखों रूपये का घाटा हो रहा है। वहीं जनता को भी मनमाने किराया देना पड़ता है। ऐसा नहीं है कि इस समस्या से जिला व पुलिस प्रशासन सहित परिवहन विभाग अनभिज्ञ है। लेकिन पहल किसी भी ओर से नहीं हो रही है ओर जनता आये दिन निजी बसों की मनमानी का शिकार हो रही है।

खाजूवाला-श्रीगंगानगर व अनूपगढ़ हनुमानगढ़ रूट पर निजी बसों का बोलबाला है। इस रूट पर प्रतिदिन 40 से अधिक प्राईवेट बसें चल रही है। वहीं रोडवेज बसों की संख्या इससे आधी ही है। इस रूट पर बिना परमिट की बसों का दबदबा है। खाजूवाला-बीकानेर सड़क मार्ग पर वर्तमान में 14 प्राईवेट बसें चल रही है। इनका संचालन सुबह 6 बजे से रात्रि 9:30 बजे प्रतिदिन होता है। ये प्राईवेट बसें वापस बीकानेर से खाजूवाला आती भी है। इन बसों में से अधिकतर बसें अवैध तरीके से चल रही है। इनमें से कई बसों के पास तो परमिट ही नहीं है और कुछ के पास है तो वह अन्यत्र का है। खाजूवाला-बीकानेर रूट पर चलने वाली इन बसों के पास परमिट पूगल, 682 व अन्य गांवों का होता है और ये बसें सवारियां भरकर पिछले कई सालों से बीकानेर पहुंच रही है। ये बसें बीकानेर से खाजूवाला धडल्ले से चल रही है। खाजूवाला-बीकानेर रूट पर रोड़वेज बसें होने के कारण सवारियों को इस सुविधा का लाभ नहीं मिल रहा है। खाजूवाला-बीकानेर सडक पर रोड़वेज बस का साधारण किराया 115 रुपए है। जबकि रियायती किराया 80 रुपए तथा बच्चे के 60 रुपए है। जबकि प्राईवेट बस संचालक मनमर्जी के हिसाब से किराया वसूलते है।

लावारिस महिला के पास एक लाख से ज्यादा राशि मिली

- लावारिस हालत में पैट्रोल पंप पर सो रही थी महिला

रामगंजमंडी, (निसं)। रामगंजमंडी मारुति नगर स्थित राज पेट्रोल पंप पर गुरुवार रात को एक लावारिस महिला सो रही थी तभी पैट्रोल पंप कर्मी ने उससे पूछताछ की लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे रही थी। पैट्रोल पंप कर्मियों ने सोचा यह बीमार है इसलिए उन्होंने समाजसेवी व युवादल के सचिव राजकुमार पारख को इसके लिए सूचित किया। लिटिल भाई ने पुलिस को सूचित किया वहां से पुलिस पूछताछ के लिए थाने ले आई।

थाने पर उससे पूछताछ की गई लेकिन वह पुलिस को उल्टे सीधे जवाब दे रही थी अपना नाम कभी मुन्नी कभी प्रेम बाई बता रही थी उसके पास पीला थैला था। पुलिस ने उसके थैले को चेक किया तो उसके अंदर 2 हज़ार व 500 के नोट लगभग 1 लाख 9 हज़ार 8 सो रुपए मिले इस पर सभी अचंभित हो गए। उससे इस रकम के बारे में पूछा गया तो उसने रकम फल फ्रूट बेचकर कमाई बताया वहीं कई बार उससे घर के बारे में पूछा गया तब बड़ी मुश्किल से उसने झालावाड़ रहना बताया। इस पर पुलिस महिला को झालावाड़ लेकर गई यहां कुम्हार मोहल्ले में उसकी बेटी ने उसको पहचाना पुलिस ने महिला को उसकी बेटी के सुपुर्द किया और उससे प्राप्त रकम को भी परिजनों को सौंप दिया।

आईटी एक्ट में प्रकरण दर्ज

उदयपुर, (कासं)। बच्चो की अश्लिल वीड़ियों वायरल करने वाले के खिलाफ बावल वाड़ा थाना पुलिस ने आईटी एक्ट में प्रकरण दर्ज किया। प्रकरण के अनुसार नई दिल्ली स्थित एनसीआरबी की शिकायत पर बच्चो के आपत्तिजनक वीड़ियों को वायरल करने वाले के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देश पर बावलवाड़ा थानाधिकारी हेमन्त अहारी ने अश्लील वीड़ियों वायरल करने वाले फूटाला भाणदा निवासी संजय डांगी के रूप में पुष्टि होने पर मामला दर्ज किया।

सड़क हादसे में बाइक सवार अधेड़ की मौत

उदयपुर, (कासं)। ऋषभदेव हाईवे पर पुना से आ रही निजी बस ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार अधेड़ की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषभदेव थाना क्षैत्र विश्वास जैन ढाबा के सामने निजी बस से बाइक को चपेट मे ले लिया। हादसे में पादेड़ी निवासी मोहन (42) पुत्र गोतम मीणा की मौत हो गई। मोहन बाहर हिरा घिसाई का काम करता था। कोरोना के बाद गांव लौटने पर वह गांव के आस पास कारोबार लगाने के लिए मौका देखने बाइक पर जा रहा था।

इस दौरान दूसरी बाइक पर उसका छोटा भाई ईश्वरलाल भी था। 14 अप्रेल को हाइवे पर जाते समय महावीर जयंती के अवसर पर जैन समाज के लोगों को पूना से लेकर शहर आ रही बस ने उसे चपेट में ले लिया था। हादसे को देख चालक बस छोड़ भाग था। इसकी सूचना मिलने पर एएसआई श्यामलाल ने मौके पर पहुंच कर घायल मोहन को रैफर करने पर उदयपुर के लिए रवाना किया। जहां बीच रास्ते उसकी मौत हो गई। इस पर परिजन शव लेकर पहुचे। जहां पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौप दिया। पुलिस ने बस जब्त कर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की।

पल्लू बस स्टैंड पर महिलाओं के लिए शौचालय नहीं

यात्रा करने वाली महिलाएं और स्कूल-कॉलेज की स्टूडेंट्स परेशान, जनप्रतिनिधियों का नहीं कोई ध्यान

- आसपास की 11 पंचायतो के करीब 38 गांवों का एक मात्र बस स्टैण्ड है
- बस स्टैंड पर शौचालय बनने का मुद्दा कई बार उठा चुका है

हनुमानगढ़, (निसं.)। पल्लू बस स्टैंड पर महिलाओं के लिए शौचालय नहीं होने से उनको परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा। लेकिन इस समस्या का आज तक समाधान नहीं हो पाया है।

जहां राज्य सरकार स्वच्छता के नाम पर लाखों-करोड़ों रुपए खर्च कर रही है वहीं पल्लू बस स्टैंड पर महिलाओ के लिए शौचालय तक नहीं है। पल्लू के आसपास की 11 पंचायतो के करीब 38 गांवों का एक मात्र बाजार ही नहीं बल्कि हनुमानगढ़ -किशनगढ़ मेगा हाई-वे पर होने की वजह से यहा से जयपुर, बीकानेर, अजमेर, उदयपुर, नोहर, हनुमानगढ़ , सूरतगढ़ के लिए सैंकड़ो यात्रियों को आना-जाना पड़ता है। इसके वाबजूद यहां महिलाओं के शौचालय नहीं है।

सरदारशहर, अर्जुनसर और रावतसर से चलने वाली बसें सबसे ज्यादा समय के लिए पल्लू ही रुकती हैं। बड़ी संख्या में यहां सवारियां चाय-पानी के लिए उतरती हैं। लेकिन यहां महिलाओं के लिए शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है। पल्लू में कई स्कूल और सात कॉलेज हैं। इनमें पढ़ ने वाली स्टूडेंट्स आसपास के गांवों से आती है।बसों के इंतजार में यहां लड़किया कई देर तक खड़ी रहती हैं। ऐसे में यहां महिला शोचालय नहीं होने से उनको भी परेशानी हो रही है। पल्लू बस स्टैंड पर महिला शौचालय नहीं होने के बाद भी जनप्रतिनिधियों का कोई ध्यान नहीं है। इस समस्या को लेकर जनप्रतिनिधि पूरी तरह से लापरवाह नजर आते हैं। आज तक इस दिशा में जनप्रतिनिधियों की ओर से कोई कदम नहीं उठाए गए।

पल्लू से दो-दो महिला प्रधान रेशमा रतिराम खालिया निवर्तमान, सरस्वती धर्मपाल सिहाग वर्तमान प्रधान और सुनीता देवकीनन्दन जोशी महिला सरपंच होने के बावजूद भी पल्लू बस स्टैंड पर महिलाओं के लिए शौचालय की समस्या का समाधान नहीं कर पाई है। महिलाओं को शौचालय के लिए कम से कम दस मिनट तक भटकने के बाद भी स्टैंड पर शौचालय दिखाई नहीं देता है तो उनको मजबूर होकर लोक-लाज और शर्म को छोड़कर खुले में बैठना पड़ता है जो बहुत ही शर्मनाक है। यहां ब्रहमाणी माता के दर्शन करने के लिए अक्सर बड़े नेता, अधिकारी और मंत्रियों का आनाजाना होता है फिर भी या तो कोई ध्यान देता नहीं या फिर ध्यान देना नहीं चाहता।

स्थानीय निवासी विनोद गोस्वामी बताते हैं कि पल्लू में बस स्टैंड पर शौचालय बनने का मुद्दा कई बार उठा है। लेकिन जब भी इस पर चर्चा होती है तो मामला ग्राम पंचायत और मंदिर कमेटी के बीच उलझ जाता है। क्योंकि बस स्टैंड पर ग्राम पंचायत की जगह नहीं है और जो सड़क के दोनों तरफ खाली जगह है वो माता की खेड़ी की है। यदि मंदिर प्रन्यास उस जगह में से शौचालय के लिए जगह देता है तो महिलाओं की समस्या के समाधान के लिए शौचालय का निर्माण करवाया जा सकता है। पल्लू में मां ब्राह्मणी का मंदिर होने के कारण हर साल हजारों श्रद्धालु माता रानी के दर्शन करने आते हैं। जिनमें महिलाएं भी शामिल होती हैं। उनको बस स्टैंड से लेकर माता रानी के मंदिर तक कहीं भी शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाती है जिससे उनको या तो गांव में किसी के घर जाकर शौचालय का उपयोग करना पड़ता है या फिर मजबूर होकर खुले में बैठना पड़ता है।

ग्राम पंचायत द्वारा बनाया गया एक मात्र सुलभ काम्पलेक्सव बस स्टैंड और मंदिर से बहुत दूर होने के कारण वहां तक आने-जाने में कम से कम 20 मिनट का समय लगता है और वहां भी ब्राह्मणी माता मेले के अलावा हमेशा ताला लगा रहता है जिससे महिलाएं भी इस सुलभ काम्लेक्स सका उपयोग नहीं कर सकती। ड्राइवरों ने मिलकर चंदा करके एक मोटा तिरपाल और पोल लगाकर महिलाओं के लिए काम चलाऊ शौचालय बनाकर दिया है। बस स्टैंड के पास ही टैक्सी स्टैंड है जहां दर्जनों टैक्सी ड्राइवर अपनी गाड़ी लेकर खड़े रहते हैं।

गाड़ी ड्राइवर कालूराम ढ ुकिया ने बताया की जब बस से उतर कर कोई महिला शौचालय के लिए इधर-उधर जाती है और उसको कहीं भी शौचालय दिखाई नहीं देता है तो वो मज़बूरी में खुले में बैठती है जो बहुत ही शर्म की बात है। हमने इसके लिए पंचायत में भी कई बार कहा पर कोई समाधान नहीं हुआ ऐसे में हम सभी ड्राइवरों ने मिलकर चंदा करके एक मोटा तिरपाल और पोल लगाकर महिलाओं के लिए काम चलाऊ शौचालय बनाकर दिया और हम सभी काम चलाऊ शौचालय का ध्यान और रख-रखाव रखते है ताकि कोई शरारती तत्व या जानवर उसके पोल को तोड़ ना दे। पल्लू ग्राम पंचायत की सरपंच सुनीता देवकी नंदन जोशी ने बताया कि ग्राम पंचायत में बजट है। अभी स्टैंड के पास जो मंदिर की जगह है उस पर हाईकोर्ट से स्थगन आदेश आए हुए हैं यदि कोई दानदाता स्टैंड पर जगह देता है तो पंचायत शौचालय बनाने के लिए तैयार है।

नथमल डिडेल, जिला कलक्टर, हनुमानगढ़ का कहना है कि जिले के कई पर्यटन स्थल हैं, जिनमें 2 करोड़ रुपए जन सुविधाओं पर खर्च किए जाएंगे। इसमें पल्लू भी शामिल है। उन्होंने कहा कि ऐसी जगह चिन्हित की जाएगी जिससे बस स्टैंड और मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं दोनों को फायदा मिल सकेगा। फिलहाल अस्थाई शौचालय का संचालन हो सके इसकी व्यवस्था की जाएगी।

संक्षिप्त

हनुमान जयन्ती पर होंगे कई आयोजन

निवाई। शनिवार को बावडी वाले बालाजी मंदिर में अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। मंदिर पुजारी पं शैलेंद्र मिश्र ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव पर बावडी वाले बालाजी मंदिर में दोपहर तीन बजे 108 आसनों पर सुन्दरकाण्ड के पाठ का आयोजन होगा। सुबह 6 बजे बालाजी का पंचामृत से अभिषेक कर चोला चढाया जाएगा। इसके बाद विशेष पोशाक के साथ बालाजी की प्रतिमा का फूलों से भव्य श्रृंगार किया जाएगा। इसी प्रकार हनुमान जंयती पर मोरिया वाले बालाजी मंदिर, संकट मोचन हनुमान मंदिर, चिंताहरण हनुमान मंदिर, बूढला बालाजी, छोरिया बालाजी, भातडिया बालाजी, सीन्दरा बालाजी, लुहारा बालाजीधाम मंदिर में आचार्यो के सानिध्य में धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होंगे।

हनुमान जी की ध्वज शोभायात्रा निकाली जायेगी

अलवर। विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल अलवर के अनुरोध पर सर्वहिन्दू समाज अलवर द्वारा शनिवार को भगवान श्री हनुमान जी महाराज की जन्मोत्सव पर विशाल ध्वज शोभायात्रा निकाली जायेगी। विश्व हिन्दू परिषद अलवर नगर मंत्री सुबेसिंह गुर्जर ने बताया कि विशाल ध्वज शोभयात्रा का आयोजन हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी किया जा रहा है जो कि कृषि उपज मण्डी (अनाज मण्डी) स्थित शिव मन्दिर से प्रात: 9 बजे प्रारम्भ होकर मोती डूंगरी पर स्थित श्री हनुमान मन्दिर पर समाप्त होगी तत्पश्चात प्रसाद वितरित किया जायेगा। इस विशाल शोभायात्रा में डीजे. झाकियों के साथ 2000 मोटर साईकलें व 200 चौपहिया वाहनों पर भगवा ध्वज लगाकर शोभायात्रा में सम्मलित होगें।

बाल हनुमानजी का मेला आज

नारायणपुर। कस्बा स्थित चौगान मंदिर वाले प्राचीन बाल हनुमानजी महाराज का मेला 16 अप्रैल को बडी धूमधाम से भरेगा । मेले के दौरान शनिवार सुबह 8 बजे से पुरुषोत्तमदास आश्रम से मुख्य बाजार होते हुए चौगान मंदिर तक ध्वजा व राम दरबार के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी । दोपहर 12 बजे से भण्डारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमे ग्रामीण पंगत प्रसादी ग्रहण करेंगे । कलाकार शास्त्री छोटूराम चनेजा, विक्रम सिंह चंदेला द्वारा दोपहर से नेहडा कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा । शाम को आरती के साथ आतिशबाजी की जायेंगी । रात्रि को स्थानीय कलाकारों के द्वारा भजन-सत्संग का कार्यक्रम किया जायेगा।

रक्तदान शिविर आयोजित

पावटा। स्व. धूणीलाल स्वामी की प्रथम पुण्यतिथी पर उनके बेटे राकेश स्वामी पूर्व प्रदेश सचिव एनएसयूआई द्वारा कस्बे के एस जी एन हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर का आयोजन कर 131 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। राकेश स्वामी ने बताया कि महामारी समय ज्यादातर ब्लड बैंक में रक्त की कमी है और इसके चलते ब्लड बैंक खाली हो गए हैं । इसको लेकर युवाओ ने बडे उत्साह के साथ रक्तदान किया । इस मौके पूर्व जिला पार्षद जगदीश मीणा, सामाजिक कार्यकर्ता निर्मल पंसारी, एस जी एन हॉस्पिटल निदेशक डॉ. जयराम सहित वरिष्ठ कांग्रेसजन व अन्य लोग उपस्थित रहे।

हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में बैंड बाजों के साथ ध्वज यात्रा निकली

किशनगढ़ बास, (निसं)। हनुमान जन्म उत्सव के उपलक्ष्य में पुराना बाजार स्थित हनुमान मंदिर से बैंड बाजों के साथ विशाल झांकी एवं ध्वजा यात्रा शहर में निकाली गई। इस यात्रा का शुभारंभ गणेश जी की पूजा अर्चना कर विधायक दीपचंद खैरिया, पूर्व विधायक रामहेत यादव, चेयरमैन तारामणि सिंघल, समाज सेवी युवा नेता निशांत यादव, प्रधान बद्री प्रसाद सुमन, भाजपा अध्यक्ष उमेश कांत वशिष्ठ पार्षद

- **जगह-जगह हुआ स्वागत, पुलिस बल रहा तैनात**

शिव हरि गुर्जर अनीता रामेश्वर गुप्ता पुष्पा राजेंद्र सिंघल ने झंडी दिखाकर किया रवाना।

पुराना बाजार स्थित हनुमान मंदिर से सायं 6 बजे प्रारंभ हुई भव्य शोभायात्रा मुख्य बाजार, गंज रोड नगर पालिका, जेल के सामने से अलवर रोड तोप सर्किल तिजारा रोड इंदिरा रसोई मेन बाजार होते हुए मंदिर वापस पहुंची। इस दौरान भव्य शोभायात्रा का जगह जगह हनुमान भक्तों ने स्वागत किया और प्रसादी वितरण की। सुरक्षा व्यवस्था को मध्य नजर रखते हुए शोभायात्रा में पुलिस प्रशासन के अधिकारी पुलिस बल के साथ पूरे रास्ते मौजूद रहे। इस मौके पर विधायक दीपचंद खेरिया पूर्व विधायक रामहेत यादव ने हनुमान जयंती की क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा ऐसे धार्मिक आयोजनों से क्षेत्र में आपसी सौहार्द और आपस में भाईचारा बढता है। समाजसेवी निशांत यादव ने भंडारे में देसी घी का प्रसाद वितरण कराए जाने के लिए 4 टीन देसी घी आयोजकों को उपलब्ध कराया। मंदिर पुजारी महंत कालूराम शर्मा ने बताया कि 16 अप्रैल को हनुमान मंदिर पर सुबह 9 बजे हवन होगा इसके उपरांत 12 बजे से भंडारे का आयोजन रखा गया है।

किशनगढ़ बास में हनुमान जयंती के अवसर पर निकाली गई यात्रा में राम दरबार सजाया।

विधायक ने सड़कों का शिलान्यास किया

थानागाजी, (निसं)। नगरपालिका थानागाजी कस्बे के सम्पूर्ण क्षेत्र में सीसी सड़कों का शिलान्यास थानागाजी विधायक कान्ती प्रसाद मीणा ने किया। विधायक कान्ती प्रसाद मीणा के निजी सचिव उपेन्द्र रावल ने बताया कि नगरपालिका थानागाजी कस्बे में 4 करोड़ की लागत से सीसी सड़कों का निर्माण विधायक कान्ती प्रसाद मीणा की अभिशंषा पर करवाया जा रहा है। थानागाजी विधायक ने कहा कि माधोसिंह बाबा के बरामदा मय हॉल एवं शिव बगीची में बरामदा मय हॉल के निर्माण से भक्तजनों को धार्मिक आयोजन करने में स्थान की सुविधा मिलेगी । 4 करोड़ की लागत से बनने वाली सड़कों की गुणवत्ता एवं मोनिटरिंग के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है। विधायक कान्ती प्रसाद मीणा ने कहा की राज्य सरकार की बजट घोषणा 2021-22 की अनुपालना में नगरीय क्षेत्र में 4 करोड़ की लागत से इन सड़कों का निर्माण करवाया जा रहा है। थानागाजी कस्बे की हर गली गली में सीसी सड़कों के निर्माण से थानागाजी कस्बे का कायाकल्प होगा। शिलान्यास कार्यक्रम में नगरपालिका चैयरमैन चौथमल सैनी एवं प्रधान जयप्रकाश प्रजापत, सरपंच संघ अध्यक्ष रामेश्वर दयाल यादव एवं नगरपालिका उपाध्यक्ष सावित्री राजेश शर्मा उपस्थित रहे ।

सार-समाचार

शीतल जल मंदिर की स्थापना की

लालसोट। उपखंड मुख्यालय पर भारत विकास परिषद शाखा लालसोट के तत्वावधान में आरएसईबी कार्यालय कोथुन रोड बस स्टैंड लालसोट पर आने जाने वाले राहगीरों व आमजन की सुविधा को देखते हुए परिषद के प्रथम स्थाई प्रकल्प के रुप में शीतल जल मंदिर की स्थापना की गई है। वाटर कूलर व समस्त उपकरणों के सहयोग कर्ता जगदीश प्रसाद विमल कुमार मंगल बिलोना वालो को जनसेवा की प्रबल मनो भावना के कारण यह कार्य परिणित हो सका। शुक्रवार को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर शीतल जल मंदिर का उद्घाटन रक्षा मिश्रा चेयरमैन नगरपालिका लालसोट एवं एटीओ रामहेत मीणा के द्वारा किया गया। इस दौरान नगर पालिका के पूर्व पालिका अध्यक्ष एवं खादी ग्रामोद्योग समिति के अध्यक्ष दिनेश मिश्रा ने कहा कि सामाजिक सरोकार के कार्य के लिए सभी सामाजिक सस्था समाज के लोगों को आगे आना चाहिए। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष विष्णु अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष विष्णु अग्रवाल सचिव अशोक चौधरी एडवोकेट , कोषाध्यक्ष लोकेंद्र जैन, प्रांतीय चिकित्सा प्रकल्प प्रभारी डॉक्टर भरत शर्मा, सीपी कुशवाहा, प्रमुख पर्यावरण एव पक्षी विद सुभाष पहाडिया, किशन खंडेलवाल, प्रमोद अग्रवाल, हंसराज गोयल, विकास माठा, धर्म चंद गुप्ता , अंजू अग्रवाल ,शिल्पी चौधरी, सीताअग्रवाल, प्रभावती कुशवाहा एवं परिषद के सदस्य मौजूद रहे।

हनुमान जयंती पर निकाली कलशयात्रा

श्रीमाधोपुर। निकटवर्ती गांव ढाल्यावास बालाजी मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव 16 अप्रेल को मनाया जाएगा। हनुमान जन्मोत्सव को लेकर शुक्रवार को बालाजी मंदिर से गांव की महिलाओं ने मंगल गीत गाते हुए कलश यात्रा निकाली। डीजे पर भजनों पर महिलाओं ने नृत्य किया। मंदिर महंत अमृतलाल शर्मा ने बताया कि शनिवार 16 अप्रेल को हनुमान जयंती पर भंडारा प्रसाद का वितरण किया जाएगा। रात को बाहर के गायक कलाकारो भजनों की प्रस्तुति देंगे। इस मौके पर सरपंच कैलाश चंद, केके मंगलम, विजय शर्मा, सांवरमल शर्मा सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

भानु अग्रवाल अध्यक्ष बने

खैरथल। समाजसेवी एडवोकेट भानु अग्रवाल को सर्वसम्मति से लायंस क्लब खैरथल मंडी का अध्यक्ष चुना गया है। क्लब के अध्यक्ष लायन अभिषेक गोयल की अध्यक्षता में लायंस व लियो क्लब की गुरुवार सांय ग्रीनलैंड में हुई साधारण सभा में आगामी वर्ष 2022-23 की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई जिसमें एडवोकेट भानु अग्रवाल को अध्यक्ष तथा सुरेश गुप्ता को कोषाध्यक्ष घोषित किया गया। इसके साथ लियो क्लब के आगामी वर्ष 2022-23 के लिए नरेंद्र गुप्ता को अध्यक्ष बनाया गया। सभी सदस्यों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष का माल्यार्पण व पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

किशोर 5 दिन से लापता

बौंली। स्टेट बैंक शाखा बौंली के सामने रहने वाले रामदयाल रेगर का 12 वर्षीय पुत्र करीब 5 दिन से लापता है इसको लेकर पुलिस थाना बौंली में पीडित ने मामला दर्ज कराया है। थाना प्रभारी श्री किशन मीणा ने बताया कि रामदयाल रेगर निवासी बौंली ने मामला दर्ज करवाते हुए बताया कि मेरा 12 वर्षीय पुत्र महेश कुमार रेगर 10 अप्रैल से लापता है मैंने इस मामले को लेकर सभी रिश्तेदार और मिलने वालों के यहां जानकारी की लेकिन उसके कहीं नहीं मिलने पर बौंली थाने में मामला दर्ज कराया गया है। दर्ज मामले में बताया गया है कि मेरे 12 वर्षीय पुत्र महेश का कद 4 फिट है रंग सांवला है एवं उसने बनियान व पायजामा पहन रखा है पुलिस ने धारा 363 में मामला दर्ज कर जांच हेड कांस्टेबल कमलेश कुमार के सुपुर्द की है।

चलते ट्रक पर गिरा विद्युत पोल

राजगढ़। कस्बे के बस स्टैंड से मां चंडी मार्ग पर शुक्रवार प्रात सड़क पर चलते ट्रक पर अचानक विद्युत पोल गिर जाने से सनसनी फैल गई। लेकिन विद्युत आपूर्ति बंद होने के कारण हादसा टलने पर लोगों ने राहत की सांस ली। विद्युत पोल के क्षतिग्रस्त होने के कारण कस्बे के सिटी सेकंड फेज की विद्युत आपूर्ति करीब 5 घंटे बंद रहने से लोगों को परेशानी का सामना करना पडा। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक में सामान भरकर चालक अपने गंतव्य को जा रहा था तभी अचानक विद्युत पोल चलते ट्रक पर गिर गया। अचानक पोल गिरने से आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल हो गया।

सैन जयंती महोत्सव की तैयारी बैठक

निवाई। सैन जयंती महोत्सव तैयारियां को लेकर समीक्षा बैठक बांके बिहारी मंदिर में आयोजि हुई। क्षौरकार संघ अध्यक्ष चेतन मोरवाल ने बताया कि 27 अप्रैल को सैन जयंती बडे हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया । उन्होंने बताया कि सुबह 9 बजे सैन जी महाराज का ध्वज पूजन किया जाएगा व जुलूस निकाला जाएगा ।

देह व्यापार के मामले में एक महिला व दलाल गिरफ्तार

बहरोड/ मुंडावर, (निसं)। मुंडावर थाना क्षेत्र के ग्राम ऊलाहेडी के पास कंजर बस्ती में अनैतिक देह व्यापार के मामले में कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान भिवाड़ी एसपी के निर्देशन में नीमराणा एडिशनल एसपी व वृताधिकारी के नेतृत्व में कार्यवाही की गई जिसमें एक महिला और पुरुष को गिरफ्तार किया गया।

जिला पुलिस भिवाडी थाना क्षेत्र के मुंडावर थाना क्षेत्र पुलिस ने कार्यवाही करते हुए अनैतिक देह व्यापार का धंधा करते एक महिला और दलाल पुरुष को गिरफ्तार किया। मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए बोगस ग्राहक के माध्यम से अनैतिक देह व्यापार में लिप्त महिला व दलाल ईश्वर सिंह पुत्र टीपूराम गुर्जर निवासी नांगल रानियां थाना मुंडावर को मौके से गिरफ्तार किया तथा दोनों के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई।

हाजीपुर के हनुमान मंदिर में मेला भरा, भक्तों की उमड़ी भीड़

अलवर, (निसं)। बानसूर के हाजीपुर में पहाड़ियों की तलहटी में बने श्री वीर हनुमान जी के मंदिर में पर मेले का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान भवन एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के सदस्य कृष्ण गोपाल कौशिक ने पहुंच कर बालाजी महाराज का आशीर्वाद लिया और ग्रामीणों की ओर से उनका साफा एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया।

इस मौके ग्रामीणों ने विशेष पूजा अर्चना कर क्षेत्र में सुख शांति एवं एवं आपसी भाईचारे को बनाए रखने की कामना की गई। मेले में कुश्ती दंगल व विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। ग्रामीणों ने मेले में पूर्ण धार्मिक आस्था एवं सद्भावना के साथ आस पास के दर्जनों गांवों के लोगों ने बढ चढ़कर हिस्सा लेते हुए मेले का आनंद लिया। इस दौरान बानसूर प्रधान प्रतिनिधि सुभाष यादव, बानसूर पुलिस उपनिरीक्षक मृत्युंजय मिश्रा, हाजीपुर सरपंच रोशनी देवी, पूर्व सरपंच राजेंद्र सिंह, गुलाब सिंह, सुरज्ञानी स्वामी, अभिषेक शर्मा, महेंद्र सैनी, अमित यादव, मोहन लाल यादव, राजेंद्र यादव, विकास कुमावत, नरेश सैनी सहित ग्रामीण और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मेले के दौरान कुश्ती दंगल व भंडारे का आयोजन हुआ।

हनुमान जयन्ती पर निकलेगी शोभायात्रा

सांभरझील। यहां हर वर्ष की भांति सिंघानियों का मौहल्ला स्थित खेडा के बालाजी मण्डल के तत्वाधान में हनुमान जयन्ती पर शनिवार को विशाल शोभायात्रा निकाली जायेगी, मण्डल के सभी पदाधिकारियों की ओर से शुक्रवार को सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

अध्यक्ष राकेश स्वामी ने बताया कि शोभा यात्रा में इस बार ढोल व ताशों को शामिल किया गया है, महिलाओं की ओर से भक्ति गायन की अलग से व्यवस्था की गयी है। हनुमान की शोभा यात्रा में बाहर से विशेष प्रकार के घोडे साथ चलेंगे तथा महापुरूषों के अलावा देवी देवताओं की जीवंत झांकी लोगों के लिये आकर्षण का केन्द्र होगी। शोभा यात्रा के लिये मण्डल के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को शोभा यात्रा के प्रारम्भ से लेकर वापस गंतव्य स्थल पहुंचने तक अलग अलग जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

उनियारा पुलिस उप अधीक्षक शकील अहमद सम्मानित होंगे

चौरु उनियारा, (निसं)। एक ओर जहां पुलिस की कार्यशैली को लेकर लोगों में अलग अलग विचारधारा की सोच बनी हुई है। वहीं कुछ पुलिसकर्मी ऐसे भी हैं जिन्होंने अपनी राजकीय सेवा के दौरान अपने परिवार के साथ अपने पुलिस विभाग का भी मान सम्मान बढाया।

टोंक जिले के उनियारा कस्बे में नियुक्त पुलिस उपअधीक्षक शकील अहमद खान को पुलिस सेवा में उत्कृष्ट कार्य वह व बेदाग राजकीय सेवा पर 16 अप्रैल को राजस्थान पुलिस अकादमी में मुख्यमंत्री राजस्थान द्वारा सम्मानित कर पुलिस पदक प्रदान किया जावेगा। यह पदक 20 वर्ष से अधिक की बेदाग सेवा पर राष्ट्रपति द्वारा उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रदत पुलिस पदक प्रदान किया जाता है। शकील अहमद खान का जन्म दिनांक 30 जनवरी 1974 को हुआ था और उनकी प्रथम नियुक्ति 20 नवंबर 1997 को उपनिरीक्षक के पद पर हुई। उन्होंने इस दौरान जिला टोंक, जयपुर, मुख्यमंत्री निवास आदि स्थानों पर ड्यूटी को अंजाम दिया। वहीं 2008 में निरीक्षक पद पर पदोन्नित के पश्चात मुख्यमंत्री निवास पर सुरक्षा में भी तैनात रहे। साथ ही जिला दौसा में ड्यूटी को अंजाम दिया। वही 22 दिसंबर 2021 से उपाधीक्षक उनियारा जिला टोंक के पद पर लगातार अपनी ड्यूटी वह राजकीय सेवा पर हैं। शकील अहमद खान को कई पदक, स्मृति चिन्ह मिल चुके हैं ।

पुलिस उपअधीक्षक शकील अहमद खान।

विचार गोष्टी का आयोजन

पावटा। शिक्षक प्रकोष्ठ भाजपा द्वारा बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती पर प्रदेश सह संयोजक बाबूलाल रेनवाल के मुख्य आतिथ्य में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जीएल यादव ने राजनीतिक लोकतंत्र एक आदमी एक वोट की विचारधारा पर प्रकाश डाला और लोकतंत्र के आधार के रूप में बंधुत्व ओर समानता की भावना पर विचार रखे। कार्यक्रम में अम्बेडकर के विभिन्न पोस्टर लगाकर उनके कार्यों को दर्शाया गया एवं कोचिंग निदेशक ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ कर सभी को सुनाई ओर आव्हान किया कि सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों में इसको पढ़कर कार्यक्रम की शुरुआत करनी चाहिए। जीएल यादव ने डॉ भीमराव अंबेडकर की जीवनी एवं संविधान निर्माण में भूमिका पर विस्तृत विचार विमर्श किया गया । इस अवसर पर ललित यादव, जी.पी.सी खातोदीया, प्रदीप यादव, महिपाल सिंह, मनोज सिंह, गौरव कुमार सहित अनेक प्रबुद्ध उपस्थित रहे ।

'सामाजिक जनसंवाद एवं जन जागृति कार्यक्रम' आयोजित

किशनगढ़ बास, (निसं)। सैनी समाज 12 गांव सेवा समिति किशनगढ़बास के तत्वावधान में गुरुवार को 'सामाजिक जनसंवाद एवं जन जागृति कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।

समिति उपप्रधान एडवोकेट मुकेश सैनी ने बताया कि राजस्थान प्रदेश में माली, सैनी समाज की 11 सूत्रीय मांगों के संदर्भ में 28 अप्रैल को कंपनी बाग परिसर अलवर में 'सैनी समाज उत्थान महापंचायत' का आयोजन किया जा रहा है। राजस्थान प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष फल सब्जी मंडी यूनियन अभय सैनी(पप्पू भाई प्रधान) अलवर जिला सैनी महासभा अध्यक्ष पूरणमल सैनी, जिला महामंत्री लक्ष्मण सिंह सैनी जिला मंत्री सूबेदार हरभजन सिंह सैनी ने बंबोरा, गंज किशनगढ़, बास खैरथल, पहल, मुंडावर, पालपुर, गादुबास, हरसोली एवं अन्य सैनी समाज की ढाणियों में जन संपर्क करते हुए अधिक से अधिक संख्या में कंपनी बाग अलवर पहुंचने की अपील की। इस अवसर पर उपस्थित विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए पदाधिकारियों ने कहा कि प्रत्येक समाज के साथ-साथ सैनी समाज को भी शैक्षिणक आर्थिक विकास के लिए महात्मा ज्योतिबा फुले कल्याण बोर्ड एवं फाउंडेशन की आवश्यकता है जिससे कि समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं अन्य सरकारी सुविधाएं मिल सकें साथ ही अन्य पिछडा वर्ग में भी जनसंख्या के हिसाब से अलग से आरक्षण का प्रवधान होने पर हम भी हमारा विकास कर सकते हैं साथ ही महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले को भारत रत्न देने की भी मांगों को लेकर बात कही। इस अवसर सैनी समाज 12 गांव प्रधान रामोतार सैनी, बम्बोरा सैनी समाज अध्यक्ष भवानी सैनी गंज सैनी समाज अध्यक्ष मंतूराम सैनी, पूर्व सरपंच बाबूलाल सैनी, उपप्रधान एडवोकेट मुकेश सैनी, खैरथल सैनी समाज अध्यक्ष किशोरी लाल सैनी, महादेव सैनी आदि मौजूद थे।

अग्नि पीड़ितों की सहायता के लिए जमालपुर विकास समिति ने किया सहयोग

अलवर, (निसं)। 4 अप्रैल को लक्ष्मणगढ़ के जमालपुर गांव में बिजली लाइन में फाल्ट होने से लगी आग में तबाह हुए परिवारजनों की मदद हेतु दलित शोषण मुक्ति मंच (डीएसएसएम) से जुड़े प्रोफेसर रतिराम जाटव एवं उनके साथियों की

- **नकद राशि, टीनशेड, पलंग, पंखे एवं बिस्तर आदि उपलब्ध करवाए**

पहल पर गांव के अधिकारी,कर्मचारियों एवं व्यावसाइयों ने मिलकर जमालपुर विकास समिति का गठन किया।

समिति के सदस्यों के प्रयास से राशि एकत्रित कर सभी पीड़ितों के हुए नुकसान का आकलन करके आवश्कता अनुसार नकद राशि, सोने हेतु पलंग, बिस्तर, पंखे, टीनशेड इत्यादि देकर उनको संबल प्रदान किया। डीएसएसएम ने अग्निपीड़ितों की इस फौरी मदद पर खुशी व्यक्त करता है। साथ ही राज्य सरकार से मंच पुन: मांग करता है कि पीड़ितों की समुचित मदद की जाए।

डीएसएसएम प्रदेश सह संयोजक डॉ.रमेश बैरवा ने बताया कि गत 4 अप्रैल को बिजली लाइन में फाल्ट होने से गांव में भयानक आग लग लग गई थी जिससे दलित एवं अल्पसंख्यक समुदाय के लगभग 20 घर पूरी तरह से जलकर राख हो गए। उनके पास सोने के लिए बिस्तर,खाने के लिए अनाज,पशुओं के लिए चारा तक नहीं बचा था। अग्निपीड़ितों की मदद के लिए दलित शोषण मुक्ति मंच की तरफ से 6 अप्रैल को मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन भेजा था। सामाजिक अधिकारिता एवं न्याय मंत्री टीकाराम जूली से भी मंच का प्रतिनिधिमंडल पीड़ितों के साथ 8 अप्रैल को मिला था।

मंत्री जूली ने बिजली विभाग के अधिकारियों को दिए उचित कार्यवाही के निर्देश दिए थे। जिला प्रमुख से भी प्रतिनिधिमंडल मिला। प्रोफेसर रतिराम जाटव ने बताया कि अग्निपीड़ितों की मदद हेतु 10 अप्रैल को विकास समिति का गठन किया गया जिसमे गांव के सभी अधिकारी कर्मचारी एवं बड़े व्यावसायी शामिल किए गए। समिति ने बैठक में भावी रणनीति तय की तथा राज्य सरकार से सहयोग हेतु बिजली विभाग के लापरवाह अधिकारी कर्मचारियों सख्त कार्रवाई नहीं होने पर फिर से प्रशासन से संपर्क करने की रणनीति बनाई।

लक्ष्मणगढ़ के जमालपुर गांव में आग से तबाह हुए परिवारजनों की मदद हेतु दलित शोषण मुक्ति मंच की पहल पर बनाई गई विकास समिति ने पीड़ितों की सहायता की।

श्रुतसागर निलय यात्री निवास का लोकार्पण

निवाई, (निसं)। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य इन्द्रनन्दी महाराज मुनि क्षमानन्दी महाराज एवं आर्यिका श्रुतमति माताजी के सानिध्य में पार्श्वनाथ उद्यान पर श्रुतसागर निलय यात्री निवास का लोकार्पण एवं भामाशाह का सम्मान

- **यात्री निवास के निर्माण में सहयोगी भामाशाहों का सम्मान किया**

समारोह का आयोजन हुआ।

जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला व राकेश संघी ने बताया कि आचार्य इन्द्रनन्दी एवं गुरुमाता श्रुतमति माताजी के मंगल सानिध्य व आशीर्वाद से समाजसेवी धर्मचन्द, दिनेश कुमार, राकेश कुमार, अनिल कुमार जैन चंवरिया एवं समाज के लोगों ने विधिवत श्रुतसागर निलय यात्री निवास का लोकार्पण किया। आचार्य इन्द्र नन्दी का संदेश- लोकार्पण समारोह पर आचार्य श्री ने कहा कि इस युग में परमाणु नहीं अणुव्रतों की आवश्यकता है। सत्य अहिंसा व सेवा का भाव मन में रखें, हम ऐसे कार्य करें जिससे किसी को कोई दुख नहीं पहुंचे एवं नुकसान न हो । आचार्यश्री ने संयम संतोष रखने पर जोर दिया।

श्रुतसागर निलय यात्री निवास निर्माण के लोकार्पण में सहयोग करने पर जैन समाज ने भामाशाह समाजसेवी धर्मचन्द जैन दिनेश कुमार राकेश कुमार अनिल कुमार जैन चंवरिया का साफा माला पहनाकर सम्मान किया।

निवाई में जैन नसिया परिसर में नवनिर्मित यात्री निवास का भामाशाह परिवार ने लोकार्पण किया।

संक्षिप्त

डॉ.गुनसारिया सम्मानित

टोंक। डॉ अम्बेडकर वेलफेयर सोसायटी राजस्थान जयपुर के तत्वावधान में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर एसोसिएट प्रोफेसर केमिस्ट्री डॉ. आर के गुनसारिया डॉ. अम्बेडकर सम्मान मैडल से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, महिला बाल विकास एवं आयोजन विभाग मंत्री ममता भूपेश बैरवा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री टीकाराम जूली, सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री भजनलाल जाटव व डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान के अध्यक्ष डॉ. भजनलाल रोलन, कोषाध्यक्ष रामसहाय वर्मा, अनिल गोठवाल की उपस्थिति में सम्मानित किया गया।

राजपूत सभा चुनाव 17 अप्रैल को

चाकसू, (निसं)। आगामी 17 अप्रैल को श्री राजपूत सभा में चुनाव होने जा रहे हैं जिसमें अध्यक्ष प्रत्याशी के रूप में क्षेत्रीय निवासी रामसिंह चंदलाई एवं कार्यकारिणी के विभिन्न पदों के लिए उपाध्यक्ष प्रताप सिंह राणावत, महामंत्री पद बलवीर सिंह हाथोज, संगठन मंत्री धीर सिंह शेखावत, सह मंत्री मोहन सिंह बगड, कोषाध्यक्ष प्रदुमन सिंह मूंडरू और 15 कार्यकारिणी सदस्य अजयपाल सिंह पचकोडिया, अजयवीर सिंह जीरोता, गजराज सिंह कैलाई, जोगेंद्र सिंह सावरदा, जितेंद्र सिंह शेखावत, नटवर पुथ्वी सिंह कालीपहाडी, मूल सिंह शेखावत, महेंद्र सिंह भवरथला, लोकेंद्र सिंह लोटवाडा, वीरेंद्र पाल सिंह, सरवन सिंह चौहान लवाण, सुरेंद्र सिंह नरूका, हेमेंद्र कुमारी दूदू ,हर्षवर्धन सिंह शेखावत चुनाव लड रहे हैं।

बनवारीलाल उपप्रधान मनोनीत

कोटपूतली। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा द्वारा कोटपूतली निवासी बनवारीलाल जांगिड़ को महासभा का राष्ट्रीय उपप्रधान मनोनीत किया है। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा दिल्ली के प्रधान रामपाल जांगिड़ ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने कोटपूतली क्षेत्र निवासी बनवारीलाल जांगिड़ को राष्ट्रीय उपप्रधान, मामराज जांगिड़ को संगठन मंत्री व कोटपूतली निवासी विनोद कुमार जांगिड़ को भी संगठन मंत्री मनोनीत करते हुए उन्हे कार्यभार सौंपा।

अवैध बजरी से भरे दो ट्रैक्टर जब्त

निवाई। बरोनी थाना पुलिस ने शुक्रवार को अवैध बजरी से भरे दो ट्रेक्टर-ट्रोली जब्त किए हैं। बरोनी थानाधिकारी जगदीश मीणा ने बताया कि शुक्रवार को गश्त के दौरान मंडावर से नटवाडा रोड पर दो ट्रैक्टर नदी से अवैध बजरी भरकर आते हुए नजर आए। पुलिस को देखकर चालक ट्रेक्टरों को छोडकर फरार हो गए। ट्रैक्टरों में अवैध बजरी भरी होने पर पुलिस ने जब्त कर लिया और थाने लाकर खडा करवा दिया।

विषाक्त पदार्थ खाने से युवक बेहोश

कोटपूतली। ग्राम कारौली निवासी एक युवक के विषाक्त पदार्थ खा लेने से बेहोश हो जाने पर चिकित्सकों ने उसे जयपुर रैफर कर दिया। पुलिस ने बताया कि युवक के परिवारजनों के बताये अनुसार ग्राम कारौली निवासी अर्जुन पुत्र ओमप्रकाश सिंह राजपूत ने गांव में ही विषाक्त पदार्थ खा लिया। जिसे बेहोशी की हालत में बीडीएम अस्पताल लेकर आये। जहां से उसे जयपुर रैफर कर दिया।

नारायणपुर में पानी की किल्लत से आमजन परेशान

नारायणपुर, (निसं)। गर्मी की शुरुआत होते ही कस्बे में इन दिनों जलदाय विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों की लापरवाही के चलते वार्ड 13 के खोड मोहल्ला में काफी समय से आमजनों को पीने के पानी की बूंद-बूंद को तरसना पड़ रहा है।

महिला बसंती, मनभरी, धोली, मेवा ने बताया कि जलदाय विभाग की पाइप लाइन में करीब 70 नल कनेक्शन हैं, जलदाय विभाग के स्थानीय स्टाफ की लापरवाही के चलते करीब 10 कनेक्शनों में ही पानी आता है। इससे मोहल्ले की महिलाओं

- आक्रोशित महिलाओं ने प्रदर्शन की चेतावनी दी

को पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है । महिलाओं ने बताया कि फिलहाल मोहल्ले में एक सिंगल फेस बोरिंग है, इसमे भी आधा घंटा बंद करने के बाद 2 बाल्टी पानी आता है।

इससे दिनभर महिलाएं तेज चिलचिलाती धूप में खडी होकर अपनी बारी का इंतजार करती रहती है। हद तो

नारायणपुर में सिंगल फेस बोरिंग पर पानी भरने के लिए महिलाओं की लम्बी लाइन में लगी।

यह है कि लोग बार-बार ग्राम पंचायत सरपंच, जलदाय विभाग अधिकारीयों से समस्या समाधान की गुहार कर रहे हैं इसके बावजूद उनकी सुद नहीं ली जा रही है। इससे मोहल्ले की महिलाओं में सरपंच, जलदाय विभाग के प्रति रोष बना हुआ है। आक्रोशित महिलाओं ने जलदाय विभाग को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर विभाग द्वारा एक सप्ताह में पेयजल समस्या का समाधान नहीं किया गया तो महिलाओं द्वारा जलदाय कार्यालय का घेराव कर मटका फोड़ प्रदर्शन किया जायेंगा।

इधर एईएन युवराज सैनी ने बताया कि पेयजल समस्या का जल्द समाधान कर दिया जायेगा। इस मौके पर समाजसेवी राकेश दायमा, सुंदर मीणा, छाजी देवी, अनीता, कश्मीरा, कृष्णा, पूजा, कमलेश, रामा, उगंता, लीली, मेनका, रेखा, निर्मला, दीया सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थी ।

दिव्यांग विद्यार्थियों व अभिभावकों का काउंसिलिंग शिविर सम्पन्न

कोटपूतली। कस्बे के मौहल्ला बड़ाबास स्थित श्री अमर कृष्ण शिक्षण संस्थान में दिव्यांग विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का काउसलिंग शिविर सम्पन हुआ।

संस्थान के अध्यक्ष अंशुमान शर्मा ने बताया कि शिविर में 67 दिव्यांग विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने भाग लिया। दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ 25 वर्ष से विशेष शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही वरिष्ठ काउंसलर मालती शर्मा ने दिव्यांग बालक-बालिकाओं की शिक्षा पद्धति, व्यवहारिक समस्याओं, रहन-सहन, खान-पान व उनकी विशेष आवश्यकताओं पर जानकारी दी तथा उन्होंने प्रत्येक दिव्यांग की कैटेगरी के अनुसार शिक्षण की विधियों के बारे में बताया। संस्थान के अध्यक्ष अनशुमान शर्मा ने दिव्यांग विद्यार्थियों को केन्द्र सरकार व राज्य सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। संस्थान के उपाध्यक्ष अमन भार्गव ने कहा कि दिव्यांग बालकों की सेवा व सहायता करना प्रभु की सेवा के समान है। अध्यक्ष शर्मा, उपाध्यक्ष भार्गव द्वारा दिव्यांग विधार्थियो की शिक्षा हेतू 50 हजार रूपये राशी के उपकरण उपलब्ध करवाने की घोषणा की। निजी विधालय संगठन के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद मिश्रा ने सभी अभिभावको व संस्था के पदाधिकारियो का आभार व्यक्त किया।

सार-समाचार

शोभायात्रा में गूंजे हनुमान के जयकारे

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा किला धाम स्थित श्री हनुमान मंदिर बजरंग मेला कमेटी किला धाम के तत्वावधान में श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का कस्बे के मुख्य मार्गों में पुष्पवर्षा के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर मंदिर कमेटी के सदस्यों ने बताया कि शोभायात्रा किला धाम हनुमान मंदिर के प्रांगण से चलकर घंटाघर चौक से होते हुए मुख्य मार्गों से होते हुए वापस मंदिर प्रांगण पहुंची। इस दौरान शोभायात्रा के साथ चल रहे श्रद्धालुओं ने बालाजी के भजन का गुणगान किया गया, जिससे हनुमान जी के जयघोष से शहर गूंजायमान हो गया। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा में भगवान हनुमान जी की झांकी, भगवान श्रीराम राम की झांकी, माता जी की झांकी, लव-कुश की झांकी व अन्य झांकियां आकर्षण का केंद्र रही, जबकि आसमान में आतिशबाजी का नजारा देखने योग्य रहा। उन्होंने बताया कि आज रात को मंदिर में रात्रि में जागरण के लिए सिसोदिया म्युजिकल ग्रुप किशनगढ़ बास द्वारा विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा। वही 16 अप्रैल को सुबह हवन का आयोजन किया जाएगा, जिसके उपरांत हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाएगा और सामूहिक आरती की जाएगी। शाम को विशाल मेले व कुश्ती दंगल का आयोजन किया जायेगा।

युवाओं की अनूठी पहल, शुरू की प्याऊ

चाकसू, (निसं)। कस्बे के सेवाभावी नव युवकों ने एक अनूठी पहल करते हुए अपने निजी खर्चे पर कस्बे के प्रमुख स्थानों पर आमजन को भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए ठंडे पानी की प्याऊ लगाई है जो गर्मी के मौसम में लोगों को राहत दे रही है। सेवाभावी नवयुवकों ने बताया कि नर सेवा ही नारायण सेवा और किसी के दिल से निकला आशीर्वाद आपके खुशियां दे सकता है को धेय मानकर स्थानीय युवकों ने मिलकर कस्बे में सेवार्थ फाउंडेशन की शुरुआत की है जिसमें किसी भी प्रकार का पद वगैरह का गठन नहीं किया गया है केवल लोगों की सेवा के लिए फाउंडेशन शुरू किया गया है जो गर्मी के मौसम 3 महीनों तक पिछले 4 वर्षों से कस्बे के विभिन्न स्थानों पर ठंडे पानी की प्याऊ लगाकर लोगों को राहत दे रही है। कार्यकर्ताओं ने बताया कि वर्ष भी कस्बे के कोटखावदा मोड़ स्थित अंबेडकर सर्किल फागी मोड एवं शीतला माता बस स्टैंड पर गुलाब जल के साथ ठंडे पानी की प्याऊ लगाकर आमजन एवं राहगीरों की प्यास बुझा कर गर्मी से राहत दे रहा है। जहां प्रात: 9 बजे से रात्रि 8 बजे तक लोगों को पानी पिलाया जाएगा।

ड्रग्स एक्ट की जानकारी दी

कोटपूतली। कोटपूतली व पावटा दवा संगठन की एक बैठक हाईवे स्थित एक निजी होटल में आयोजित हुई। जिसमें अधिकारियों द्वारा ड्रग्स एक्ट की विस्तार से जानकारी दी। संगठन के पदाधिकारी घनश्याम आथोनिया व सुनील शर्मा ने बताया कि ड्रग डिपार्टमेंट के अधिकारी महेंद्र सिंह शेखावत, एडीसी अरुणा मीणा, मुकेश चौधरी, रामप्रसाद कुमावत, कमल किशोर गुप्ता व अशोक गोयल के नेतृत्व में स्वागत किया गया। साथ ही सभी दवा व्यापारियों ने शपथ ली की वे बिना बिल की दवाइयां ना क्रय-विक्रय करेंगे तथा ना ही नशे से संबंधित दवाइयों का व्यापार करेंगे। कार्यक्रम में कोटपूतली, पावटा के केमिस्ट बडी संख्या में पहुंचे। इस मौके पर दिनेश, गोपाल, सुभाष, संजय, घनश्याम कसाना, अशोक शर्मा, भारत बंसल, महेंद्र गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता, महासिंह, ज्योति स्वरूप, अनिल मंगल, अशोक चौधरी, मुकेश बंसल, मनोज कुमार, बजरंगलाल आदि केमिस्ट उपस्थित थे।

स्वैच्छिक रक्तदान किया

कोटपूतली। भाजपा नेता मुकेश गोयल की पहल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर 2015 से शुरू हुआ रक्तमणि कार्यक्रम 2406 दिनों से लगातार जारी है। रक्तमणि अभियान में शुक्रवार को स्थानीय कृष्णा अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में विकास सोनी पुत्र महेश चन्द सोनी निवासी मौहल्ला सराय ने सोनी अस्पताल जयपुर में भर्ती मरीज बाबूलाल योगी को एबी नेगेटिव रक्त की आवश्यकता पडने पर स्वैच्छिक रक्तदान किया एवं हनुमान प्रसाद कसाना पुत्र हरदान कसाना निवासी ग्राम सुन्दरपुरा, देवेन्द्र यादव पुत्र राजकुमार यादव निवासी आदर्श नगर कोटपूतली तथा पिन्टू सैनी पुत्र लालाराम सैनी निवासी कोटपूतली ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस अवसर पर रक्तमणि संयोजक मुकेश गोयल, आशुतोष बंसल (शेरू), विकास जांगल, हरिद्वारी जांगिड़ उपस्थित रहे।

भगवान महावीर स्वामी का जन्मकल्याणक मनाया

फुलेरा। फुलेरा कस्बे में श्री दिगम्बर जैन समाज द्वारा भगवान महावीर स्वामी का जन्मकल्याणक बडे ही धूमधाम से मनाया गया। समाजसेवी कमोद छाबडा ने बताया कि इस अवसर पर प्रात: 5 बजे प्रभातफेरी के बाद भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा पूरे नगर का भ्रमण करते हुए श्री आदिनाथ जिनालय पहुंची। इस दौरान जगह-जगह भगवान की आरती की गई तथा श्रीफल भेंट किये गए। वहीं मन्दिर में भगवान के कलशाभिषेक किया गया तथा माला की बोली सुबोध कुमार, कमोद कुमार व नरेश कुमार छाबडा ने ली। साथ ही दोपहर जोबनेर रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ नसियां जी पर श्री दिगम्बर जैन नवयुवक मंडल के तत्वावधान में छोटे बालक-बालिकाओं की खेल-कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। तत्पश्चात जिनेन्द्र भगवान के अभिषेक हुए। सायंकाल श्री आदिनाथ जिनालय में महाआरती का आयोजन किया गया।

नाकाबंदी लगा पुलिस ने 50 वाहनों के चालान काटे

मालपुरा, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के निर्देशों पर एएसपी राकेश कुमार बैरवा एवं डीवाईएसपी सुशील मान के आदेशों पर थानाधिकारी कैलाश विश्नोई के निर्देशन में एसआई रतन सिंह तंवर ने पुलिस टीम के साथ अजमेर रोड के चौराहे पर नाकाबंदी लगा यातायात नियमों का

- अवैध शराब परिवहन करते दो जनों को गिरफ्तार किया

उल्लघंन कर रहे 50 वाहनों के चालान काट जूर्माना राशि वसूली तो वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन किये जाने की समझाईश भी की गई।

टोडारायसिंह थाना पुलिस ने नांकाबंदी कर अवैध शराब का परिवहन करते दो लोगों को गिरफ्तार कर दो पेटी देशी शराब की जब्त की। थानाधिकारी बृजेश कुमार ने बताया कि जिला पुलिस अधिक्षक के आदेशानुसार अवैध शराब परिवहन रोकथाम को लेकर एसआई हेमराज द्वारा पुलिस टीम के साथ की गई नांकाबंदी व मुखबीर की सुचना पर दो अलग-अलग जगह पर कार्यवाही करते हुए अवैध शराब परिवहन करते रामप्रसाद खटीक निवासी पनवाडा थाना देवली व कन्हैयालाल खटीक निवासी वार्ड न. 13 टोडारायसिंह को गिरफतार कर दो पेटी अवैध देशी शराब की जप्त कर आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

मालपुरा थाना पुलिस ने नाकाबंदी लगा लापरवाह वाहन चालको के चालान काटे।

संगोष्ठी का आयोजन

चाकसू, (निसं)। आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय सभागार में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सामाजिक सद्भाव संगोष्ठी का आयोजन किया।

संगोष्ठी में सर्व समाज के 30 अध्यक्ष, समाजसेवी प्रबुद्ध नागरिक ने भाग लिया एवं स्वयं के समाज के साथ सर्वसमाज उत्थान और विकास के लिये एक दूसरे का क्या सहयोग हो सकता है इसके लिए विचार विमर्श एवं सुझाव दिए और अब तक जो समाज में सुधार के कार्य हुए हैं उनके ऊपर प्रकाश डाला एवं समय समय पर इस तरह की संगोष्ठी का आयोजन करते रहने पर सहमति व्यक्त की। संगोष्ठी में संघ के सांगानेर विभाग सम्पर्क प्रमुख राजीव चौहान ने बताया कि हिन्दू समाज के विभिन्न समुदायों में परस्पर संवाद, समन्वय एवं सहयोग की वर्तमान परिस्थितियों में बहुत आवश्यकता है इसके लिए हम सभी को अपना अपना दायित्व निभाना होगा। मुख्य अतिथि के रूप में जूना अखाड़ा गणेशपुरी धाम चाकसू के महंत राजेन्द्रपूरी महाराज ने कहा कि हिन्दू समाज के संगठन एवं एकता की आवश्यकता है।

नई शिक्षा नीति को लेकर कार्यशाला जारी

फुलेरा। कस्बे की बालाजी रोड स्थित माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर पर विद्या भारती संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन विषय पर आधारित प्रांत स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षक की 5 दिवसीय कार्यशाला में गुरुवार को विद्या भारती राजस्थान के संगठन मंत्री शिव प्रसाद ने प्रेसवार्ता में बताया कि शिक्षा पूर्ण मानव क्षमता को प्राप्त करने और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना, वैश्विक मंच पर सामाजिक न्याय और समानता, वैज्ञानिक उन्नित, राष्ट्रीय एकीकरण और सांस्कृतिक संरक्षण के संदर्भ में भारत की सतत प्रगति और आर्थिक विकास की पूंजी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इक्कीसवीं शताब्दी की पहली शिक्षा नीति है। जिसका लक्ष्य हमारे देश के विकास के लिए अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करना है यह नीति भारत की परंपरा और सांस्कृतिक

- 'शिक्षा पूर्ण मानव क्षमता को प्राप्त करने और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक'

मूल्यों के आधार को यथावत रखते हुए 21 वीं सदी की शिक्षा के लिए आकांक्षात्मक लक्ष्यों का निर्धारण करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में विद्या भारती प्रभावी ढंग से प्रयास कर रही है। मातृभाषा में शिक्षा को विद्या भारती में सर्वोपरि माना गया है। इस कार्यशाला में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की शिक्षण विधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस मौके पर आदर्श विद्या मंदिर प्रबंध समिति अध्यक्ष दिनेश शर्मा, प्रधानाचार्य विनोद कुमार कुमावत, रामपाल प्रजापति सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

लैब टेक्नीशियन दिवस मनाया

टोंक। सआदत अस्पताल टोंक में जकरियां जैनसन की याद में विश्व लेब टेक्नीशियन दिवस मनाया गया। इस अवसर जिला स्तरीय समारोह में समस्त लैब लेक्नीशियन ने अपना कार्य पूरी समर्पण भावना से करने एवं मरीज को समय पर सटीक जांच देने का संकल्प लिया। क्योकि जांच ही मरीज का इलाज का निर्धारण करती है। इस अवसर पर मरीजों को केले वितरित किए।

समारोह में उपनियंत्रक डॉ. चेतन जैन, नर्सिंग अधीक्षक रामस्वरुप सैनी ने कोरोना महामारी में लेब टेक्नीशियन द्वारा किए गए कोविड सैम्पलिंग व टेस्टिंग कार्य की सराहना की। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष भंवरलाल जाट, पूर्व जिलाध्यक्ष पूरणमल कादी, जिला मंत्री ओमप्रकाश बैरवा, मीडिया प्रभारी अजय मेहरा, विपिन जैन, मदनलाल बैरवा, रामकिशोर बैरवा, हंसराज यादव, बसंत कोठारी, सीताराम बैरवा, सुमेरसिंह, मनीष शर्मा आदि लेब टेक्नीशियन ने संबोधित कर बधाई दी।

राठौड़ के जन्मदिन पर कई कार्यक्रम होंगे

पावटा, (निसं)। राजस्थान विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं विधायक राजेंद्र सिंह राठौड के जन्मदिन के उपलक्ष्य में शनिवार को पावटा पूर्व सरपंच प्रतिनिधि गोपाल अग्रवाल के नेतृत्व में होटल होली डे फन में भव्य स्वागत कार्यक्रम व विशाल बाईक रैली का आयोजन किया जायेगा।

- स्वागत कार्यक्रम, विशाल बाइक रैली व रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा

गोपाल अग्रवाल ने बताया कि राठौड के जन्मदिवस पर होटल होली डे फन में भव्य स्वागत कार्यक्रम के साथ केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया जायेगा। वहीं स्वागत कार्यक्रम के बाद होटल होली डे फन से विशाल बाइक रैली के साथ राठौड पावटा भूमिका प्लाजा स्थित एस जी एन हॉस्पिटल में पहुंचेगे जहां सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए भाजपा पूर्व प्रदेश महामंत्री कुलदीप धनकड ने बताया कि राजस्थान विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं विधायक राजेंद्र सिंह राठौड का भव्य स्वागत के साथ पावटा भूमिका प्लाज़ा स्थित एस जी एन हॉस्पिटल में विशाल रक्त दान शिविर का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि राजेंद्र सिंह राठौड शेखावाटी ही नहीं राजस्थान के सर्वमान्य और युवाओं के मार्गदर्शक नेता के रूप में विख्यात हैं उनके जन्मदिवस पर रक्तदान का शिविर आयोजित कर रक्तदान के प्रति युवाओं को एक सार्थक सन्देश देना है कि रक्तदान जीवनदान है।

साम्प्रदायिकता भड़काने वालों के खिलाफ कार्यवाही की मांग

टोंक, (निसं)। मुस्लिम समाज के लोगों ने साम्प्रदायिकता भड़काने वालों के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर प्रतिनिधि तहसील टोंक रजिस्ट्रार प्रहलादसिंह को ज्ञापन दिया।

अकरम खान, राशिद खान, मो. आरिफ, लियाकत, इमरान, इमरान, फैजान, समीर, नवेद खान, अरबाज आदि ने राष्ट्रपति के नाम दिए ज्ञापन में गुजरात, झारखंड, मध्यप्रदेश, बिहार, पश्चिमबंगाल में रामनवमी के जुलूस के दौरान हुई हिंसा को लेकर ध्यान दिलाते हुए बताया कि ऐसा लगा रहा था कि कुछ वर्गों द्वारा धार्मिक आयोजनों को हिंसक बनाने के लिए ठोस सामूहिक प्रयास किए गए थे। जबकि देश में सैंकड़ों विभिन्न प्रकार के धार्मिक आयोजन और त्यौहार नियमित रुप से शांतिपूर्वक सम्पन्न होते हैं। परंपरागत रुप से ऐसे आयोजनों को समुदायों के बीच

टोंक में मुस्लिम समाज के लोगों ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर प्रतिनिधि प्रहलादसिंह को ज्ञापन दिया।

सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने के अवसरों के रुप में देखा जाता था। देश के कई हिस्सो में साम्प्रदायिक कट्टरपंथी त्यौहारोक का दुरुपयोग कर अन्य समुदायों के खिलाफ नफरत और हिंसा फैलाने का काम कर रहे है। रामनवमी उत्सव जुलूसो के दौरान में देश में मुस्लिम समुदाय के खिलाफ

- मुस्लिम समाज के लोगों ने प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन

व्यापक उकसावे, हिंसा और विनाश देखा गया।

राजस्थान, मध्यप्रदेश की घटनाओं में मस्जिदों, घरों और मुसलमानों की सम्पतियों पर हमला किया गया और उन्हें तबाह कर दिया। इन घटनाओं में से अधिकतर को जरुरी सावधानियों और पुलिस व अधिकारियों के समय पर हस्तक्षेप से टाला जा सकता था, पर ऐसा नहीं हुआ। घटनाओं के बाद पुलिस की कार्यवाही अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव पूर्ण है। उन्होंने मांग की है कि ऐसे भडकाने वालों और सदभाव को बिगाडने वालों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

एक किलो अफीम बरामद, दो गिरफ्तार, कार जब्त

निवाई। डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम व बरोनी थाना पुलिस ने शुक्रवार की दोपहर नेशनल हाईवे पर पहाडी कट के समीप से एक किलो अफीम के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर कार भी जप्त की है।

बरोनी थानाधिकारी जगदीश मीणा ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम के प्रभारी उदयवीर सिंह के साथ पुलिस ने गश्त के दौरान पहाडी कट पर जयपुर की ओर से आ रही सफेद रंग की कार को रूकवाया। कार में सवार लोगों से पुलिस ने पूछताछ की लेकिन दोनों ने कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। इस पर पुलिस ने कार की तलाशी ली। तलाशी के दौरान एक किलो अफीम बरामद हुई। उन्होंने बताया कि अफीम का बाजार मूल्य करीब पांच लाख है। थानाधिकारी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में शंकरलाल जाट निवासी तामडिया चाकसू व बाबूलाल जाट निवासी सूरतरामपुरा दत्तवास निवाई को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्हें अफीम का पैकेट जयपुर में किसी ने दिया था।

स्कूल में चिल्ड्रन पार्क बनवाने पर भामाशाह का अभिनन्दन

सांभरझील, (निसं)। डॉ. जगदीश नारायण व राजेश जाजू द्वारा अपने माता पिता की पुण्यस्मृति में दरबार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) में चिल्ड्रन पार्क का निर्माण करवाकर स्कूल प्रशासन को भेंट करने के उपलक्ष में उनका जोरदार अभिनन्दन किया गया।

बताया जा रहा है कि इसके निर्माण पर करीब दो लाख रूपये खर्च हुये हैं। इस स्कूल में पढने वाले सैंकडों विद्यार्थियों को इसका प्रत्यक्ष रूप से फायदा मिलेगा। इससे पहले यह व्यवस्था यहां पर नहीं थी, लेकिन उक्त भामाशाहों से स्कूल प्रशासन की ओर से आग्रह कर इस कमी को दूर करवाये जाने का खास अनुरोध किया गया था। बता दें कि सांभर निवासी डॉ. जाजू वर्तमान में इंग्लेण्ड में अपनी सेवायें दे रहे है। स्कूल में इस पार्क बनने के बाद बच्चे अब खेल का आनन्द भी ले सकेंगे और उनका शारीरिक विकास भी तेजी से बढेगा। इस अवसर पर उपखण्ड

सांभर में भामाशाह की ओर से पार्क बनवाये जाने पर स्कूल प्रशासन की ओर से उनका अभिनन्दन किया गया।

अधिकारी प्रकाशचन्द रैगर ने फीता काटकर बाल उद्यान का उद्घाटन किया। भामाशाह परिवार का सम्मान किया गया। इस मौके पर सीएचसी प्रभारी डॉ. महेश वर्मा, गर्ल्स स्कूल की प्रधानाचार्या उर्मिला वर्मा, नगर कांग्रेस एरिया कमेटी के महामंत्री नाथूलाल गट्टानी, आरएसएस के मनीष सूंठवाल, नेता प्रतिपक्ष अनिल गट्टानी, बृजकिशोर शर्मा, भाजपा मण्डल अध्यक्ष जितेन्द्र डांगरा, सुशील गट्टानी, एनएसयूआई के पदाधिकारी ललित मांधना, अमित शर्मा, मुंशी मण्डल के पूर्व अध्यक्ष गोविन्द मांधना, व्याख्याता प्रतिभा सैनी, ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष कमल शुक्ला, सहित अनेक गणमान्य लोगों व स्कूल स्टॉफ की मौजूदगी रही।

जैसा कि आपने नीलामी में देखा, हम अगले तीन-चार वर्षों के लिये इस टीम को तैयार कर रहे हैं, अगले कुछ वर्षों में आपको इस टीम से कुछ शानदार खिलाड़ी देखने को मिलेंगे।

- सूर्य कुमार यादव

मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज, मुंबई इंडियंस के प्रदर्शन पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मिताली राज

भारत की टेस्ट और वनडे कप्तान मिताली राज के अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर अटकलों का दौर जारी है लेकिन वह 18 अप्रैल से शुरू होने वाली महिला सीनियर टी20 ट्राफी में रेलवे का प्रतिनिधित्व करेंगी जो महिला विश्व कप के बाद उनकी पहली प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिता होगी। पिछले महीने न्यूजीलैंड में भारतीय टीम के विश्व कप के शुरूआती चरण में बाहर होने के बाद मिताली और झूलन गोस्वामी का भविष्य चर्चा का विर्षय बना हुआ है। झूलन जहां विश्व कप के दौरान लगी चोट से उबर रही हैं तो मिताली रेलवे की टीम में अगली पीढ़ी की खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगी।

क्या आप जानते हैं ?... ओलंपिक में सफेद रंग के झंडे में पांच छल्ले होते हैं। नीले, पीले, काले, हरे और लाल रंग के ये छल्ले दुनिया के पांच महाद्वीपों के प्रतीक है।

राहुल और मारक्रम के अर्द्धशतकों से हैदराबाद की जीत की हैट्रिक

कोलकाता नाईट राइडर्स को सात विकेट से हराया

मुंबई, 15 अप्रैल। राहुल त्रिपाठी (71) और एडन मारक्रम (नाबाद 68) की विस्फोटक अर्धशतकीय पारियों से सनराइजर्स हैदराबाद ने कोलकाता नाइट राइडर्स को शुक्रवार को यहां 2022 आईपीएल के 25वें मैच में एकतरफा अंदाज में सात विकेट से करारी शिकस्त टूर्नामेंट में जीत की हैट्रिक पूरी की।

कोलकाता ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 175 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया जबकि हैदराबाद ने 13 गेंद शेष रहते 17.5 ओवर में तीन विकेट पर 176 रन बनाकर पांच मैचों में लगातार तीसरी जीत हासिल की जबकि कोलकाता को छह मैचों में तीसरी हार का सामना करना पड़ा। राहुल ने 37 गेंदों पर 71 रन में चार चौके और छह छक्के लगाए। मारक्रम ने 36 गेंदों पर नाबाद 68 रन में छह चौके और चार छक्के लगाए।

बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए हैदराबाद ने अभिषेक शर्मा और कप्तान केन विलियम्सन के विकेट पॉवरप्ले में गंवा दिए। अभिषेक ने तीन और विलियम्सन ने 17 रन बनाये। दो विकेट 39 रन पर गिरने के बाद राहुल त्रिपाठी ने मोर्चा संभाला। राहुल ने

कोलकाता के मिस्ट्री स्पिनरों को नहीं बख्शा। राहुल ने वरुण चक्रवर्ती के ओवर में दो छक्कों सहित 18 रन बटोरे। उन्होंने सुनील नारायण के ओवर में छक्का जड़ने सहित कुल 10 रन बटोरे। 13 ओवर में हैदराबाद का स्कोर दो विकेट पर 113 रन हो गया। राहुल की तरह एडन मारक्रम ने भी हाथ खोलते हुए उमेश यादव के पारी के 14वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर तीन चौके मारे।

स्कोर बोर्ड

केकेआर	रन	गेंद	4	6
वेंकटेश अय्यर बो नटराजन	6	13	1	0
आरोन फिंच का पूरन बो जानसेन	7	5	0	1
श्रेयस अय्यर बो मलिक	28	25	3	0
सुनील नारायण का शशांक बो नटराजन	6	2	0	1
नीतिश राणा का पूरन बो नटराजन	54	36	6	2
शेल्डन जैकसन का नटराजन बो मलिक	7	7	0	1
आंद्रे रसेल नाबाद	49	25	4	4
पैट कमिंस का जानसेन बो कुमार	3	3	0	0
अमन हकीम खान बो सुचित	5	3	1	0
उमेश यादव नाबाद	1	1	0	0
अतिरिक्त :	9 रन			
कुल : 20 ओवर में आठ विकेट पर 175 रन				

विकेट पतन : 1-11, 2-25, 3-31, 4-70, 5-103, 6-142, 7-153, 8-158

गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-37-1, जानसेन 4-0-26-1, नटराजन 4-0-37-3, मलिक 4-0-27-2, शशांक 1-0-10-0, सुचित 3-0-32-1

सनराईजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
अभिषेक बो कमिंस	3	10	0	0
केन बो रसेल	17	16	3	0
राहुल का अय्यर बो रसेल	71	37	4	8
मार्कराम नाबाद	68	36	6	4
निकोलस नाबाद	5	8	9	9
अतिरिक्त :	12			
कुल : 17.5 ओवर में 3 विकेट पर 176 रन				

विकेट पतन : 1-3, 2-39, 3-133

गेंदबाजी : उमेश यादव 4-0-31-0, पैट कमिंस 3.5-0-40-1, आंद्रे 2-0-20-2, अमन खान 1-0-13-0, वरुण चक्रवर्ती 3-0-45-0, सुनील नरेन 4-0-23-0

भारत ने लगातार दूसरी बार जर्मनी को रौंदा, 3-1 से दी मात

भुवनेश्वर, 15 अप्रैल। फॉरवर्ड सुखजीत सिंह, अभिषेक और डिफेंडर वरुण कुमार के शानदार गोलों की बदौलत भारत ने शुक्रवार को यहां 2021-22 पुरुष एफआईएच प्रो हॉकी लीग में जर्मनी को लगातार दूसरी बार हरा दिया। भारत ने दुनिया की नंबर छह टीम जर्मनी को यहां भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में प्रो लीग मैच में 3-1 से हरा कर 2021-22 प्रो लीग के अपने घरेलू चरण अभियान का शानदार समापन किया। भारत की ओर से सुखजीत (19), वरुण (41) और अभिषेक (54) गोल स्कोरर रहे।

मैच बेहद रोमांचक रहा और दोनों ही टीमों ने शुरुआत से ही अटैक और डिफेंस में परिपक्वता दिखाई। भारत हालांकि फिर से जर्मनी पर भारी पड़ा। पहला क्वार्टर गोल रहित रहने के बाद जर्मनी पर दबाव तब बढ़ा, जब 19वें मिनट में सुखजीत ने शानदार फील्ड गोल दाग कर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी।

इस गोल के बाद हालांकि मैच की तीव्रता और बढ़ गई। परिणामस्वरूप तीसरे क्वार्टर की समाप्ति के चार मिनट पहले तक गोल का सूखा रहा, लेकिन फिर भारत पेनल्टी कॉर्नर अर्जित करने में सफल हुआ और वरुण इसे गोल में तब्दील करने से नहीं चूके। इसी के साथ भारत ने 2-0 की बढ़त

बना कर जर्मनी पर दबाव और बढ़ा दिया, हालांकि जर्मनी ने पलटवार करते हुए 45वें मिनट में बेहतरीन फील्ड गोल कर 2-1 के स्कोर के साथ तीसरा क्वार्टर समाप्त किया। यह गोल मिडफील्डर एंटोन बोएकेल के नाम रहा।

चौथे और आखिरी क्वार्टर में भारत ने जहां बढ़त को बढ़ाने की कोशिश की, वहीं जर्मनी ने स्कोर को बराबर लाने के लिए मशक्कत की। दोनों टीमों की ओर से इस क्वार्टर में कड़ी स्पर्धा देखने को मिली, लेकिन अंततः भारत 54वें मिनट में स्कोर करने में कामयाब रहा।

युवा फॉरवर्ड अभिषेक ने शानदार फील्ड दागते हुए भारत को 3-1 से आगे कर दिया। भारत ने फिर अंत तक यह बढ़त बनाए रखी और मुकाबला जीत लिया। उल्लेखनीय है कि इससे भारत ने गुरुवार को यहां जर्मनी को 3-0 से एकतरफा अंदाज में हराया था। टीम के उप कप्तान एवं डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह दो गोल दाग कर कल के हीरो रहे थे।

बिली जीन किंग कप में भारत की इंडोनेशिया पर 2-1 से जीत

अंताल्या, 15 अप्रैल। भारतीय महिला टेनिस टीम ने लगातार दो हार झेलने के बाद इंडोनेशिया को 2-1 से हराकर बिली जीन किंग कप एशिया/ओशिनिया ग्रुप एक में पहली जीत दर्ज की है। भारतीय टेनिस खिलाड़ी रुतुजा भोसले ने गुरुवार को पहले एकल मैच में 1-0 की शुरुआती बढ़त बनाई और फिर इंडोनेशिया की बीट्राइस गुमुल्या को सीधे सेटों में 6-4, 6-1 से हरा दिया। दूसरे मैच में भारत की शीर्ष रैंकिंग महिला एकल खिलाड़ी अंकिता रैना ने एल्डिला सुतजियादी पर 6-1, 6-2 से जीत दर्ज की और भारत को इंडोनेशिया पर 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई। फिर आखिरी युगल मुकाबले में रिया भाटिया और सौम्या बाविसेट्टी की भारतीय जोड़ी को जेसी रोम्पीज और एल्डिला सुतजियादी से तीन सेटों के संघर्ष में 6-4, 7(9)-6(7), 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भारत को अपने पहले दो मुकाबलों में चीन और जापान के हाथों 3-0 से हार का सामना करना पड़ा था। इंडोनेशिया पर जीत के साथ भारत तीन मैचों में एक जीत के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। जापान और चीन अपने तीनों मुकाबलों में जीत के साथ शीर्ष पर हैं।

दीपक चाहर आईपीएल 2022 से बाहर

मुंबई, 15 अप्रैल। चार बार के आईपीएल विजेता चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के महत्वपूर्ण ऑलराउंड खिलाड़ी दीपक चाहर चोट से न उभर पाने के कारण आईपीएल 2022 सीजन से बाहर हो गए हैं। आईपीएल ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की।

आईपीएल की ओर से जारी बयान के मुताबिक सीएसके के तेज गेंदबाज दीपक चाहर पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने तेज गेंदबाज रसिख सलाम की जगह पर युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को रिप्लेसमेंट के तौर पर साइन किया है।

इस सीजन केकेआर के लिए दो मैच खेलने वाले सलाम पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण टूर्नामेंट में आगे हिस्सा नहीं ले पाएंगे। कोलकाता ने सलाम के स्थान पर दिल्ली के हर्षित राणा को उनके 20 लाख रुपए के आधार मूल्य पर टीम में शामिल किया है। इस बीच आईपीएल की ओर से दिल्ली कैपिटल्स के फिजियो पैट्रिक फरहार्ट के

रसिख की जगह हर्षित केकेआर में शामिल

कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने की जानकारी दी गई है। फिलहाल दिल्ली की मेडिकल टीम उनकी कड़ी निगरानी कर रही है। उल्लेखनीय है कि चाहर पिछले साल सीएसके की चौथी आईपीएल जीत का एक अभिन्न हिस्सा थे। उन्होंने 2021 आईपीएल सीजन में 15 मैचों में 8.35 की इकोनॉमी से 14 विकेट लिए थे। पॉवरप्ले में गेंद के

साथ उनके घातक प्रदर्शन ने चेन्नई को 2022 की मेगा नीलामी में उनके लिए मोटी राशि खर्च करने पर मजबूर किया। सीएसके को नीलामी में कड़ी चुनौती मिली, लेकिन उसने अंततः तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजियों से प्रतिस्पर्धा को दूर करते हुए अपने खिलाड़ी को 14 करोड़ में वापस टीम में शामिल किया।

नीलामी के कुछ दिनों बाद चाहर चोटिल हो गए और बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिएटेशन के चलते श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला से चूक गए। ऐसी मत थे कि चाहर अप्रैल के अंत में सीएसके के लिए एक्शन में लौट आएंगे, लेकिन इस झटके ने उन सभी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

चाहर की अनुपस्थिति में सीएसके ने इस सीजन के अपने पहले चार मैचों में हार का सामना किया। टीम हालांकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पांचवां मैच जीतने में कामयाब रही थी। चेन्नई को अब चाहर के रिप्लेसमेंट के तौर पर खिलाड़ी चुने जाने की अनुमति दी जाती है या नहीं, इस पर निर्णय होना बाकी है।

दिल्ली कैपिटल्स के फिजियो पैट्रिक फरहार्ट कोरोना संक्रमित

मुंबई, 15 अप्रैल। आईपीएल 2022 सीजन में कोरोना वायरस के संक्रमण का पहला मामला सामने आया है। आईपीएल ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञिप्त जारी करते हुए दिल्ली कैपिटल्स के फिजियो पैट्रिक फरहार्ट के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने की जानकारी दी है। आईपीएल की प्रेस विज्ञिप्त के मुताबिक फिलहाल दिल्ली कैपिल्टस की मेडिकल टीम फरहार्ट की कड़ी निगरानी कर रही है। उल्लेखनीय है कि मौजूदा 2022 आईपीएल सीजन में कोरोना का यह पहला मामला है।

वानखेड़े स्टेडियम में खेलने का इंतजार : खलील

मुंबई, 15 अप्रैल। दिल्ली कैपिटल्स शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 2022 आईपीएल के अपने पांचवे मैच में फॉर्म को बरकरार रखना चाहेगा, जो यहां वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। इस बीच दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज खलील अहमद ने इस सीजन में पहली बार वानखेड़े स्टेडियम में खेलने को लेकर उत्साह जताया है। उन्होंने शुक्रवार को एक बयान में कहा, वानखेड़े स्टेडियम में गेंद स्विंग करती है, इसलिए हम वहां खेलने का इंतजार कर रहे हैं। हम उत्साहित हैं और उम्मीद है कि हम परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए गेंद को अच्छी तरह स्विंग करा सकेंगे और विकेट ले सकेंगे।

खलील ने बेंगलुरु की टीम के बारे में कहा, बेंगलुरु एक अच्छी टीम है और ऐसी टीम के खिलाफ खेलने में मजा आता है। यह हमारे लिए चुनौतीपूर्ण होने वाला है, क्योंकि उनके पास बेहतरीन बल्लेबाज हैं, लेकिन मैं चुनौतियों का सामना करने के लिए उत्साहित हूं। दिल्ली के तेज गेंदबाज ने अगले मैच से पहले मिले लंबे ब्रेक को लेकर कहा, हमारी तैयारी बहुत अच्छी चल रही है। हमे लंबा ब्रेक मिलाहै। यह तेज गेंदबाजों के लिए अच्छा रहा है, क्योंकि हमें और आराम की जरूरत है। हमने पिछले कुछ दिनों में स्विमिंग पूल में मजा लिया है और जिम में ट्रेनिंग सेशन किया है।

डब्ल्यूटीसी 2023 चक्र में अब तक स्पिनरों का दबदबा

दुबई, 15 अप्रैल। बेहद रोमांच के साथ आगे बढ़ रहे मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के 2023 चक्र में अब तक स्पिनरों का दबदबा देखने को मिला है। वर्तमान डब्ल्यूटीसी 2023 चक्र में अब तक के शीर्ष पांच गेंदबाजी आंकड़ों में से चार स्पिनरों के हैं, जिसमें न्यूजीलैंड के लेफ्ट आर्म स्पिनर एजाज पटेल का 10 विकेट का प्रदर्शन, पाकिस्तान के ऑफ ब्रेक स्पिनर साजिद खान का आठ विकेट और दक्षिण अफ्रीकी लेफ्ट आर्म स्पिनर केशव महाराज के सात-सात विकेटों के दो आकर्षक स्पैल शामिल हैं।

एजाज का टेस्ट क्रिकेट इतिहास में अब तक का तीसरा 10 विकेट का प्रदर्शन वर्तमान डब्ल्यूटीसी 2023 चक्र में असाधारण गेंदबाजी प्रदर्शन की सूची में सबसे आगे है। उनसे पहले इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर जिम लेकर और पूर्व भारतीय स्पिनर अनिल कुंबले ने एक पारी में 10 विकेट लेने का कीर्तिमान हासिल किया था।

एजाज ने दिसंबर 2021 में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में एक पारी में 10 विकेट चटकाए थे। वहीं पाकिस्तानी ऑफ स्पिनर साजिद ने ढाका के शेर-ए-बंगला स्टेडियम में बंगलादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के आखिरी दिन आठ दिसंबर को पहली पारी में आठ विकेट लिए थे। उनके इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने यह मैच पारी और आठ रन से जीत लिया था।

इसके अलावा केशव ने हाल ही में मार्च-अप्रैल में घर पर बंगलादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दोनों मैचों में शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत टीम को बड़ी जीत दिलाई थी। उन्होंने पहले मैच की दूसरी पारी में 32 रन देकर सात विकेट लिए थे और दक्षिण अफ्रीका ने यह मैच 220 रन से जीत लिया था।

युवराज सिंह संधू ने जीती पीजीटीआई प्लेयर्स चैम्पियनशिप

चंडीगढ़, 15 अप्रैल। चंडीगढ़ के युवराज सिंह संधू ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 50 लाख रुपये की पुरस्कार राशि वाली पीजीटीआई प्लेयर्स चैंपियनशिप में शुक्रवार को खिताब जीत लिया। अपने घरेलू गोल्फ कोर्स पर खेलते हुए युवराज (70-67-65-69) ने पांच महीनों में तीसरा खिताब जीता। 25 वर्षीय युवराज का इस सत्र में यह दूसरा खिताब है। इस जीत से उन्हें 8,08,250 रुपये की पुरस्कार राशि मिली और पीजीटीआई आर्डर ऑफ मेरिट में दूसरे स्थान पर उन्होंने अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

राष्ट्रमंडल खेलों से कुश्ती, निशानेबाजी, तीरंदाजी को बाहर किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण : अभय चौटाला

चंडीगढ़, 15 अप्रैल। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के महासचिव एवं ऐलनाबाद के विधायक अभय सिंह चौटाला ने 2026 में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की सूची से कुश्ती, निशानेबाजी और तीरंदाजी को बाहर किए जाने के निर्णय को बेहद निराशाजनक और दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। चौटाला ने शुक्रवार को एक बयान में आरोप लगाया कि यह पूरी तरह केंद्र सरकार की विफलता है, जहां एक तरफ 'खेलों इंडिया' का नारा दिया जाता है, वहीं दूसरी तरफ मुख्य खेल, जिनमें भारत सबसे ज्यादा मेडल जीतता है, उन्हीं खेलों को राष्ट्रमंडल खेलों से हटा दिया जाता है। इनेलो के महासचिव ने कहा कि यह फैसला जी जान से तैयारी कर रहे खिलाड़ियों के लिए बहुत बड़ा झटका है। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में हरियाणा के पहलवानों और निशानेबाजों का ढंका बजता है। राष्ट्रमंडल खेलों में भी कुश्ती और निशानेबाजी में प्रदेश एवं देश के खिलाड़ियों ने भारत देश का नाम रोशन किया है। कुश्ती हरियाणा की शान है और सभी के दिलों में बसी हुई है।

उन्होंने कहा कि इनेलो राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के इस फैसले के खिलाफ पत्र लिख कर अपनी आपत्ति दर्ज करेगा और मांग करेगा कि महासंघ अपने फैसले पर पुनर्विचार करे और तुरंत तीनों खेलों को बहाल करे। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार को भी इसके लिए गंभीर प्रयास करने होंगे।

पाक नवंबर-जनवरी के बीच घर पर इंग्लैंड, न्यूजीलैंड के साथ खेलेगा नॉन स्टॉप क्रिकेट

लाहौर, 15 अप्रैल। पिछले सीजन आखिरी समय पर अपने-अपने दौरे रद्द करने के बाद अब इंग्लैंड और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम नवंबर 2022 और अगले साल जनवरी के बीच पाकिस्तान का दौरा करने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से शुक्रवार को जारी आगामी बंपर शेड्यूल में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की टीमें भी शामिल हैं। पीसीबी के शेड्यूल के मुताबिक पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम 2022-23 के घरेलू सत्र में सात आईसीसी विश्व चैंपियनशिप टेस्ट मैच खेलेगी। दो श्रीलंका, तीन इंग्लैंड और दो न्यूजीलैंड के खिलाफ होंगे, जबकि पाकिस्तान 12 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग मैच भी खेलेगा। वेस्ट इंडीज, श्रीलंका, नीदरलैंड और न्यूजीलैंड सभी टीमों के साथ तीन-तीन मैच होंगे।

पाकिस्तान के घरेलू सत्र की शुरुआत पांच से 12 जून के बीच रावलपिंडी में वेस्ट इंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला से होगी। नवंबर में तीन टेस्ट मैचों से पहले इंग्लैंड की टीम सितंबर-अक्टूबर में सात मैचों की टी-20 श्रृंखला के लिए भी पाकिस्तान का दौरा करेगी।

वहीं न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम दिसंबर-जनवरी में दो टेस्ट और तीन वनडे मैचों के बाद पांच वनडे और पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए अप्रैल में फिर से पाकिस्तान आएगी। टी-20 प्रारूप में पाकिस्तान पुरुष टीम अगस्त-सितंबर में एक्शन में दिखेगी।

एफसी गोवा, बेंगलुरू ने पहले दिन जीत हासिल की

पणजी, 15 अप्रैल। बेंगलुरु एफसी और एफसी गोवा ने शुक्रवार को यहां शुरू हुए पहले रिलायंस फाउंडेशन डेवलपमेंट लीग (आरएफडीएल) के पहले दिन क्रमशः रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स (आरएफवाईसी) और चेन्नइयन एफसी के खिलाफ जीत के साथ आगाज किया। बेंगलुरू की टीम ने आरएफ यंग चैंप्स को 2-0 से हराया। उसके लिए मिडफील्डर बेके ओराम ने 24वें और स्थानापन्न स्ट्राइकर राहुल राजू ने 93वें मिनट में गोल किए। दूसरी ओर, एफसी गोवा ने अपने पहले मैच में चेन्नइयन एफसी को 1-0 से हराया। गोवा की ओर से जोवियाल डियास ने दूसरे हाफ में गोल करते हुए अपनी टीम को तीन अंक दिलाए।

जो रूट ने छोड़ी इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम की कप्तानी

लंदन, 15 अप्रैल। जो रूट ने तत्काल प्रभाव से इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान पद से इस्तीफा दे दिया है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। रूट ने हालांकि पुष्टि की है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि वह आगे भी अच्छा प्रदर्शन करके टीम की जीत में योगदान देने के लिए उत्साहित हैं। वह आगामी कप्तान, अपने साथियों और कोच की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहेंगे।

रूट पांच सालों तक इस पद पर बने रहे। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 64 टेस्ट मैचों में कप्तानी करते हुए सबसे ज्यादा 27 मैच जीते और 26 हारे। रूट की कप्तानी में इंग्लैंड ने 2018 में भारत के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में 4-1 और 2020 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज की थी। 2018 में रूट 2001 के बाद से श्रीलंका में टेस्ट श्रृंखला जीतने वाले इंग्लैंड पुरुष टीम के पहले कप्तान भी बने थे। इस प्रदर्शन को उन्होंने 2021 में फिर से दोहराया, जब इंग्लैंड ने श्रीलंका को 2-0 से क्लीन स्वीप किया था।

इंग्लैंड की टीम हालांकि पिछले 17 मैचों में केवल एक ही मैच जीत पाई, जिससे उनके पद पर बादल मंडराने लगे थे। इंग्लैंड के पिछले 14 महीने बहुत मुश्किल रहे, जिसमें भारत के खिलाफ घर पर और घर से बाहर हार, ऑस्ट्रेलिया में 0-4 एशेज हार, टेस्ट

चैंपियनशिप के फाइनल में न पहुंच पाना और सबसे हालिया वेस्टइंडीज में तीन मैचों की सीरीज में 0-1 की हार शामिल है। इन सभी के चलते रूट को पद छोड़ना पड़ा।

रूट ने एक बयान में कहा, वेस्ट इंडीज दौरे से लौटने पर मैंने सोच-विचार किया और उसके बाद मैंने इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया है। यह मेरे करियर के सबसे मुश्किल फैसलों में से एक है, लेकिन मैंने यह अपने परिवार और नजदीकी लोगों से बात करने के बाद लिया है, मुझे पता है यही सही समय है।

उन्होंने कहा, मुझे अपने देश की कप्तानी करने पर गर्व है और जब भी मैं पिछले पांच सालों के बारे में सोचूंगा तो मुझे गर्व होगा। इस पद पर रहना सम्मान की बात है। देश का नेतृत्व करते हुए मुझे बहुत मज़ा आया लेकिन हाल में जिस तरह का दबाव मुझ पर आया, इसने मैच में ही नहीं उससे बाहर भी मुझे पर असर डाला है।"

रूट के कप्तानी छोड़ने के बाद अब उप कप्तान बेन स्टोक्स ही कप्तान बनने के सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे हैं। रॉरी बर्न्स, स्टुअर्ट ब्रॉड और जॉस बटलर भी इस पद के दावेदारों में से एक हैं। इंग्लैंड टीम की एशेज और वेस्ट इंडीज में हार के बाद हुई आलोचना के बाद रूट का इस्तीफा आया है। आलोचकों की ओर से कहा गया था कि इंग्लैंड पुरुष टीम का ना कोई मैनेजिंग डायरेक्टर है, ना कोई प्रमुख कोच है, ना कोई चयनकर्ता और ना कोई टेस्ट कप्तान है।

इस बीच ईसीबी प्रमुख टॉम हैरिसन ने इस बारे में कहा, अपने कार्यकाल के दौरान रूट एक रोल मॉडल रहे हैं। उन्होंने कप्तानी में एक संतुलन पैदा किया, जिससे उन्होंने अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन में भी अच्छा करने में मदद मिली। रूट की नेतृत्व करने की क्षमता कमाल की थी। उन्होंने कई बार मुश्किल समय में टीम का नेतृत्व किया।

हैरिसन ने कहा, कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने पूरी दुनिया में जाकर क्रिकेट खेला। मैं जानता हूं कि रूट ने हर किसी की बहुत मदद की है। उन्होंने कप्तान के तौर पर एक उदारण पेश किया है। मैदान से बाहर भी रूट में कोई बदलाव नहीं दिखा।

टेनिस टूर्नामेंट आयोजित

जयपुर, 15 अप्रेल। जय क्लब में आयोजित प्रतियोगिता में 35 आयुवर्ग में विकास चोधरी ने पुलकित रनुडी को 6.06.1 से शेलन्दर चोधरी ने आद्तीय शर्मा 6.3.7.8 से चेतन गुप्ता ने निशांत भाटीया को 6.16.2से हराया 40 वर्ष आयु वर्ग में रियाज़ अहमद ने राहुल को 6.16.1 दिनेश चन्द्र सुभाल ने विशाल देशपांडे को 4.66.4.10.7से कमरुद्दीन खान ने राजीव मनधानी को 6.06.3 से सिद्धार्थ सिसोदिया ने कुणाल गला को 6.46.7.11.9 से मनिष कुल्हरी ने आलोक परे को 6.0.61 से हराया और 45 आयु वर्ग में आशीष मालपानी ने केसरी नन्दन शर्मा को 6.36.4 से हराया वहीं 65 आयु वर्ग में आज टी एम गम्भीर ने प्रभुदायल मीणा को 61.6.3 से रिछपाल सिंह ने सतीश कुमार जैन को 6.4.6.4 से प्रदीप जैन ने अरविंद भसीन को 6.2.6.2 से राजेश कुमार ने सुरेन्द्र सिंह को 4.6.6.4.10.8 से हराया 55 आयु वर्ग में चन्ना भासरा कुमार ने पृथ्वीराज मीणा को 6.36.2 से हराया। शानदार मुकाबले जारी हैं देश के प्रमुख शहरों से विदेश से खिलाड़ी भाग ले रहे हैं शानदार आयोजन जय क्लब में सभी का सहयोग मिल रहा है प्रतियोगिता में मुख्य रेफरी जय मुखर्जी निभा रहे हैं।

पीसीबी ने शुरू की महत्वाकांक्षी पाक जूनियर लीग के लिए बोली

लाहौर, 15 अप्रैल। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने फ्रेंचाइज़ी आधारित पाकिस्तान जूनियर लीग के लिए बोली की शुरुआत कर दी है। पाकिस्तान प्रीमियर लीग की इकॉनमी से यह लीग प्रभावित ना हो, इसके लिए यह पांच टीम का टूर्नामेंट ऐसी जगह आयोजित किया जाएगा जहां पर पीएसएल के मैच नहीं हो रहे होंगे। टूर्नामेंट का पहला संस्करण अक्टूबर में होगा और सभी छह पीएसएल फ्रैंचाइज़ी ने इसके लिए करार सौंप दिए हैं, जिससे इस टूर्नामेंट को किसी तरह की दिक्कत ना हो। सबसे बड़ी मुश्किल तो ब्रॉडकास्ट साझेदार और टूर्नामेंट स्पांसर की होगी।

पीसीबी का प्लान यहां पर 15-19 साल ग्रुप के बच्चों को ड्राफ़्ट के मुताबिक चुनने का है। बोर्ड को यह लगता है कि कई स्पांसर इस लीग में योगदान देने को तैयार हैं और उम्मीद है कि पाकिस्तान के कई दिग्गज इस लीग में मेंटॉर और कोच की भूमिका में होंगे।

पीसीबी के चेयरमैन रमीज़ राजा ने एक बयान में कहा, "मैं रोमांचित और उत्साहित हूं कि कई दिनों की कड़ी मेहनत और योजना के बाद हमने आज पाकिस्तान जूनियर लीग के लिए करार जारी किया है, जो दुनिया में अपनी तरह की पहली अंतरराष्ट्रीय लीग है।"

मालपुरा मंडी में चने की ट्रॉली खाली कर रहा किसान अपनी उपज सात रुपए प्रति किलो की दर से बेचने को मजबूर है।

क्या मोहन भागवत का अखण्ड भारत का नारा 2024 चुनाव की तैयारी है?

इस नारे की भावात्मक अपील से सभी वाकिफ हैं, चाहे यह कल्पना कितनी भी अव्यवहारिक लगती हो, आज के परिप्रेक्ष्य में

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। क्या आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत, "अखण्ड भारत" का हौआ खड़ा करके, 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के प्रचार का एजेंडा तय कर रहे हैं? गुरुवार को हरिद्वार में बोलते हुये, भागवत ने कहा था कि 15 वर्ष के अंदर अखण्ड भारत बनाना संभव है तथा हर उस व्यक्ति से निबट लिया जायेगा, जो इस मुहिम की राह में रोड़े अटकायेगा। उन्होंने कहा था, "जहाँ भारत का दर्शन अहिंसा का है, वहीं डंडा लेकर चलना भी जरुरी है," क्योंकि दुनिया ताकत की भाषा ही समझती है। अखण्ड भारत की अवधारणा प्रत्यक्षत: "हिन्दू राष्ट्र" की अवधारणा से अलग है, क्योंकि आर.एस.एस. के अखण्ड भारत के विचार में मुस्लिम बहुल देश, जिनमें पाकिस्तान, अफगानिस्तान तथा ईरान भी शामिल हैं। जैसा कि गुरु गोलवरकर जैसे आर.एस.एस. के सिद्धांतकारों के लेखों एवं ग्रंथों में सामने आया है, अफगानिस्तान या ईरान में रहने वाले लोग भी मूलत: हिन्दू ही हैं, जिन्हें भविष्य में किसी समय "घर वापसी" करने के लिये बाध्य किया ही जायेगा। लेकिन, पिछले 70 सालों में दुनिया बहुत आगे बढ़ गई है तथा ऐसे कई देश, जिन्हें आर.एस.एस. अखंड भारत का हिस्सा मानती है, आज परमाणु शक्ति सम्पन्न हैं।

भौगोलिक रुप से, भागवत की अखंड भारत की अवधारणा अव्यवहारिक कही जा सकती है क्योंकि यह संभव ही नहीं है कि चीन, उदाहरणार्थ, भारत को तिब्बत ले लेने देगा। लेकिन अखंड भारत का विचार भाजपा के अन्तर्निहित संगठनों तथा उसके समर्थकों -अनुयायियों के लिये भावनात्मक अपील रखता तो प्रतीत होता ही है। आगामी गुजरात तथा अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों के साथ ही, 2024 के लोकसभा चुनाव जीतने के लिये, भाजपा के लिये यह जरुरी है कि भगवा ब्रिग्रेड स्वयंसेवकों तथा अन्य सम्बंधित संगठनों की व्यस्तता एवं उत्तेजना यथावत बनाये रखे। खासतौर से इसलिये भी, क्योंकि आर्थिक ग्रोथ के मामले में नरेन्द्र मोदी सरकार का रिकॉर्ड बहुत खराब रहा है।

समाजवादी विचारक राम मनोहर लोहिया ने अखंड भारत अवधारणा की वकालत की थी तथा भारत, पाकिस्तान एंव बाँग्लादेश का एक महासंघ बनाने की चर्चा की थी। लेकिन भागवत की अवधारणा "हिन्दू अखंड भारत" की अवधारणा है जिसे प्राप्त करना मुश्किल होगा। हिन्दी भाषी राज्यों में, भाजपा के ठोस जनाधार के बाहर, "हिन्दी को थोपने" के विचार तक का कड़ा विरोध होता रहा है। गृह मंत्री अमित शाह के हाल ही के उस बयान को, खासतौर से दक्षिणी राज्यों में, विपक्षी नेताओं ने जबरदस्त विरोध किया था, जिस बयान में उन्होंने कहा था कि लोगों को सम्पर्क भाषा के रुप में हिन्दी का प्रयोग करना चाहिये, अंग्रेजी का नहीं।

श्रीलंका में पैट्रोल का कोटा तय

कोलम्बो, 15 अप्रेल (वार्ता/शिन्हुआ)। श्रीलंका के सरकारी स्वामित्व वाली सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) ने शुक्रवार अपराह्न एक बजे से पैट्रोल पंप पर ईंधन कटौती की घोषणा की है।

सीपीसी ने कहा कि प्रत्येक मोटरसाइकिल के लिए 1,000 श्रीलंकाई रुपये (3.2 डॉलर) का ईंधन जारी होगा। तिपहिया वाहनों के लिए 1,500 रुपये और कार, वैन और जीप

- एक मोटरसाइकिल के लिए 1हजार श्रीलंकाई का पैट्रोल मिलेगा।

के लिए 5,000 रुपये का ईंधन जारी किया जाएगा। सीपीसी के अध्यक्ष सुमित विजेसिंघे ने कहा कि यह सीमा बसों, लॉरियों और वाणिज्यिक वाहनों पर लागू नहीं होती है। इस सप्ताह की शुरुआत में सीपीसी ने घोषणा की कि वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि और बढ़ ती घरेलू मांग के कारण श्रीलंका का मासिक ईंधन आयात अप्रैल में बढ़ कर 70 करोड़ डॉलर हो गया है, जो दो महीने पहले 45 करोड़ डॉलर था। वर्ष 2021 में श्रीलंका का औसत मासिक ईंधन आयात 31.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर था।

चना 7 रू. प्रति किलो बेचने को मजबूर

- समर्थन मूल्य पर चने की खरीद शुरू नहीं होने से किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है।

मालपुरा, (निसं)। केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा 1 अप्रेल से समर्थन मूल्य पर चना, सरसों व गैहू की खरीद की घोषणा किये जाने के बावजूद मालपुरा में 15 दिन बाद भी क्रय-विक्रय सहकारी समिति ने समर्थन मूल्य खरीद केन्द्र का कांटा शुरू नहीं किया। इस वजह से किसानों को मंडी में सात रुपये प्रति किलो के कम दामों में चना बेचने पर विवश होना पड़ रहा है, जिसके चलते 1 से 15 अप्रेल तक मालपुरा मंडी के आंकडों के मुताबिक किसानों को डेढ करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान हो चुका है।

केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा किसानों को उनकी उपज का पूरा दाम देने तथा किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए गेंहू, चना, सरसों का समर्थन मूल्य घोषित किया गया, और राजफेड द्वारा क्रय-विक्रय सहकारी समितियों के माध्यम से मंडी परिसर में सरकारी कांटे लगा 1 अप्रेल से समर्थन मूल्य पर घोषित जिन्सों की खरीद शुरू की जानी थी। सरकार की घोषणा के मुताबिक किसानों ने ई-मित्र के जरिए अपनी उपज का ऑनलाईन पंजीयन भी करवाया गया। लेकिन राजफेड द्वारा

किसान फसल को औने-पौने दामों में मंडी में खुले में बेचने पर विवश हो रहा है, तो व्यापारी भी खुली बोली से चने की खरीद में सात से दस रुपये प्रति किलो तक दाम लगा रहे है और समर्थन मूल्य से कम दामों में चना खरीद कर किसानों की मजबूरी का फायदा उठा रहे हैं।

मंडी कार्यालय से मिले आंकडों के मुताबिक 1 अप्रेल से 15 अप्रेल तक मालपुरा मंडी में चने की 18 हजार से अधिक बोरियों की आवक हुई है। किसान मांगीलाल, किशन, रामनिवास, प्रहलाद, हनुमान, घनश्याम, रोडू, बदाम, गीता देवी इत्यादि का कहना है कि सरकार ने समर्थन मूल्य पर खरीद की घोषणा तो कर दी लेकिन खरीद केन्द्र शुरू नहीं करने से किसानों को भारी नुकसान भुगतना पड़ रहा है।

ईश्वरप्पा का इस्तीफा

नई दिल्ली,15 अप्रेल। कर्नाटक के ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री के. एस. ईश्वरप्पा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को अपना इस्तीफा सौंप दिया। ईश्वरप्पा पर पुलिस ठेकेदार संतोष पाटिल को कथित रूप से आत्महत्या के लिए उकसाने का

- कर्नाटक के ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री के. एस. ईश्वरप्पा ने मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को अपना इस्तीफा सौंपा।

मामला दर्ज किया है। इस मामले में राजनीतिक विवाद शुरू होने के बाद ईश्वरप्पा ने गुरूवार शाम मंत्री पद से इस्तीफे की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के बाहर एकत्रित हुए ईश्वरप्पा के समर्थकों ने नारेबाजी की।

प्रदेश में एक्टिव केसों की संख्या में वृद्धि

राज्य में शुक्रवार को भी रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 109 हो गए हैं

- प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 17 नए संक्रमित मिले हैं, जो कि गत दिन के मुकाबले एक ज्यादा है।
- अकेले जयपुर में 16, जबकि जोधपुर में 1 नया मरीज पाया गया है।
- हालांकि, राज्य के 31 जिलों में संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 15 अप्रैल। प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की तुलना में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर फिर सौ के पार हो गए हैं। वहीं इस बीच राज्य में शुक्रवार को 17 नए संक्रमित मिले, जबकि इनकी तुलना में केवल 4 ही रोगी ठीक हुए हैं। हालाकि 31 जिलों में संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना संक्रमण का एक और मामला बढ़ने के साथ 17 नए रोगी मिले हैं। इससे पहले गुरूवार को 16 संक्रमित पाए गए थे। इनमें से 16 राजधानी जयपुर में और एक संक्रमित जोधपुर में मिला है। राजधानी जयपुर में पिछले तीन दिनों से नए संक्रमितों की संख्या 10 से ऊपर बनी हुई है। वहीं दूसरी ओर राहत की बात यह है कि शुक्रवार को 31 जिलों अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, नागौर, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर, सिरोही, टोंक और उदयपुर में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है। इनमें 21 जिले पूरी तरह संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। अब यहां न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस बचा है।

वहीं दूसरी ओर राज्य में शुक्रवार को भी नए संक्रमितों की तुलना में रिकवरी कम हुई है। इस दौरान केवल 4 ही मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही अब तक इस बीमारी से 12 लाख 73 हजार 513 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। वहीं एक्टिव केस बढ़कर 109 हो गए हैं। इनमें सर्वाधिक 82 मामले जयपुर जिले में है।

अन्य जिलों में 10 से कम केस हैं। राज्य में शुक्रवार को भी करोना संक्रमण से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक इस बीमारी से 9552 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

मुस्लिम नेता अखिलेश से दूरी बनाने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अखिलेश के लिये मुस्लिमों की इस सोच को बदलना मुश्किल हो जायेगा कि वे मुस्लिम नेताओं की उपेक्षा कर रहे हैं, जबकि उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के इतिहास में इस समुदाय की अब तक की ठोस एवं सबसे बड़ी एकजुटता के लिये अपना खून-पसीना एक कर दिया था।

भगवा पार्टी के खिलाफ अपनी आक्रामक मोर्चा बंदी के बावजूद, सपा केवल 111 सीट जीतकर दूसरे नम्बर पर, किन्तु विजयी पार्टी से बहुत पीछे रही। ज्ञातव्य है कि 403 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के नेतृत्व में एन.डी.ए. ने 273 सीटें जीतकर अपने आप को सत्ता में बनाये रखा था।

पिछले दिनों में, सपा मुस्लिम समुदाय के विभिन्न खेमों की नाराजगी एवं विरोध झेलती आ रही है। जहाँ सपा के एक पदाधिकारी सलमान जावेद रईन ने बुधवार को इस्तीफा दे दिया था, वहीं आज़म खान के मीडिया-प्रभारी फसाहत अली शानू, सम्भल के सपा सांसद शफ़ीकुर्रहमान बर्क़ तथा बरेली के प्रतिष्ठित आला हज़रत दरगाह के मौलवी मौलाना शहाबुद्दीन रिज़्वी- इन सब ने मुस्लिम समुदाय के प्रति सपा प्रमुख के कथित उदासीन रूख को लेकर निराशा एवं अप्रसन्नता व्यक्त की है।

दरगाह के मौलवी ने तो यहाँ तक कह दिया कि अखिलेश को मुस्लिम पसंद नहीं हैं। उन्होंने समुदाय को सलाह दी कि वह सपा को छोड़कर, भाजपा में शामिल हो जाये। रिज़्वी तनज़ीम उलेमा-ए-इस्लाम के राष्ट्रीय महासचिव भी हैं।

सुप्रसिद्ध राजनैतिक टिप्पणीकार जे.पी. शुक्ला कहते हैं, "वस्तुत: अल्पसंख्य समुदाय के अन्दर से आ रहे इस विरोध का कारण, खासतौर से विधानसभा चुनावों के बाद, मुस्लिमों में पैदा हुई कुंठा एवं निराशा-हताशा की भावना है। वस्तुत, मुस्लिमों की यह आम सोच पराजित हो गई है कि मुस्लिम-एकजुटता भगवा तूफान को रोक सकती है। अब, वोट बैंक के रूप में मुस्लिमों के "अप्रासंगिक" हो जाने की भावना उनमें बढ़ती जा रही है तथा वे अपने इस निराशाजन्य भडाँस एवं आक्रोश को सपा नेतृत्व पर निकाल रहे हैं।"

लेकिन शुक्ला इस बात से भी इंकार नहीं करते कि खासतौर से 2024 के लोकसभा चुनावों में मुस्लिम वोट बँट जायेंगे। वे कहते हैं: "अब मुस्लिमों को अहसास हो गया है कि भाजपा को हराने के लिये, सबसे बेहतर स्थिति वाले एक ही दल के पक्ष में गये उनके वोट भी, भगवा प्रवाह को रोक नहीं सकते। इसलिये, 2024 में वे लोग कुछ मात्रा में कांग्रेस की ओर जा सकते हैं, क्योंकि वह राष्ट्रीय चुनाव होगा तथा उन चुनावों में सपा तथा बसपा की कोई खास अहमियत नहीं होगी।"

लेकिन, जहाँ तक इस समय का प्रश्न है, मुस्लिमों की ओर से आ रहे अप्रसन्नता के स्वर सपा नेतृत्व के लिये सुखद नहीं हैं। इस स्थिति में कांग्रेस और बसपा जैसे अन्य राजनैतिक मुस्लिम वोटों को लेकर अपनी पुरानी छवि की ओर लौट सकते हैं।

केन्द्रीय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मालिक दरड़ा हैं जो कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं लेकिन इनके खिलाफ बहुत से केस चल रहे हैं, जिनमें सी.बी.आई. जांच वाले केस भी शामिल हैं।

सूत्रों ने कहा है कि पी.एम.ओ. ने उस पत्रकार का इस्तीफा चाहा है तथा दरड़ा ने उसे इस्तीफे के लिये बाध्य कर दिया।

लेकिन बाद में, गडकरी ने कहा कि खबर सही है तथा कैबिनेट में जो कुछ हुआ था, संबंधित पत्रकार ने उसकी बिल्कुल सही-सही रिपोर्टिंग की थी।

सोनिया...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सदस्यता अभियान के तहत उसने देश के सभी विधानसभा क्षेत्रों के लगभग सभी बूथों पर 2.6 करोड़ सदस्यों को डिजिटल कार्ड अभियान से जोड़ा है। इस डिजिटल सदस्यता के लिए उन्हीं लोगों को पात्र माना गया है जिनकी सदस्यता को किसी अधिकृत सदस्य ने सत्यापित किया है। यह सदस्यता अभियान मोबाइल फोन में कांग्रेस सदस्यता ऐप के जरिए संचालित किया गया। इस एप के जरिए नामांकित होने वाले हर व्यक्ति को सारी प्रक्रिया का पालन करने के बाद डिजिटल आईडी कार्ड उपलब्ध कराया जाता है और इसकी प्रमाणिकता क्यूआर कोडेड होती है।

इंगलैण्ड के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करोड़ डॉलर मिलेंगे। अगर शरणार्थियों के दावे सही पाये जाते हैं, तो उन्हें रवांडा में "रहने के कानूनों के रास्ते" उपलब्ध करा दिये जायेंगे। फ्रांस से इंग्लिश चैनल को पार करने का खतरा उठाकर ब्रिटेन आ रहे शरणार्थियों के छोटे किन्तु निरन्तर प्रवाह को रोकने के लिये, ब्रिटिश सरकार लगातार संघर्षरत रही है। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा है कि "इस समझौते का अंजाम देने वाला विधेयक अभी संसद में पारित होने की प्रक्रिया में है। वे इस बिन्दु पर सहमत थे कि ऐसी संभावना है कि इस योजना के सम्मुख कानूनी चुनौतियाँ आयें तथा यह योजना रातों-रात अमल में नहीं आयेगी।"

विपक्षी लेबर पार्टी की पैट कूपर ने इस योजना को "अव्यवहारिक, अनैतिक एवं लूट-खसोट वाली" योजना बताया है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि यह एक "निराशाजनित तथा सचमुच शर्मनाक घोषणा" तथा बोरिस जॉनसन की कानून तोड़ने से दूर हटने की कोशिश है। यह बात उन्होंने मंगलवार के उस पुलिस निर्णय बाद कहीं, जिसकी अनुसार प्रधानमंत्री पर लॉकडाउन के नियम तोड़ने के लिये जुर्माना होना है।

मेयर सौम्या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गौरतलब है कि नगर निगम ग्रेटर के तत्कालीन आयुक्त यज्ञमित्र देव सिंह ने ज्योति नगर पुलिस थाने में गत वर्ष 4 जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि बैठक के दौरान महापौर सौम्या गुर्जर ने उनके साथ अभद्रता की और आरोपी पार्षदों ने धक्का-मुक्की कर मारपीट की थी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पांचों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था।

रूस का अति शक्तिशाली "वॉर शिप" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि कितने नौसैनिक इस जहाज के साथ हताहत हुए है। यदि जहाज में मौजूद हथियारों की बात की जाए तो इसमें भारी मात्रा में विस्फोटक थे और शायद किसी मिसाइल के प्रहार ने इसके विस्फोटकों को सुलगा दिया। इससे शायद जहाज पूर्णतया नष्ट हो गया।

इतनी भारी लागत से बने युद्धपोत को डुबाना यूक्रेन की सैन्य क्षमताओं के लिए एक तमगा है। बताया जाता है कि इस जहाज को यूक्रेन की नैप्च्यून एंटी-शिप मिसाइल ने ध्वस्त किया है। इस जहाज ने यूक्रेन तटीय शहरों में मिसाइल स्ट्राइक्स की थी और भारी नुकसान पहुंचाया था।

नैप्च्यून वर्ग की मिसाइलों को अब तक पर्याप्त रूप से सशक्त नहीं माना गया है। तथापि एक विशालकाय जहाज के अचानक डूबने से नैप्च्यून क्लास मिसाइल्स की प्रभावोत्पदकता को निश्चित रूप से बढ़ा दिया है। विडम्बना यह है कि मॉस्कोवा का निर्माण सोवियत संघ के समय में यूक्रेन में ही किया था और 1980 के दशक की शुरूआत में इसका जलावतरण किया गया था।

यूक्रेन के लोगों ने अपने विजयोल्लास में कहा है कि जहाज को डुबो देना उनके देश के बच्चों और महिलाओं की हत्या करने वाले पुतिन के लिए उनका छोटा प्रतिशोध है।

ये सवाल उठाए जा रहे हैं कि जहाज पर एयर डिफैंस और मिसाइल्स डिफैन्स सिस्टम्स होने के बावजूद उस पर यूक्रेन की मिसाइल ने कैसे प्रहार किया। ये मुद्दे युद्ध स्थिति में ऐसे बड़े बड़े युद्धपोत की तैनाती को लेकर सवाल उठाते हैं। अमेरिका ने चीन के तटों पर मौजूद अपने जहाजों को निर्णायक ढंग से हटा लिया है क्योंकि वे जहाज चीन के एंटी-शिप मिसाइल्स बेसेस की फायरिंग रेंज में आ रहे थे। यूक्रेन युद्ध की प्रतिध्वनि पूरे विश्व में पहले ही महसूस की जा रही है। चीन, दक्षिण चीन सागर के विवादित क्षेत्रों में अपने नवीनतम लड़ाकू विमान भेज रहा है। अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगी रूस से मिली चुनौती का मुकाबला करने में जब पूरल तरह से व्यस्त हैं तो ऐसी स्थिति में चीन इस मौके को भुनाकर अपनी ताकत को स्थाति करना चाहता है।

विवाहित से ब्लैकमेल कर बलात्कार का मामला दर्ज

- आरोपी युवक ने अश्लील फोटो व वीडियो वायरल करने की धमकी देकर रूपए हड़पे
- इस मामले में पीड़िता ने आरोपी युवक के साथ उसकी तीन मामियों पर भी आरोप लगाया और कहा कि, घटना के समय वो भी मौजूद थीं और उन्होंने युवक की मदद की।

अजमेर, (कासं)। रामगंज थाना क्षेत्र में एक विवाहिता से बलात्कार करने के मामला सामने आया है। पीड़ित विवाहिता ने रामगंज थाने में आरोपी सहित उसका साथ देने वाली मामियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता ने दर्ज मुकदमे में बताया कि आरोपी अश्लील वीडियो बनाकर धमकाया, बलात्कार किया और रुपए भी मांगे। पुलिस ने रेप की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की तहकीकात शुरू कर दी है। जांच दक्षिण पुलिस उपाधीक्षक मुकेश सोनी को सौंपी गई है।

रामगंज थाना पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र चंदबरदाई नगर जवाहर की नाड़ी निवासी पीड़िता ने थाने में लिखित शिकायत देते हुए बताया कि रवि नायक नामक व्यक्ति केबल डिश लगाने का काम करता है। इस कारण वह केबल के तार ठीक करने के बहाने घर पर आता जाता रहता था। आरोपी युवक ने पीड़िता के बाथरूम में नहाते हुए फोटो और वीडियो बना लिए और रुपयों के लिए ब्लैकमैल कर फोटो -वीडियो वायरल करने की धमकी दी। पीड़िता ने शिकायत में बताया कि उसने आरोपी की धमकियों से परेशान होकर यह बात उसकी मामी को बताई। मामी ने पीड़िता को कहा कि वह अकेली उसके घर पर आए। इस दौरान वह रवि के मोबाइल से वीडियो और फोटो डिलीट करवा देगी। पीड़िता जब आरोपी की मामी के घर पहुंची। वहां पर उसकी दो और मामियां व रवि पहले से मौजूद था। आरोपी रवि नायक, फूला देवी, ललिता देवी उसे झांसे में लेकर अपने साथ लेकर किसी दोस्त के घर ले गए। दोस्त को कहीं बाहर भेज दिया था। इस पर जब पीड़िता ने मोबाइल से उसकी फोटो और वीडियो डिलीट करने के लिए कहा तो आरोपी रवि और उसकी मामियों ने बदले में उसे शारीरिक संबंध बनाने के लिए कहा और जब पीड़िता ने मना किया तो उसके साथ जबरदस्ती बलात्कार किया।

बाद में आरोपियों ने इस दौरान उसकी और अश्लील वीडियो भी बना ली। उसे इंटरनेट पर डालने की धमकियां दी। पीड़ित विवाहिता ने बताया कि उसके बाद से ही आरोपी रवि फोटो वीडियो वायरल की धमकियां देकर कई बार बलात्कार कर चुका है और हजारों रुपए भी ले चुका है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी की धमकियों से परेशान होकर वह अपना फोन बंद कर अपने पीहर चली गई लेकिन आरोपी उसे धमकी दे रहा है। इस कारण विवाहिता मानसिक रूप से परेशान है। विवाहिता ने परेशान होकर मामले में रामगंज थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। रामगंज थाना पुलिस ने मामले में दुष्कर्म और रेप की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर तहकीकात शुरू कर दी है। मामले की जांच दक्षिण पुलिस उपाधीक्षक मुकेश सोनी कर रहे हैं। पुलिस ने इस संबंध में पीड़ित विवाहिता का जवाहरलाल नेहरू अस्पताल से बलात्कार संबंधी मैडिकल भी कराया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908